



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 314]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 29, 2009/ज्येष्ठ 8, 1931

No. 314]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 29, 2009/JYAISTHA 8, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(रक्षोपाय, सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 2009

विषय : चीन जन. गण. से भारत में अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के आयातों के विरुद्ध रक्षोपाय शुल्क जाँच।

सा.का.नि. 369(अ).—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं उसके तहत बनाए गए सीमा-शुल्क टैरिफ (सामान्य उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली, 2002 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. मै. अल्यूमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 118, प्रथम तल, रामनश्री आर्कोड, 18, एम जी रोड, बंगलौर-560001 तथा मै. हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लि., "सेंचुरी भवन", तीसरा तल, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वली, मुम्बई द्वारा सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं आकलन) नियमावली, 2002 (जिसे एतदपरचात् "रक्षोपाय नियम" कहा गया है) के नियम 5 के अंतर्गत मुझे एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें यह आरोप लगाते हुए कि अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के बढ़े हुए आयातों से भारत में अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है/होने का खतरा है, चीन जन. गण. से भारत में अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने की मांग की गई है ताकि चीन जन. गण. से अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के बढ़े हुए आयातों से हुए या हो सकने वाले बाजार विकृति के विरुद्ध अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के घरेलू उत्पादकों की सुरक्षा हो सके। इस बात से संतुष्ट होने पर कि नियम 5 के अंतर्गत अपेक्षाओं को पूरा कर लिया गया है, सीमा-शुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट शुल्क) नियम, 2002 के नियम 6 के अंतर्गत दिनांक 27 जनवरी, 2009 की जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना जो उसी दिन भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी, के जरिए अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल के आयातों के संबंध में रक्षोपाय जाँच शुरु की गई थी।

2. सूचना की प्रति चीन जन. गण. की सरकार को नई दिल्ली स्थित उसके दूतावास के माध्यम से भिजवाई गई थी। जाँच शुरुआत संबंधी सूचना की एक प्रति नीचे सूचीबद्ध सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भी भेजी गई थी :—

घरेलू उत्पादक (अल्यूमीनियम एफआरपी एंड फॉयल)

i. मै. हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लि., "सेंचुरी भवन", तीसरा तल, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वली, मुम्बई

- ii. मै. नाल्को इंडिया लि., नाल्को भवन, पी/1, नयापल्ली, भुवनेश्वर-751013
- iii. मै. भारत अल्यूमीनियम कं. लि., बिजनेस स्क्वॉयर, “ सी ” विंग, दूसरा तल, अंधेरी कुर्ला रोड, चकला, अंधेरी (पू.), मुंबई ।
- iv. मै. एस. डी. अल्यूमीनियम, एस डी हाउस, अकुर्ली रोड, कांदीवली (पू.), मुंबई-400101
- v. मै. पी. जी. फॉयल्स, पीपलिया कलॉ, राजस्थान
- vi. मै. रविराज फॉयल्स, 702, सेफरॉन, सातवाँ तल, पच्चवटी, अहमदाबाद, गुजरात-380006
- vii. इंडिया फॉयल्स 1, सागरदत्ता घाट रोड, कमरहटी, कोलकाता- पं. बंगाल-700058
- viii. मै. ए एम सी ओ इंडिया लि., सी-53-54, सेक्टर-57, फेज-III, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301
- ix. मै. मानकसिया लि., 8/1, लाल बाजार स्ट्रीट, कोलकाता-700001
- x. मै. पैरागोन इंड. लि., खसरा सं. 168-171, रायपुर भगवानपुर, रुड़की-247667, उत्तराखंड
- xi. मै. मरूधर इंडस्ट्रीज, 611, जीआईडीसी फेज-IV, अहमदाबाद-382445
- xii. जिंदल अल्यूमीनियम फॉयल्स, प्लॉट सं. 443/442, जीआईडीसी, वधोडिया, जिला वडोदरा-391760, गुजरात

आयातक

(क) अल्यूमीनियम फॉयल

- i. एस. डी. अल्यूमीनियम लि., प्लॉट सं. 124-133, पंचाल उद्योग नागा भीमपुर, दमन
- ii. जिल पैक 8 पूर्णिमा, दूसरा तल, महात्मा गाँधी रोड, मुलुण्ड (प.), मुंबई, महाराष्ट्र
- iii. पॉजीटिव पैकेजिंग इंड. लि. डिविजन, पॉजीटिव पैकेजिंग डीटीए, ग्राम रणसाई, सर्वेक्षण सं. 51 और 53
- iv. आरएस फॉयल्स प्रा. लि., शेड सं. 3 व 4, 181/ए, रनोली-आईपीसीएल रोड, कार्गो मोटर्स के पास, ग्राम वडोदा
- v. उमिया फ्लैक्सिफोम प्रा. लि., 40/ए, पंचरत्न इंड. एस्टेट, चंगोदर में, तालुका-साणंद, जिला-अहमदाबाद
- vi. निप्रा इंड. प्रा. लि., 34 व 44/126 अमली ग्राम, 66 के.वी.ए. स्टेशन के सामने, सिल्वासा, दादरा एवं नगर हवेली
- vii. अंशा प्रिंट पैक प्रा. लि., 30, केशव राव खाड़िये मार्ग, भायखला प., मुंबई, महाराष्ट्र-400011
- viii. भवानी सील्स प्रा. लि., आर-308, टीटीसी, एमआईडीसी एरिया, रबाले, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
- ix. टेद्रापैक इंडिया प्रा. लि., ग्राम तकवे बद्रुख, तालुका मावल, जिला-पुणे-412106
- x. ओरिएण्टल कंटेनर्स लि., प्लॉट सं. ए1, एमआईडीसी, मुरबाद, जिला- थाणे
- xi. पारेख अल्यूमिनेक्स लि., 601, ऑटो कॉमर्स हाउस, कैनेडी ब्रिज, नाना चौक, मुंबई, महाराष्ट्र
- xii. नागरिका फॉयल्स लि., 258/3, टेलीफोन एक्सचेंज के पास, दादरा एवं नगर हवेली संघशासित क्षेत्र

- xiii. एमको इंडिया लि., सी-53-54, सेक्टर 57, फेज-III, नोएडा-201301
 xiv. यूरो बॉड इंड. प्रा. लि., इपिक कर्थोलीबाड़ी ब्राह्मण, जम्मू

(ख) अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद

- i. मानकसिया लि. (पूर्ववर्ती हिंदुस्तान सील्स लि.), बीकानेर बिल्डिंग, 8/1, लाल बाजार स्ट्रीट, तीसरा तल, कोलकाता-700001
 ii. टाटा टोयो रेडिएटर लि., सर्वेक्षण सं. 235/245, ग्राम हिंजेवाड़ी, तालुका मुल्शी, जिला-पुणे, महाराष्ट्र
 iii. अल्कोन कम्पोजिट्स इंडिया प्रा. लि., यूनिट 321, बिल्डिंग 3, दूसरा तल, सॉलिटेयर कार्पोरेट पार्क, मुंबई-400093
 iv. एलस्ट्रॉंग इंटरप्राइजेज, 95, खिड़की ग्राम, मालवीय नगर, नई दिल्ली-17
 v. वी एल एस्टेट्स प्रा. लि., 204, नीलगिरी अपार्टमेंट्स, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली 110001, इंडिया
 vi. मैया फाइबर्स लि., एल्युडेकोर लैमिनेशन (प्रा.) लि., 209, कपाड़िया चैम्बर्स, 599, जेएसएस रोड, मरीन लाइन्स (पू.), मुम्बई
 vii. लल्लूभाई अमीचंद लि., 48/50, कंसारा चॉल, कालबादेवी रोड, मुम्बई 400002, महाराष्ट्र, भारत
 viii. स्टर्लाइट टेक्नोलॉजीज लि., सर्वेक्षण सं. 209, फेज 2, पीपरिया इंड एस्टेट, सिल्वासा - 394240, दादरा एवं नगर हवेली, भारत
 ix. ड्युराबिल्ड टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., 76/79, मकवाना लेन, टाकपाड़ा, मरोल, अंधेरी कुर्ला रोड के पास, अंधेरी (पू.), मुम्बई 400059
 x. अलुपन कम्पोजिट पैनल्स प्रा. लि., फ्लैट सं. 7-डी, 7वाँ तल, हंसालय बिल्डिंग, 15 बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
 xi. जीईआई इंड. सिस्टम्स लि., 26/ए, इंड. एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म.प्र.
 xii. बानको प्रोडक्ट्स (इ.) लि., बीआईएल, भाईली रेलवे स्टेशन के निकट, पडरा रोड, जिला बड़ौदा-391410, गुजरात
 xiii. ग्लेजटेक एल्यूमिनल प्रा. लि., 103, रिद्धि सिद्धि कॉम्प्लेक्स, अहिंसा सर्कल, सी-स्कीम, जयपुर

निर्यातक

(क) अल्यूमीनियम फॉयल

- i. जिंगकोउ अल्यूमीनियम इंडस्ट्रियल कं. लि., जिंगकोउ, साईंस एंड टेक. इंडस्ट्रियल एरिया, जिंगकोउ जोन, झेजियांग, जियांग्सु, चीन जन. गण.
 ii. जियाशुन अल्यूमीनियम फॉयल कं. लि., सं. 388, क्विंगयांग, यांगुआन रोड, थाइसांग, जियामिन, फुजियान, चीन जन. गण.
 iii. जियांग्सु अल्का अल्यूमीनियम कं. लि., वेस्ट बाईमाओ ऑफ गली कंट्री, चांगशु सिटी, जियांग्सु प्रोविंस, चीन जन. गण.

iv. हेबेई नॉर्थ चाइना अल्यूमीनियम कं. लि., सिटी झोउझोउ, हेबेई, चीन जन. गण., पो. कोड- 072750

(ख) अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद

- i. अल्केन कंपोजिट्स लि., शंघाई 298 ईस्ट कंगक्वियाओ रोड, 201319, प्यूडोन जी, शंघाई, चीन
- ii. सापा हीट ट्रांसफर (शंघाई) लि., सं. 1111, जियातांग रोड, शंघाई, चीन जन. गण.
- iii. शंघाई वांग्सुन न्यू मैटेरियल कं. लि., सं. 1299, पिंग आन रोड, साउथ ऑफ युआनजियांग इंडस्ट्रियल जोन, 2, चीन जन. गण.
- iv. होगजोउ ह्वांगसुन इंडस्ट्रियल कॉर्पो., 9/एफ. क्विशी बिल्डिंग, 6 जियाओगोंग रोड, हांगजु, चीन
- v. बुक्सी क्वांगटोंग केबल मैटेरियल कं. लि., नान्हु जोंगलु बिन्हु टाउन, बिन्हु जिला, बुक्सी जियांगसु, चीन
- vi. झेजियांग डिगशेंग अल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज कार्पो., जिगकोऊ, साइंस एंड टेक. इंडस्ट्रियल एरिया, झेजियांग, जियांगसु, चीन जन. गण.
- vii. जियामिन सी एंड डी इंक, 17वाँ तल, सी साइड बिल्डिंग, जियामिन, चीन
- viii. शंघाई ग्रेस ट्रेडिंग कं. लि., सं. 148, हांगटोऊ रोड, हांगटोऊ टाउन, नान्हुई जिला, शंघाई, चीन
- ix. डोंगे ब्ल्यू स्काई एंड सेवन कलर, डाक्वियाओ टाउन, डोंगे कंट्री, लियाओचेंग, शेनडॉंग, चीन-252218
- x. वांगजोउ लिडाओ मैटेलिक मैटेरियल, साउथ न्यू जिचांग रोड, जिन्झा टाउन, जोंगलोउ, वांगजोउ, जियांगसु, चीन-213000
- xi. बुक्शी थिंगबेंग इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि., सं. 100, एर्कुआन ईस्ट रोड, डिंग टिंग, चीन
- xii. शेनडॉंग फ्यूहाई इंडस्ट्रियल कं. लि., सं. 18, रेन्हे स्ट्रीट, यानटाई, चीन जन. गण.
- xiii. हेफेई फॉरेन इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड सर्विसेज लि., 9वाँ तल, हेफेई बिल्डिंग सं. 83, हुआयुआन, चीन
- xiv. फोशान थिंगलु अल्यूमीनियम (सुजोऊ) कं. लि., दायी इंडस्ट्रियल जोन, चांग सू सिटी, इयांगसु प्रोविंस-215557, चीन जन. गण.
- xv. नॉर्थ चाइना अल्यूमीनियम कं. लि., झोउझोउ, हेबेई, चीन
- xvi. मै. डोडो अल्यूमीनियम (सुजोऊ) कं. लि., दायी इंडस्ट्रियल जोन, चांग सू सिटी, इयांगसु प्रोविंस-215557, चीन जन. गण.
- xvii. सी एन वी एम इंटरनेशनल कार्पो., 5/एफ. लोंगबो बिल्डिंग, 3 साउथ लिशी, बीजिंग, चीन (मेन लैंड)-100037

3. उसी दिन सभी ज्ञात घरेलू उत्पादकों एवं आयातकों तथा आयातकों एवं निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भी भिजवाई गई थीं और उनसे 30 दिन के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

4. निम्नलिखित पक्षकारों से हितबद्ध पक्षकार माने जाने संबंधी अनुरोध प्राप्त हुए थे और उन सभी अनुरोधों को स्वीकार किया गया था। कई हितबद्ध पक्षकारों से अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय में विस्तार हेतु अनुरोध भी प्राप्त हुए थे और निर्धारित अवधि के भीतर जाँच पूरी करने के लिए समय-सीमा को ध्यान में रखकर सभी मामलों में समय विस्तार की अनुमति दी गई थी तथा संबंधित पक्षकारों को तदनुसार सूचित किया गया था।

5. तीव्र गति से जाँच करने के बाद दिनांक 2 फरवरी, 2009 का प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी किए गए थे। दिनांक 23.03.2009 की अधिसूचना सं. 7606 (अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद) के अंतर्गत आने वाले सभी वस्तुओं पर यथामूल्य 21% की दर से और चीन जन. गण. से भारत में आयात किए जाने पर उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 7607 (अल्यूमीनियम फॉयल) के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर यथामूल्य 35% की दर से अनंतिम शुल्क लगाया गया था।

6. दिनांक 30 मार्च, 2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई की गई थी जिसके लिए दिनांक 26 फरवरी 2009 को सूचना भेजी गई थी। सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं आकलन) नियम 1997 के नियम 6 के उप नियम (6) के अनुसार सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित सभी हितबद्ध पक्षकारों से मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत लिखित अभ्यावेदन को सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत लिखित अभ्यावेदनों पर प्रत्युत्तर, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का भी अवसर दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लिखित अभ्यावेदन या प्रत्युत्तर में प्रस्तुत विचारों की जाँच की गई थी और उपयुक्त निर्धारण हेतु उन पर विचार किया गया था।

7. अपने उत्पादन, बिक्री, लागत एवं कीमत, लाभ तथा क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों के बारे में घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उत्पादकों के संयंत्रों के मौके पर दौरे के दौरान सत्यापन किया गया था। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्र लागत लेखाकार द्वारा लागत संबंधी आंकड़ों का सत्यापन एवं प्रमाणन किया गया था। सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय रूपान्तर सार्वजनिक फाइल में रखा गया था।

ख. भारत में घरेलू उत्पादकों के विचार

8. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नानुसार निवेदन किया गया है :-

- i (i) विचाराधीन उत्पाद के आयात में हाल की अवधि में समग्र एवं तुलनात्मक रूप में वृद्धि हुई है;
- (iii) चीन से आयातों में भारतीय उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है;
- (iii) आयातों में भारत में खपत के संबंध में वृद्धि हुई है;

- (iv) यद्यपि चीन से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है;
- (vi.) चीन से आयातों एवं घरेलू उत्पादों के बीच कीमत में भारी अंतर को देखते हुए आगे और आयात होने तथा क्षति का खतरा उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है;
- (vii) घरेलू माँग में वृद्धि को बढ़ते हुए आयातों ने अपने कब्जे में ले लिया है;
- (viii) यद्यपि भारतीय उत्पादकों ने एलएमई द्वारा घोषित कीमतों का पालन किया है तथापि आयातों में वृद्धि विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कम कीमत के कारण हुई है।
- (ix) संवर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद में पर्याप्त उत्पादन क्षमता की निष्क्रियता का सामना कर रहा है। वस्तुतः माल्को द्वारा लगभग 5 माह से प्रचालन नहीं किया जा रहा है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। उद्योग पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता का सामना कर रहा है।
- (x) उत्पादन में गिरावट आई है और आयात में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण चालू वर्ष में क्षमता उपयोग में परिणामी गिरावट आई है। इसके अलावा, यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है तथापि, घरेलू उद्योग के हिस्से में उस समय गिरावट आई है जब घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त क्षमताएँ पड़ी हुई थीं। घरेलू उद्योग अब उत्पादन में कटौती कर रहा है और संवर्धित आयातों से विचाराधीन उत्पाद में गंभीर क्षति हो रही है।
- (xi) संवर्धित आयातों से स्थापित क्षमता का उपयोग कम हो रहा है जिससे रोजगार की हानि हुई है।
- (xii) निवेश पर आय में गिरावट इतनी अधिक हुई थी कि मार्च, 2009 को समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू उद्योग की निवेश पर आय ऋणात्मक हो गई है।
- (xiii) उन्होंने आयात संबंधी ऑकड़े, वित्तीय मानदण्ड संबंधी ऑकड़े, और लागत संबंधी ऑकड़े यथायोग्य मूल्य लेखाकार से प्रमाणित प्रस्तुत किए हैं जिससे कि उनके दावों का सत्यापन हो सके।

ग. चीन सरकार तथा निर्यातकों के विचार

ग.1 चीन सरकार के विचार

9. अपने परामर्शदाता के जरिए चीन सरकार ने दावा किया है कि जाँच की शुरुआत करने से पूर्व सीएपी के अनुच्छेद 16.1 के अनुसार परामर्श किए जाने चाहिए। उनके द्वारा दिए गए तर्क निम्नानुसार हैं :

“ यह जाँच डब्ल्यूटीओ के लिए चीन का सदस्यता प्रोटोकॉल (सीएपी) के अनुच्छेद 16 के अंतर्गत परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय (टीपीएसएसएम) के अधिरोपण के लिए है। सीएपी के अनुच्छेद 16.1 में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है : ”

16. परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय

1. उन मानकों में जहाँ चीन के उद्गम के उत्पादों का किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य के क्षेत्र में ऐसी बढ़ी हुई मात्रा अथवा ऐसी परिस्थितियों के अंतर्गत आयात किया जा रहा हो जिससे समान या

प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों के घरेलू उत्पादक के लिए बाजार विकृति हुआ हो या होने का खतरा हो, इस प्रकार प्रभावित सदस्य द्वारा इस बात सहित कि क्या प्रभावित डब्ल्यूटीओ सदस्य को रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत कोई उपाय लागू करना चाहिए, परस्पर संतोषजनक समाधान प्राप्त करने की दृष्टि से चीन के साथ परामर्श हेतु निवेदन किया जाएगा। रक्षोपाय संबंधी समिति को ऐसे किसी अनुरोध की सूचना तत्काल दी जाएगी।

10. तथापि चीन सरकार द्वारा दुख के साथ नोट किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी जाँच की शुरुआत के पूर्व ऐसे परामर्श का अवसर प्रदान करने में असफल रहे। जाँच की शुरुआत के समय से पूर्व से ले कर अब तक (प्रारंभिक जाँच परिणामों के अनुमोदन के बाद तक भी) चीन सरकार को उपयुक्त चैनलों से कोई पत्राचार प्राप्त नहीं हुआ है। चीन सरकार की राय में यह न केवल डब्ल्यूटीओ के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है बल्कि जाँचकर्ता प्राधिकारी द्वारा लिए गए उत्तरदायित्वों के भी विरुद्ध है। परिणामस्वरूप, चीन सरकार के अधिकारों के इस गंभीर हनन के कारण चीन सरकार जाँचकर्ता प्राधिकारी की कार्य पद्धति को स्वीकार नहीं कर सकती है।

11. सीएपी के अनुच्छेद 16.1 में मौजूद “ इस बात सहित कि क्या प्रभावित डब्ल्यूटीओ सदस्य को रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत कोई उपाय लागू करना चाहिए, परस्पर संतोषजनक समाधान प्राप्त करने की दृष्टि से ” शब्दों का तात्पर्य निम्नानुसार है :-

i. अनुच्छेद 16.1 के प्रथम वाक्य के प्रथम भाग में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में इस प्रकार प्रभावित डब्ल्यूटीओ सदस्य द्वारा चीन के साथ परामर्श की माँग की जाएगी। ऐसे परामर्शों का उद्देश्य परस्पर संतोषजनक समाधान ढूँढना है।

ii. किसी विशेष मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों में परस्पर संतोषजनक समाधान निकालते हुए कई विकल्पों पर विचार किया जाना संभव हो सकता है। उनमें से एक रास्ता रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत किसी उपाय का अधिरोपण है (जिसे एतदपश्चात् “ रक्षोपाय संबंधी करार ” कहा गया है)। “ रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत किसी उपाय का अधिरोपण है ” शब्दों का तात्पर्य परामर्शों के एक भाग के रूप में रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत किसी उपाय का अधिरोपण है, पर विचार किया जा सकता है। यदि परामर्श की प्रक्रिया के दौरान रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत किसी उपाय का अधिरोपण है, का निर्णय लिया जाता है तो टीपीएसएसएम को लागू करने का प्रश्न ही नहीं उठता। अतः, अपने विकल्प अर्थात् टीपीएसएसएम या रक्षोपाय करार के अंतर्गत रक्षोपाय के चुनाव का निर्णय करने से पूर्व चीन के साथ परामर्श किया जाना अपेक्षित है।

iii. यदि रक्षोपाय संबंधी करार के अंतर्गत किसी उपाय का अधिरोपण है, का निर्णय लिया जाता है तो रक्षोपाय करार में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। यदि टीपीएसएसएम मार्ग के अनुपालन का निर्णय लिया जाता है तो सीएपी के अनुच्छेद 16 के प्रावधानों का पालन किया जाएगा।

iv. जहाँ तक अनंतिम उपायों का संबंध है, प्रभावित डब्ल्यूटीओ सदस्य द्वारा अनुच्छेद 16.7 के अनुसार प्रारंभिक निर्धारण किया जाएगा (प्रथम वाक्य) और उसके तत्काल बाद अनंतिम उपायों को अधिसूचित तथा अनंतिम उपायों पर परामर्श किया जाएगा (द्वितीय वाक्य)। जहाँ रक्षोपाय करार के

अनुच्छेद 12.1 में अनंतिम उपाय किए जाने के पूर्व अधिसूचना तथा अनंतिम उपायों के अधिरोपण के बाद परामर्श का प्रावधान है, वहीं सीएपी के अनुच्छेद 16.7 में यह प्रावधान है कि अनंतिम उपायों के अधिरोपण के बाद अधिसूचित तथा परामर्श किए जाएंगे।

v. सबसे पहले अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत यथापेक्षित परामर्श किए जाने चाहिए। ऐसे परामर्शों के बाद या उनके बावजूद यदि कोई डब्ल्यूटीओ सदस्य टीपीएसएसएम के अनुपालन का निर्णय लेता है तो वह टीपीएसएसएम के अधिरोपण हेतु जाँच शुरू करेगा। तत्पश्चात् यदि गंभीर परिस्थितियाँ विद्यमान हों तो अनुच्छेद 16.7 के अंतर्गत किसी अधिसूचना के बिना अनंतिम उपाय लागू किए जाएँगे। तत्पश्चात् अनुच्छेद 16.7 के अंतर्गत अनुवर्ती परामर्श किए जाएँगे।

vi. पहले अनुच्छेद 16.7 में उल्लिखित अनंतिम उपायों का अधिरोपण और फिर “टीपीएसएसएम” तथा “रक्षोपाय करार के अंतर्गत उपाय” में से किसी एक चयन हेतु परामर्श (अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत) करना उचित नहीं है। यदि अनंतिम उपाय पहले ही लागू कर दिए गए हैं और अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत परामर्शों में जाँचकर्ता प्राधिकारी पाते हैं कि “रक्षोपाय करार के अंतर्गत उपाय” अधिक उपयुक्त है, तो टीपीएसएसएम के अंतर्गत अनंतिम उपायों का अधिरोपण वांछित स्थिति नहीं होगी। अतः पहले अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत परामर्श किए जाएँगे और फिर टीपीएसएसएम हेतु जाँच की प्रक्रिया में उपयुक्त समय पर अनुच्छेद 16.7 के अंतर्गत यथापेक्षित परामर्श, यदि कोई हों, किए जाएँगे। किसी भी परिस्थिति में अनुच्छेद 16.7 के अंतर्गत परामर्श, अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत परामर्श से पहले नहीं किए जा सकते हैं।

(vii) यह कैप के अनुच्छेद 16.1 की एकमात्र उपर्युक्त व्याख्या है। अन्यथा 'क्या प्रभावित डब्ल्यूटीओ सदस्य को रक्षोपाय करार के तहत उपाय लागू करना चाहिए' वाक्यांश निरर्थक हो जाएगा।

(viii) इस मामले में, भारत ने कैप के अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत चीन से विचार-विमर्श नहीं किया। डब्ल्यूटीओ सदस्य के रूप में कोई जाँच करते समय किसी भी तरीके से मूल डब्ल्यूटीओ सिद्धांतों तथा दायित्वों की उपेक्षा या उनमें कमी नहीं की जाएगी। चूँकि कैप के अनुच्छेद 16.1 के अंतर्गत जीओसी को विचार-विमर्श का कोई अवसर प्रदान नहीं किया गया है अतः टीपीएसएसएम जाँच तत्काल रद्द कर दी जाएगी।

12. याचिका की परिकल्पना ही अनुचित है क्योंकि यह उत्पाद के बहुत बड़े दायरे को लक्षित करती है और बड़े हुए आयातों के समर्थन में विश्वसनीय आयात आंकड़े प्रस्तुत नहीं करता है।

13. याचिका में आयातों में कोई त्वरित वृद्धि प्रदर्शित नहीं की गई। इसमें बाजार अव्यवस्था-गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के जोखिम से संबंधित कोई साक्ष्य भी दर्शाए नहीं गए। जब ये दोनों घटक अनुपस्थित हैं तो स्वाभाविक रूप से कारणात्मक संबंध असंगत हो जाता है।

14. माँग में कमी आई है। घटती हुई घरेलू माँग को ध्यान में रखते हुए यह नहीं दर्शाया गया है कि चीन जन.गण. से आयातों में आंशिक वृद्धि से घरेलू उद्योग को कैसे क्षति पहुँची।

15. भारतीय घरेलू उद्योग लोचशील पैकजिंग प्रयोजनों के लिए उपर्युक्त फॉयल का उत्पादन नहीं करता है। प्रयोक्ताओं को निम्नलिखित दो विशेषताओं वाले फॉयल की आवश्यकता होती है :-

(i) 7 माइक्रॉन से कम मोटाई वाले फॉयल

(ii) 97.5 मि.मी. से अधिक चौड़ाई वाले फॉयल, भले ही मोटाई कितनी भी हो।

16. प्रारंभिक परिणामों में यह उल्लेख है कि शुल्क दर के निर्धारण के लिए 'एएल उत्पाद की औसत उत्पादन लागत + नियोजित पूँजी पर समुचित आय' की तुलना 'औसत आयात कीमत + आयात शुल्क' से की गई थी। इस कथन के मद्देनजर यह जानना अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का परिकलन कैसे किया गया था। याचिका में उत्पादन लागत के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। लागत निर्धारण सूचना के संबंध में उसका कोई अगोपनीय रूपोंतर हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है।

17. यह सर्वज्ञात है कि विश्वभर में एएल उद्योग निम्नलिखित सूत्र के आधार पर कीमतें तय करता है: 'आरएम की एसएमई कीमतें + रूपांतर/फैब्रिकेशन लागत'। यह भी ज्ञात है कि रूपांतर/फैब्रिकेशन लागत विश्वभर में लगभग समान है। हिंडालको एक एकीकृत उत्पादक है। उसकी लागत अन्य की तुलना में कम होनी चाहिए। यह ज्ञात नहीं है कि उन्होंने अक्टूबर/दिसम्बर, 2008 के दौरान अत्यधिक उच्च लागत कैसे दर्शाई है। संभवतः उन्होंने लेखांकन में कुछ हेराफेरी की है। यह आशंका है कि संभवतः निम्नानुसार हुआ होगा:

(क) सर्वप्रथम उन्होंने संभवतः एएल सिल्लियों की वास्तविक लागत को एएल सिल्लियों की घरेलू बिक्री कीमतों-या बाजार मूल्य अथवा प्राप्य मूल्य से प्रतिस्थापित किया। यदि उन्होंने अपनी लागतों का उपयोग नहीं किया जो लागत निर्धारण में कमी आएगी।

(ख) दूसरा, संभवतः उन्होंने एएल एफआरपी के विनिर्माण की वास्तविक लागत को एफआरपी की बिक्री कीमत या बाजार मूल्य अथवा एफआरपी के प्राप्य मूल से प्रतिस्थापित किया।

(ग) तीसरा, चूँकि उनके नुकसान अक्टूबर/दिसम्बर, 2008 के दौरान हुए हैं अतः यह संभवतः स्टॉक को बट्टे खाते में डालने के कारण हुआ है।

ग.2 एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड के विचार

18. एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड ने स्वीडन तथा चीन में विशेष अनुसंधान एवं विकास सुविधा के प्रयोग से एल्यूमीनियम एलॉय फ्लैट रोल्ड उत्पाद विकसित किए हैं जो दोनों ओर विशिष्ट एलॉयज से मढ़े हुए हैं।

19. यह मढ़े हुए एल्यूमीनियम एलॉय फ्लैट रोल्ड उत्पाद यील्ड सुदृढ़ता, अल्टीमेंट स्ट्रेंथ (एनपीए) इलॉन्गेशन आदि के रूप में विशेष गुणधर्म युक्त हैं।

20. के उपर्युक्त गुणधर्म युक्त उत्पादों की सूची भी दी गई है।

21. ये उत्पाद साधारण एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड नहीं हैं अपितु हीट एक्सचेंजर्स, जिनका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल तथा हीट वेंटिलेशन एवं वातानुकूलन प्रणाली में किया जाता है जहाँ दक्ष, पर्यावरण अनुकूल और सुदीर्घ ऊष्मा अंतरण पूर्वापेक्षित होता है, के विनिर्माण में विशिष्टीकृत अनुप्रयोग के लिए उद्दिष्ट हैं। ये उत्पाद कुछेक प्रमुख भारतीय आयातकों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं जो "समान वस्तु" अथवा घरेलू उद्योग से समान विनिर्देशों वाले उत्पादों तक पहुँचने में पूर्णतः असमर्थ हैं। संयोजित एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड द्वारा इनमें से निर्यातित कुछ उत्पाद पेटेंट प्राप्त हैं। इन भारतीय आयातकों द्वारा इन आयातित मढ़े हुए एल्यूमीनियम एलॉय फ्लैट रोल्ड उत्पाद का प्रयोग भारतीय ऑटोमोबाइल तथा एचवीएसी क्षेत्र द्वारा त्रुटिरहित दक्षता के साथ स्थानीय रूप से उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति में लक्षित होता है और इसलिए यह निरंतर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है तथा उपभोक्ता संतुष्टि का स्तर भी अत्यंत उच्च है।

22. एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड द्वारा विनिर्मित तथा भारत को निर्यातित उत्पादों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं /

उच्च चालकता	= दक्षतापूर्ण ऊष्मा अंतरण
कम भार	= ऊर्जा संरक्षण में योगदान
फॉर्म, वेल्डिंग या ब्रेजिंग में आसानी	= कुशल विनिर्माण
सरल पुनर्चक्रण	= पर्यावरण अनुकूल

23. विशिष्ट ग्राहकों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एसएचटीएस द्वारा विशिष्टीकृत एल्यूमीनियम एलॉय स्ट्रिप्स का विनिर्माण किया जाता है। भारतीय उपभोक्ताओं को ऐसे विशिष्ट उत्पाद उपलब्ध कराए जाने के कुछ मामले निम्नानुसार हैं :-

एलॉय ग्रेड	टेंपर ब्रेजिंग से उत्पादन	पूर्व ब्रेजिंग से सादृढ़ता	पूर्व चरम सुदीर्घीकरण%	ब्रेजिंग के बाद ब्रेजिंग के बाद चरम सादृढ़ता
एफए82 ए4 (भारतीय उत्पाद)	एमआईएन एच14 एमपीए	125 145-185एमपीए	Min1	40एमपीए 110एमपीए
एफए8 ईए4 (टाटा टोयो रेडिएटर्स लिमिटेड को आपूर्ति एसएचटीएस उत्पाद)	एमआईएन125एमपीए एच14	145~185एमपीए	Min1	45एमपीए 140एमपीए
एफए8 एचए4 (वानको प्रॉडक्ट्स लि0 को आपूर्ति)	एमआईएन150एमपीए एच24	185~235एमपीए	Min8	55एमपीए 145एमपीए
एफ8 यू** (बेहर इंडिया लिमिटेड को आपूर्ति)	एमआईएन 140 एच24	150-205एमपीए	Min8	50एमपीए 140एमपीए
एफए81 जे4 (वानको प्रॉडक्ट्स लि0 को आपूर्ति)	एमआईएन150एमपीए एच24	180~210एमपीए	Min8	60एमपीए 160एमपीए

24. भारतीय आयातकों ने यह पुष्टि भी की है कि जिन उत्पादों की आपूर्ति एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड द्वारा की गई है, किसी भी घरेलू विनिर्माता से उस उत्पाद के अधिप्रापण में वे असमर्थ रहे हैं, और इस अर्थ में एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड द्वारा निर्यातित ये उत्पाद अद्वितीय हैं और इनके कारण किसी प्रकार का "बाजार विद्यटन" अथवा बाजार विद्यटन का जोखिम उत्पन्न नहीं हुआ है जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ग के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ (अंतर्वर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियमावली 2002 द्वारा अपेक्षित है। यह उनके द्वारा उल्लिखित स्थिति में भी दिया गया है जैसाकि आपके पास दायर उनके लिखित अनुरोधों में ब्यौरा दिया गया है।

25. उपर्युक्त के मद्देनजर यह अनुरोध किया है कि कृपया आपका कार्यालय एक समुचित अधिसूचना जारी करे जिसके द्वारा इन उत्पादों (एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड, चीन द्वारा आपूर्ति) को छूट/अपवर्जन प्रदान की जाए। हम सूचित करते हैं कि हमारी सूचना के अनुसार एसएपीए हीट ट्रांसफर (शंघाई) लिमिटेड द्वारा आपूर्ति इन उत्पादों का कोई घरेलू विनिर्माता नहीं है अतः "बाजार विद्युतन का कोई जोखिम" नहीं है अतः अंतर्वर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क का अधिरोपण उचित है।

26. जाँच/रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण से छूट प्रदान करने के प्रयोजनार्थ हमारा सुझाव है कि निम्नलिखित विवरण उल्लिखित उत्पादों का समुचित सार प्रस्तुत करता है :

"टैरिफ शीर्ष 7600 अथवा 7607 के अंतर्गत 0.05 मि.मी. से 3.00 मि.मी. को मोटाई वाले जटित या अजटित एल्यूमिनियम-मैंगनीज-सिलिकॉन आधारित और/अथवा एल्यूमीनियम-मैंगनीज-सिलिकॉन आधारित एलॉयज जिनकी ब्रेजिंग के उपरांत शील्ड सुदृढता 45 एमपीए से अधिक है और जिसका इस्तेमाल रेडिएटर्स, चार्ज अउर कूलर्स, फंडेंसर्स, ऑयल कूलर्स, हीटर कोर्स, एवेपोरेटर्स, हीट वेंटिलेशन तथा वातानुकूलन (एचवीएसी) प्रणालियों सहित हीट एक्सचेंजर्स तथा उनके पुरजों में होता है।"

घ. आयातकों/प्रयोक्ता उद्योगों के विचार

27. चूंकि सौ से अधिक हितबद्ध पक्षों तथा छिद्यहतर व्यक्तियों ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया अतः सार रूप में उनके अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- (i) रक्षोपाय महानिदेशालय ने हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए 27 फरवरी, 2009 तक का समय दिया था। तथापि अंतिम तारीख की प्रतीक्षा किए बिना कड़े शुल्क की सिफारिश करते हुए दिनांक 2 फरवरी, 2009 को प्रारंभिक परिणाम जारी कर दिए गए जो समग्र प्रयोक्ता उद्योग के लिए बाधक है।
- (ii) सुनवाई और अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर न देने से समस्त प्रयोक्ता उद्योग को गंभ्र और अपूरणीय क्षति तथा हानि होगी।
- (iii) एक ही जाँच के अंतर्गत अनेक उत्पादों की जाँच की जानी है जो निम्नानुसार नहीं है। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 8(ग) में केवल किसी वस्तु तथा 'वस्तु' के संबंध में जाँच परिकल्पित है अतः ऐसी अलग-अलग वस्तुओं के लिए समान निष्कर्ष अनुचित है।
- (iv) कॉन्सल्टेशिया एच एंड एन सुजोऊ ने सूचित किया है वे एल्यूमिनियम बॉटलनेक फॉयल बीयर लेवल प्रदान कर रहे हैं। मुद्रित एल्यूमीनियम फॉयल का उत्पादन चीन में किया जाता है। इन फॉयल्स की मोटाई 10.5 माइक्रॉन है जिनका उत्पादन न तो हिंडालको द्वारा किया जाता है और न ही वेदांत द्वारा।
- (v) मै. आरएम पैकेजिंग प्रा० लि० तथा अन्य पैकेजिंग इकाइयों ने यह तर्क दिया है कि वे बीयर फॉयल को मूल्यवर्धित उत्पादों में रूपांतरित करते हैं और मुख्यतः भेषजीय उद्योगों को बेचते हैं। वर्ष 2005 से वे अस्थिर बाजार का सामना कर रहे हैं और जब भी एलएमई कीमतों में वृद्धि होती है बड़े फॉयल निर्माताओं को भारी लाभ होता है। जनवरी, 2008 से जुलाई, 2008 तक किसी पूर्व सूचना के बिना लगभग 6 या 7 किशतों में फॉयल की कीमत में लगभग 45 रुपए प्रति किग्रा. की वृद्धि हुई। यह उच्च एलएमई कीमतों के कारण हुआ जबकि हिंडालको या बालको धातु का आयात नहीं करत हैं और उनकी धातु की लागत समान है। कीमतों में हुई वृद्धि 28% तक थी। जनवरी, 2008 में एल्यूमिनियम की एलएमई कीमतें 2400 अम.डॉ. थी जो जुलाई, 2008 में बढ़कर लगभग 3200

अम.डॉ. रह गई। वर्तमान फॉयल विनिर्माता सामूहिक रूप में कार्य कर रहे हैं और एलएमई कीमतों में कमी के बावजूद कीमतों में कटौती नहीं कर रहे हैं।

- (vi) एलएमई वर्तमान में औसत 1350 अम.डॉ. है और अच्छी गुणवत्तावाली चीनी मीडियम गॉज फॉयल की औसत कीमत 2550/-अम.डॉ. है। इसका अर्थ यह है कि रूपांतर लागत लगभग 60,000/-रुपए प्रति टन या 60/-रुपए प्रति कि.ग्रा. है जो बहुत अधिक है अतः फॉयल के मामले में उनके द्वारा भारत में अपना सामान पाटित करने का प्रश्न नहीं उठता है। 1350 अम.डॉ. का अर्थ लगभग 66 रुपए प्रति कि.ग्रा. है और फॉयल विनिर्माताओं द्वारा प्रभारित फॉयल की औसत कीमत मात्र फॉयल के लिए 170 रुपए से अधिक तथा कुछ रूपांतरित फॉयल के लिए 240 रुपए है। इस प्रकार सिल्ली से फॉयल तक 120/-रुपए प्रति कि.ग्रा. का मार्जिन तथा रूपांतरित फॉयल पर लगभग 175 रुपए प्रति कि.ग्रा. का मार्जिन है। विश्व मानकों के अनुसार फॉयल के लिए यह मार्जिन अत्यधिक है।

क्र.सं.	अम.डॉ. के एलएमई कीमत किग्रा.	49रु./अम.डॉ. की दर से रु. में एलएमई	इंडोनेशियाई आपूर्तिकारों की औसत कीमत		अम.डॉ. में फॉयल की औसत कीमत		भारतीय विनिर्माताओं की औसत बेअर मीडिया गॉज फॉयल की कीमत
			आईएनआर में	यूएसडी में	आईएनआर में	यूएसडी में	
1	1.35	66.15	130	2.65	125	2.55	170

एलएमई कीमत की तुलना में भारतीय विनिर्माता के लिए औसत मार्जिन	सिल्लियों से फॉयल हेतु रुपये में अपेक्षित सामान्य मार्जिन	भारतीय रुपये में एलएमई कीमत की तुलना में चीन विनिर्माताओं द्वारा लिया गया मार्जिन	तुलना में इंडोनेशियाई आपूर्तिकारों का औसत मार्जिन	चालू कीमतों पर भारतीय विनिर्माताओं को प्राप्त प्रति कि.ग्रा. का अतिरिक्त	जुलाई 2008 में लागू 35 % शुल्क के अनुसार मीडियम गॉज फॉयल की संभावित बढ़ी हुई कीमत	शुल्क के उपरांत एलएमई कीमत की तुलना में मार्जिन
105	55	58.8	63.6	55	200-215	रु.135-150

- (vii) रूपांतरण उद्योग फॉयल उत्पादक कम्पनियों की तुलना में कहीं अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करता है। बड़े विनिर्माताओं का प्रति कम्पनी औसत रोजगार लगभग 150 प्रति फैक्टरी है और कुल पाँच से केवल तीन कम्पनियाँ बड़ी हैं अतः कुल रोजगार केवल 600-750 व्यक्ति हैं। जबकि फॉयल रूपांतरण उद्योग में रोजगार 15000-20,000 से कम नहीं है क्योंकि भारत में कम से कम 1000 रूपांतरण इकाइयाँ हैं और छोटी कम्पनियों में औसतन 15-20 व्यक्ति तथा पेपर प्रॉडक्ट्स, ऐस्सेल पैकेजिंग आदि जैसी बड़ी कम्पनियों में लगभग 100-200 व्यक्ति कार्यरत हैं। इसके अलावा भेषज उद्योग बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देता है और भारत में फॉयल

जैसे छोटे उद्योग को बचाने के प्रयास से अनेक क्षेत्रों में बड़े उद्योग अशक्त हो जाएँगे और रूपांतरण क्षेत्र में सभी एसएसआई के बंद होने की नौबत आ जाएगी।

- (viii) अधिकांश रूपांतरण उद्योगों ने आधुनिक मुद्रण तथा लैमिनेशन सुविधाएँ स्थापित की हैं और इसलिए भारत में अच्छी गुणवत्ता वाला रूपांतरित फॉयल उचित कीमतों पर उपलब्ध है और किसी भी फॉयल उत्पादक कम्पनी ने विगत दस वर्षों में नई मशीनों में निवेश नहीं किया है। हिंडालको जैसी कम्पनी ने अपने सिलवासा संयंत्र के लिए सस्ती और बेकार फॉयल रोलिंग मिल्स का आयात किया और वह वर्तमान में अच्छी गुणवत्ता वाले फॉयल के उत्पादन में अक्षम है और इसलिए आधुनिक मशीनों, जिनके लिए अच्छी गुणवत्ता युक्त फॉयल अपेक्षित है, वाली फैक्टरियों को उनका आयात करना पड़ता है। अतः उनकी लागत अधिक होती है। उन्हें लंबे समय से एकाधिकार की स्थिति का लाभ भी मिला है जैसे 1980 में इंडिया फॉयल्स 130 रुपए किग्रा. की दर से हिन्दुस्तान केबल्स लि0 जैसी कम्पनियों को पॉल्यल टेप की आपूर्ति करती थी जबकि फॉयल स्टॉक कीमत 30/-रुपए किग्रा. थी। वर्ष 2001-2003 में उन्होंने हिन्दुस्तान केबल्स की 125/-रुपए किग्रा. की दर से उसी पॉल्यल टेप की आपूर्ति की जबकि फॉयल स्टॉक कीमत 100 रुपए प्रति किग्रा. थी। जो न केवल 15 से 25 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता है बल्कि केन्द्र सरकार को अत्यधिक राजस्व भी देता है, प्रभावित होगा।
- (ix) मै0 हिंडालको ने बकाया क्यू 3 वित्त वर्ष 2008-09 के परिणाम घोषित कर दिए हैं और पीबीआईटी 768.6 करोड़ रुपए दर्शाया है। निवल लाभ 544.8 करोड़ रुपए है जो आंशिक रूप से अधिक है। हिंडालको की निवल बिक्री तथा प्रचालन आय 30 सितम्बर, 2007 को समाप्त तिमाही के दौरान रहे 4966.9 करोड़ रुपए की तुलना में 5683.2 करोड़ रुपए रही है।
- (x) भारतीय चाय संघ ने तर्क दिया है कि भारतीय चाय उद्योग निर्यात के साथ-साथ घरेलू बाजार के लिए बल्क पैकेजिंग हेतु मल्टिवॉल पेपर सैक का व्यापक प्रयोग करता है। इस पेपर सैक का विनिर्माण भारत में होता है। ये विनिर्माता 1245 मिमी. और 1445 मिमी. चौड़ाई वाली 7 माइक्रॉन मोटी एल्यूमीनियम फॉयल का प्रयोग करते हैं। मै0 हिंडालको और अन्य 1245 मिमी. तथा 1445 मिमी. की ऐसी 7 माइक्रॉन फॉयल का विनिर्माण नहीं करते हैं। भारतीय विनिर्माता 1000 मिमी. से कम चौड़ाई वाले उत्पाद विनिर्मित करते हैं। भारतीय फॉयल की गुणवत्ता निम्नतर है।
- (xi) प्रशीतन तथा वातानुकूलन विनिर्माताओं के विभिन्न संघों ने यह तर्क दिया है कि वातानुकूलन हेतु हीट एक्सचेंजर्स महत्वपूर्ण सामग्रियों में से एक हैं और वातानुकूलकों के निष्पादन हेतु एल्यूमीनियम की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे फॉयल की सीआईए कीमतें सदैव एलएमई पर एल्यूमीनियम कीमत पर निर्भर रही हैं। आयात शुल्क में किसी भी वृद्धि की परिणति व्युत्क्रम शुल्क संरचना में होगी।

Xii. वर्ष 2007-08 की वार्षिक रिपोर्ट में 20 को अनुसूचित करने संबंधी एक पाद टिप्पणी है जिसमें भारतीय नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा सिल्वसा फाइल संयंत्र की संस्थापित क्षमता को पुनः मूल्यांकित करके 30,000 टन प्रति वर्ष आंका गया है। पुनः मूल्यांकित क्षमता के आधार पर अप्रैल-दिसम्बर 08 के दौरान क्षमता उपयोग 100 प्रतिशत से अधिक रहा है। हिंडाल्को के अलावा कोई अन्य भारतीय कंपनी ए सी एवं आर उद्योग हेतु उपयुक्त ग्रेड के एल्यूमीनियम फॉइल का उत्पादन नहीं करती है और हिंडाल्को मांग को पूरा नहीं कर पा रही है।

Xiii. भारतीय प्लास्टिक प्रसंस्कर्ता संगठन ने तर्क दिया है कि फॉइल बनाने वाली भारतीय कंपनियां पुरानी मशीनों एवं प्रौद्योगिकी के साथ प्रचालन कर रही हैं और उत्पादन खराब गुणवत्ता का है। लोचशील पैकिंग विनिर्माण उद्योग आधुनिक उपकरणों एवं मशीनरी के साथ, जो उच्च स्पीड लाइनों पर कार्य करती है और घरेलू एवं निर्यात बाजार की मांग को उच्च गुणवत्ता, उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों का उत्पादन करके निरंतर अपनी सुविधाओं को बढ़ा रहा है। सामान्य रूप से उपयोग में लाए जाने वाले फॉइल गेज 6.0, 6.35 तथा 7 माइक्रॉन मोटाई वाले होते हैं। 7 माइक्रॉन से नीचे के फॉइल का उत्पादन हिंडाल्को एवं अन्य उद्योगों द्वारा नहीं किया जाता है। हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित 7 माइक्रॉन वाला फॉइल आयातित फॉइल से गुणवत्ता के संदर्भ में अलग है। आयातित 7 माइक्रॉन वाले फॉइल का पिन होल करंट, घरेलू आपूर्तिकर्ता के 600 प्रति वर्ग मी की तुलना में केवल 50 वर्ग मी. होता है। ये 7 एवं 7 से कम माइक्रॉन वाले फॉइल खाद्य एवं भेषज उत्पाद उद्योग द्वारा इस्तेमाल में लाए जाते हैं जो अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र हैं। इस गेज के फॉइल के उत्पादन की घरेलू उद्योग की क्षमता लगभग 500 टी पी ए तक सीमित है जो मांग से काफी कम है।

Xiv आधारभूत कच्ची सामग्री पर रक्षोपाय शुल्क से लागत में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप तैयार उत्पाद के आयात की संभावना बन जाती है। 7 माइक्रॉन वाले एल्यूमीनियम फॉइलों की आयात कीमत 185 रुए तथा मै0 हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि0 द्वारा उत्पादित फॉइल की कीमत 221.6 प्रति किग्रा है।

Xv. मै0 नागरिका फॉइल्स लि0 ने तर्क दिया है कि वे को-पॉलिमर्स के साथ एल्यूमीनियम एवं क्रोम कोटेड स्टील फॉइलों के हीट प्रेस लैमिनेशन का कार्य कर रहे हैं। इसमें अंतिम उत्पाद केवल विनिर्माताओं द्वारा उपयोग में लाया जाता है। रक्षोपाय शुल्क लागू करने से चूंकि निविष्टि कीमतों में वृद्धि होगी अतः वे कम प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे।

Xvi. मै0 बी एण्ड ए मल्टीवॉल पैकेजिंग लि0 ने तर्क दिया है कि वे चाय, विशेषकर निर्यात हेतु आशयित, की गुणवत्ता एवं ताजगी को बनाए रखने के लिए बहुस्तरीय पेपर बैगों का विनिर्माण कर रहे हैं। बहुस्तरीय पेपर बैगों की अंदरूनी परत सबस्ट्रेट के रूप में 6.35 से 7 माइक्रॉन मोटाई वाला एल्यूमीनियम फॉइल से बनी होती है। चाय पैकेजिंग हेतु बैग के अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत आकार के अनुसार एल्यूमीनियम फॉइल की चौड़ाई 1245 मिमी तथा 1445 मिमी की होनी चाहिए। ऐसे उत्पाद का विनिर्माण भारत में हिंडाल्को एवं अन्यो द्वारा नहीं किया जाता है। भारतीय विनिर्माताओं की क्षमता 1000 मिमी चौड़ाई से कम की 7 माइक्रॉन मोटाई वाले फॉइलों तक ही सीमित है। अतः उनके पास आयात के अलावा और कोई विकल्प नहीं है और इसलिए 7

माइक्रॉन एवं 7 से कम माइक्रॉन मोटाई वाले फॉइलों को जांच के दायरे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए ।

Xvii मै0 ग्रीन पैक प्रा0 लि0, मै0 पारस पैक वं मै0 उमा कन्वर्टर प्रा0 लि0 सहित विभिन्न पैकेजिंग इकाइयों ने तर्क दिया है कि भारतीय फॉइल की गुणवत्ता अच्छी नहीं है और स्लोपाय शुल्क से उनके व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

Xviii याचिका सही ढंग से प्रस्तुत नहीं की गई है क्योंकि उसमें उत्पाद के एक अत्यधिक व्यापक कार्यक्षेत्र को लक्षित किया गया है और बढ़ते हुए आयातों के संबंध में विश्वसनीय आयात आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं ।

Xix याचिका के अनुसार आयातों में कोई द्रुतगामी वृद्धि प्रदर्शित नहीं होती है । इसमें बाजार में रूकावट - गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति के खतरे का कोई प्रमाण भी प्रदर्शित नहीं होता है । जब यह दोनों ही तत्व मौजूद नहीं है तो निश्चित रूप से कारणात्मक संबंध असंगत हो जाता है ।

XX मांग में गिरावट हो रही है । घरेलू मांग में गिरावट के मद्देनजर यह नहीं दर्शाया गया है कि चीन जन गण से आयातों में मामूली वृद्धि से, घरेलू उद्योग को किस प्रकार क्षति हुई है ।

XXi भारतीय घरेलू उद्योग, लोचशील पैकेजिंग उपयोगों के लिए उपयुक्त फॉइल का उत्पादन नहीं करता है । प्रयोक्ताओं को दो विशेषताओं अर्थात् 7 से कम माइक्रॉन मोटाई वाले फॉइलों; तथा मोटाई जो भी हो लेकिन 975 मिमी से अधिक चौड़ाई वाले फॉइल की आवश्यकता होती है ।

XXii प्रारंभिक जांच परिणामों में यह उल्लेख है कि शुल्क दर के निर्धारण के लिए "एल्यूमिनियम उत्पादन की औसत उत्पादन लागत + लगाई गई पूंजी पर एक समुचित आय" की तुलना "औसत आयात कीमत + आयात शुल्क" के साथ की गई थी । इस कथन के मद्देनजर यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि घरेलू उद्योग हेतु उत्पादन लागत का निर्धारण किस प्रकार किया गया था । याचिका में उत्पादन लागत के बारे में कोई उल्लेख नहीं है । लागत संबंधी सूचना के विषय में उसका कोई अगोपनीय रूपांतर हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है ।

XXiii संपूर्ण विश्व में यह तथ्य सुविदित है कि एल्यूमीनियम उद्योग "आर एम की एल एम ई कीमत + परिवर्तन/निर्माण लागत" के फॉर्मूला का उपयोग कर अपनी कीमतें निर्धारित करता है । यह भी सुविदित है कि विश्व भर में परिवर्तन/निर्माण लागत लगभग समान होती है । हिंडाल्को एक संघटित उत्पाद है । उसकी लागत अन्य उत्पादों से कम होनी चाहिए । यह ज्ञात नहीं है कि अक्टूबर/दिसम्बर 2008 के दौरान उन्होंने अत्यधिक उच्च लागत कैसे प्रस्तुत की थी । हो सकता है कि उन्होंने उन्होंने लेखों का त्रुटिपूर्ण आकलन किया हो । यह माना जाता है कि निम्न बातें हुई होंगी: सर्वप्रथम एल्यूमीनियम के धातुपिण्डों के को वास्तविक लागत के स्थान पर एल्यूमीनियम के धातु पिण्डों की घरेलू विक्री कीमतें अथवा उनका वसूलीयोग्य मूल्य को रख दिया होगा । यदि उन्होंने अपनी लागत का इस्तेमाल नहीं कर लिया है तो लागत सूचना में उपर से

नीचे के क्रम में संशोधन किया जाएगा। दूसरा, उन्होंने एल्यूमीनियम एफ आर पी के निर्माण की वास्तविक लागत के स्थान पर एफ आर पी की बिक्री कीमतों अथवा बाजार मूल्य एफ आर पी की वसूलीयोग्य कीमतों को आधार बनाया होगा, तीसरा, चूंकि उनको अक्टूबर/दिसम्बर 2008 के दौरान हानि हुई है अतः यह स्टॉक के बढ़ते खाते में चले जाने के कारण हो सकता है।

XXiv उत्पाद मिश्रण के आधार पर भारित औसत कीमत हर देश में अलग होगी। आवेदन के पृष्ठ 13 के खण्ड 5 पैरा 1 (ख) की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है जहाँ घरेलू उद्योग ने स्वयं स्वीकार किया है कि एल्यूमीनियम उत्पादों की श्रेणी को समरूपी उत्पाद नहीं माना जा सकता है। यदि यह बात है तो यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसे आवेदन को जिसमें घरेलू उद्योग ने तथ्यों को स्वयं स्वीकार किया है, जांच का आधार कैसे बनाया जा सकता है।

XXv बढ़ते हुए आयातों हेतु मामला तैयार करने के लिए आयात आंकड़ों के विभिन्न स्रोतों का उपयोग किया गया है। सांख्यिकीय विश्लेषण की कोई पद्धति ऐसे विश्लेषण एवं तुलनाओं से किसी अर्थपूर्ण निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायक नहीं होगी।

XXvi यह सुनिश्चित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के व्यापक विवरण से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि शिकायतकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किए जाने वाले कई उत्पाद भी जांच के दायरे में शामिल हो गए हैं।

XXvii इस तथ्य के बावजूद भी कि आवेदन में यह उल्लेख है कि चीन से आयातों में 'क्रमिक' वृद्धि हुई है, प्रारंभिक जांच की गई है जबकि खण्ड 8 ग में जांच की पूर्वशर्त यह है कि आयातों में द्रुतगामी वृद्धि होनी चाहिए।

XXviii सार्वजनिक फाइल में इस बात का कोई कारण उपलब्ध नहीं है कि चीन के अपरिष्कृत आंकड़ों को क्यों गोपनीय रखा गया।

XXix चूंकि अन्य देशों हेतु आंकड़े चीन के सीमाशुल्क के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से प्राप्त किए गए हैं तो भारत में होने वाले निर्यातों के मामले में भी उन्हीं स्रोतों पर विश्वास किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से घरेलू उत्पादकों ने इस आवेदन में ऐसे महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है और निर्दिष्ट प्राधिकारी (रक्षोपाय) ने भी नियम 5 के तहत परिकल्पित पर्याप्तता एवं सटीकता से जांच नहीं की जिससे संपूर्ण जांच प्रारंभ से ही निरर्थक हो जाती है। हमारा विचार है कि यदि सभी संगत तथ्यों पर विचार किया जाता तो उसके परिणामस्वरूप जांच शुरू ही नहीं की जाती अथवा प्रारंभिक जांच संदेहास्पद नहीं होती।

XXX एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनलों (ए एच पी) के उत्पादक दो प्रकार के रंगों से कोटेड फॉइलों का उपयोग करते हैं। इन्हें (क) एल्यूमीनियम कॉइल (टॉप) तथा (ख) एल्यूमीनियम कॉइल (बॉटम) कहा जाता है। ऐसे कॉइलों के तकनीकी विनिर्देशन अनुबंध 3 पर है। टॉप कॉइल पी वी डी एफ से कोटेड होता है जबकि बॉटम कॉइल पॉलिएस्टर से कोटेड होता है। हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार दोनों प्रकार के कॉइलों का विनिर्माण शिकायतकर्ता घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, जिनके अनुरोध पर यह संपूर्ण जांच प्रारंभ की गई है। यह भी निवेदन किया गया है कि सुनवाई के किसी भी दौर में, घरेलू उद्योग ने इस बात का विरोध नहीं किया कि वे तत्काल

कॉइलों का उत्पादन अथवा आपूर्ति नहीं कर रहे हैं। डब्ल्यू टी ओ पैनल के निर्णयों तथा इ सी के निर्णय का संदर्भ, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया था, पूर्णतः असंगत है चूंकि यहां मुद्दा यह नहीं है कि 'विचाराधीन उत्पाद कितना चौड़ा अथवा पतला हो सकता है। यहाँ मूल मुद्दा यह है कि क्या आवेदक उनके द्वारा विनिर्मित नहीं किए जाने वाले उत्पादों हेतु घरेलू उद्योग है। यह बात समझी जानी चाहिए कि घरेलू उद्योग पर उन उत्पादों के बढ़ते आयातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है जिनका उनके द्वारा विनिर्माण ही नहीं किया जाता। अतः विश्व में पाटनरोध के निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य प्राधिकारियों के लिए संगत व्यवहार यही है कि पाटनरोधी तथा रक्षोपायों हेतु उन उत्पादों को शामिल न किया जाए जिसे घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित अथवा प्रस्तुत नहीं किया जाता।

ड. जांच एवं परिणाम

28. मैंने मामले के रिकॉर्डों तथा घरेलू उत्पादकों, प्रयोक्ताओं/आयातकों, निर्यातकों तथा निर्यातक सरकार द्वारा दायर उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ा है। विभिन्न पार्टियों द्वारा किए गए निवेदन तथा उनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर निम्नलिखित जांच परिणाम में उचित स्थान पर चर्चा की गई है।

घ. घरेलू उद्योग, जांचाधीन उत्पाद एवं समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तुएं:

29. धारा 8 ग के उप खण्ड 1 में निम्नानुसार उल्लिखित है

"धारा 8 ख में किसी बात के होते हुए भी यदि केन्द्र सरकार ऐसी जांच करने के पश्चात जैसा वह उपर्युक्त समझती हो, इस बात से संतुष्ट है कि चीन जन गण से भारत में आयातित किसी वस्तु की मात्रा अत्यधिक है और आयात ऐसी स्थितियों में किया जा रहा है जिससे घरेलू उद्योग के बाजार का विघटन हो रहा हो अथवा उसका खतरा हो, तो वह आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उस वस्तु पर रक्षोपाय शुल्क लागू कर सकती है।

बशर्ते कि केन्द्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में उस वस्तु की ऐसी मात्रा को, जैसा कि उसने अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया हो, जिसे चीन जन गण से भारत में निर्यात करते समय उस पर लागू रक्षोपाय शुल्क को संपूर्णतः अथवा उसके कुछ भाग पर छूट प्रदान कर सकती है।"

30. उक्त उप धारा केन्द्र सरकार को चीन जन गण से आयात पर अन्तर्वर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क लागू करने हेतु अधिकार प्रदान करती है। यह धारा चीन जन गण से भारत में किसी वस्तु के किसी ऐसी बढ़ती मात्रा में अथवा ऐसी परिस्थिति में आयात जिससे घरेलू उद्योग में बाजार विघटन होता हो, पर रक्षोपाय शुल्क लागू करने का प्रावधान करती है।

31. "सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 8 ग के उप धारा 7 में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

(क) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है वे उत्पादक जो

- i. "समग्र रूप से किसी समान वस्तु अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तु के उत्पादक हों; अथवा
- ii. जिनके समान वस्तु अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तु का सामूहिक उत्पादन भारत में उक्त वस्तु के कुल उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता हो।"

32. कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने तर्क दिया है कि इस शब्द 'किसी वस्तु' का किसी संविधि में यह अर्थ होता है कि प्रत्येक वस्तु की अलग-अलग जांच की जाए। इस संबंध में कमीशन विनियम दिनांक 27/03/02 के (ई सी) सं० 560/2002 के जरिए यूरोपीय संघ द्वारा किसी विशेष स्टील उत्पाद के आयात पर लगाए गए अनंतिम खोपाय के मामले का संदर्भ दिया गया है। इस मामले में यूरोपीय संघ ने व्यापक रेंज के विभिन्न स्टील उत्पादों के 21 उत्पाद समूहों का निर्माण किया था।

33. प्रत्येक उत्पाद समूह में अनेक टैरिफ उप-शीर्ष थे। इसके अलावा, प्रत्येक टैरिफ उप-शीर्ष में अलग-अलग वास्तविक अथवा रासायनिक विशेषताओं वाले अनेक वस्तुएं मौजूद थीं। जैसा कि दिनांक 20/05/2002 की प्रारंभिक जांच से देखा जा सकता है कि चीन द्वारा भी जांच की इसी प्रकार की पद्धति अपनाई गई है जहाँ वस्तुओं के एक समूह की सामूहिक जांच की गई थी।

34. सामान्य खण्ड अधिनियम 1897 की धारा 13 का संदर्भ देना असंगत नहीं होगा, जो निम्नानुसार है;

घ. 13 लिंग एवं संख्या - सभी केन्द्रीय अधिनियमों एवं विनियमों में जब तक कि इस विषय अथवा संदर्भ में कोई विरोधी बात न कही गई हो:-

1. ऐसे शब्द जिनसे पुल्लिंग का बोध होता हो में स्त्रीलिंग को भी शामिल माना जाएगा; तथा
2. एकवचन हेतु प्रयुक्त शब्द में बहुवचन को भी शामिल किया जाएगा; इसी प्रकार विलोमतः भी माना जाएगा।

35. सामान्य खण्ड अधिनियम 1897 से यह स्पष्ट है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 में एकवचन 'वस्तु' में 'वस्तुएं' भी शामिल होंगी।

36. सीमाशुल्क कलेक्टर बनाम मै० यूनाइटेड इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज लि० [ए आई आर 1999 एस सी 3796] { वर्ष 1983 की सिविल अपील सं० 10595 } के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय ने इसी प्रकार का मत प्रकट किया है। इसका संगत भाग निम्नानुसार है:-

"हमने पाया है कि न्यायाधिकरण ने विभाग द्वारा दी गई व्याख्या को अस्वीकार करने के ठोस कारण दिए हैं। पार्टियों के निवेदनों पर विचार करने के पश्चात हम पाते हैं कि यदि विभाग द्वारा दी गई व्याख्या को स्वीकार किया जाता है तो किसी भी निर्धारिती को तब तक छूट प्राप्त नहीं होगी जब तक सभी मशीनों को एक संघटित मशीन के रूप में प्रत्येक मशीन के संदर्भ में आयात नहीं किया जाएगा, जिसका कोई अर्थ नहीं रहेगा। इससे इस अधिसूचना का कोई महत्व नहीं रह जाएगा अतः न्यायाधिकरण ने राजस्व व्याख्या को अस्वीकार करके सही किया है। अधिसूचना की व्याख्या इस प्रकार की जानी चाहिए कि उसके सही अर्थ एवं तात्पर्य मिल सकें न

कि वह प्रयोजनहीन एवं असंगत हो जाए। यह भी निश्चित है, जैसा कि केन्द्रीय अधिनियम के सामान्य खण्ड अधिनियम 1897 के घ 13 में भी दिया गया है कि जब तक कि उस विषय अथवा संदर्भ के विरोध में कोई तथ्य न हो तब तक एकवचन में बहुवचन को तथा विलोमतः शामिल किया जाएगा। न्यायाधिकरण ने 'मशीन' शब्द की व्याख्या 'मशीनों' के रूप में की है और हमारे विचार से यह सही है। यह प्रतीत होता है कि संक्षिप्त व्याख्या से इस अधिसूचना का संपूर्ण प्रयोजन ही समाप्त हो जाता है जिसके कारण उपरल्लिखित पत्र द्वारा सरकार को उसमें स्पष्टीकरण/परिवर्तन करना पड़ा था।

37. अतः हितबद्ध पार्टियों का यह तर्क कि प्रत्येक वस्तु की जांच अलग-अलग की जानी चाहिए इस आधार पर व्यवहार्य नहीं है कि वह एक व्यावहारिक प्रस्ताव नहीं है और विभिन्न आर्थिक मानदण्डों के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ किसी उत्पाद समूह पर एकल उत्पाद बास्केट के रूप में विचार करना एक स्वीकार्य पद्धति है।

38. कुछेक हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि इन शब्दों "बाजार विघटन अथवा बाजार विघटन का खतरा" से गंभीर चुटियां हुई हैं, जब कानून बाजार विघटन अथवा बाजार विघटन के खतरे दोनों की अपेक्षा करता है। हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों के अनुसार 'बाजार विघटन' एवं 'बाजार विघटन का खतरा' दोनों अलग-अलग बातें हैं। हितबद्ध पार्टी का तर्क इस आधार पर व्यवहार्य नहीं है कि यदि एक बार 'बाजार विघटन' हो चुका है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि आगे 'बाजार विघटन' नहीं होगा। 'बाजार विघटन' अलग-अलग मात्राओं में हो सकता है और इसलिए वर्तमान मामले में 'बाजार विघटन' हो चुका है और 'बाजार विघटन के खतरे' के प्रमाण मौजूद हैं जिससे और अधिक गंभीर 'बाजार विघटन' होने की संभावना है। जहां तक इस शब्द "और" के अर्थ तथा संविधि की व्याख्या का संबंध है, जे जयललिता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्यो के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का संदर्भ दिया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से यह निहित है कि यह शब्द "अथवा" जो कि एक समुच्चयबोधक शब्द है, को सामान्यतः विकल्पों को जोड़ने के प्रयोजनार्थ अथवा इसी बात को अलग ढंग से जोड़ने के लिए तथा कई बार "और" के रूप में भी उपयोग में लाया जाता है। आदेश का संगत भाग नीचे दिया गया है:

इस शब्द "अथवा" का शब्दकोषीय अर्थ उस शब्द से है जिसे शब्दों, वाक्यांश और विकल्पों को दर्शाने वाले वर्गों जोड़ने के लिए किया जाता है। "यह शब्द" अथवा" जो समुच्चयबोधक शब्द है, का उपयोग सामान्यतः विकल्पों को जोड़ने के प्रयोजनार्थ किया जाता है तथा उसी वस्तु के अलग तरह से लिखे गए वाक्यांशों को जोड़ने के लिए किया जाता है और कई बार उसका अर्थ "और" भी होता है। यह आवश्यक नहीं है कि विकल्प हर समय परस्पर अनन्य हों। इसके अतिरिक्त इस शब्द "अथवा" का उपयोग अलग से नहीं किया जाता है और इसलिए इसका अर्थ वह निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए जो धारा 3 के असंगत हो। यह आम जानकारी है कि इस शब्द "अथवा" को कई बार उन शब्दों के लिए किया जाता है जहां एक अथवा दूसरा अर्थ अथवा दोनों इंगित किए गए हों। धारा 3 एक अधिकार प्रदान करने वाली धारा है और किसी क्षेत्र अथवा क्षेत्रों अथवा मामले अथवा मामलों के समूहों हेतु विशेष न्यायाधीशों को नियुक्त करने की आवश्यकता पर निर्भर करती है। किसी ऐसे क्षेत्र में जहां एक विशेष न्यायाधीश की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी हो, वहां उस मामले अथवा मामलों की किसी विशेषता अथवा

किसी अन्य विशेष कारण से उस विशिष्ट मामले अथवा मामलों के निपटान हेतु किसी विशेष न्यायाधीश की नियुक्ति की आवश्यकता उत्पन्न हो सकती है। इस संबंध में 'इस शब्द' "अथवा" को एक संकीर्ण अर्थ देकर सरकार की शक्तियों को सीमित करने का कोई अच्छा कारण नहीं है। धारा 3 में प्रयुक्त "अथवा" का अर्थ यह होगा कि सरकार को दोनों में से एक अथवा दोनों बातों को करने की शक्ति प्राप्त है।" (पैरा 9)

39. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि कुछेक वस्तुएं यद्यपि उस टैरिफ उप-शीर्ष में आती हैं जहाँ रक्षोपाय शुल्क पहले ही लगाया जा चुका है; भारत में विनिर्मित नहीं की जाती है अथवा कुछेक उत्पाद जिनका विनिर्माण यदि भारत में किया भी जाता है तो वह हिंडाल्को द्वारा नहीं किया जाता है जिसे प्रारंभिक जाँच में अधिसूचना और प्रारंभिक जाँच परिणामों की अधिसूचना में "घरेलू उद्योग" कहा गया है।

40. आवेदकों ने अपने परामर्शदाता के माध्यम से हितबद्ध पार्टियों के तर्क का इस आधार पर विरोध किया है कि प्रतिस्पर्धी संबंध में संभावित प्रतिस्पर्धा भी शामिल होती है और आगे की प्रक्रिया, किसी वस्तु को "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी वस्तु" को मानने से नहीं रोकती है। उन्होंने अमरीका-पाकिस्तान से कोम्बड कॉटन यार्न पर अन्तर्वर्ती रक्षोपाय के मामले, कोरिया-मादक पेयों पर करों के मामले [डब्ल्यू टी/डी एल 75/ए बी/आर, डब्ल्यू/डी एस 84/ए बी/आर 18 जनवरी 1999] तथा पॉलिइथीलीन टैरेथैलेट फिल्म के आयातों पर यूरोपीय संघ द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क [परिषद विनियम (ई सी) सं० 1676/2001] के मामले में अपीलीय निकाय के रिपोर्ट का भी संदर्भ दिया है।

41. यूनाइटेड स्टेट्स - पाकिस्तान से कोम्बड कॉटन यार्न संबंधी परिवर्ती रक्षोपाय [डब्ल्यू टी/डी एस 192/ए बी/आर]

84. यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा पैनल के जाँच परिणामों के विरुद्ध अपील की जाती है। यूनाइटेड स्टेट्स निवेदन करता है कि अनुच्छेद 6.2 में ऐसे उत्पाद जो समान वस्तु ही नहीं हैं बल्कि आयातित उत्पाद के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी भी हैं, के आधार पर घरेलू उद्योग की परिभाषा की अनुमति दी जाती है। यूनाइटेड स्टेट्स के अनुसार व्यावसायिक बाजार में बेचे जाने वाले यार्न और अपनी आंतरिक खपत हेतु वर्टिकली इंटीग्रेटेड फैब्रिक उत्पादकों द्वारा उत्पादित यार्न समान वस्तु हैं परन्तु वे एक-दूसरे के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। यूनाइटेड स्टेट्स का तर्क है कि घरेलू उद्योग की परिभाषा को अस्वीकार करके पैनल अनुच्छेद 6.2 में शब्द "और/या" का सही अर्थ एवं प्रभाव प्रस्तुत करने में असफल रहा है और उसने शब्द "और" को अप्रयोज्य बना दिया है। यूनाइटेड स्टेट्स ने यह भी तर्क दिया है कि पैनल को घरेलू उद्योग की परिभाषा वाले डब्ल्यू टी ओ के अन्य करारों के बृहतर संदर्भ का सहारा लिए बिना ए टी सी के भीतर घरेलू उद्योग की परिभाषा का तात्पर्य निकालना चाहिए था।

85. हम इस मुद्दे का विश्लेषण ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 के संगत भाग में यथाउल्लिखित घरेलू उद्योग की परिभाषा के साथ शुरू करते हैं जिसमें प्रावधान है कि:

इस अनुच्छेद के अंतर्गत स्लोपाय कार्यवाही की जाएगी जब किसी सदस्य द्वारा किसी निर्धारण के आधार पर यह प्रदर्शित होता हो कि किसी विशेष उत्पाद के उसके क्षेत्र में ऐसी बढ़ी हुई मात्रा में आयात किया जा रहे हैं जिससे समान और/या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही है या वास्तविक क्षति का खतरा है। (फुटनोट छोड़ा गया, महत्व जोड़ा गया)

86. "समान और/या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग" शब्दों के सामान्य अध्ययन से यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि घरेलू उत्पाद जिसके साथ आयातित उत्पाद की तुलना की जानी है, के साथ "समान" और "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" विशेषताओं को जोड़ा गया है। अतः हमारा यह मत है कि घरेलू उद्योग की परिभाषा उत्पादोन्मुखी होनी चाहिए न कि उत्पादकोन्मुखी और यह कि परिभाषा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों¹⁴ जिनकी तुलना उनके समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी होने¹⁵ के रूप में आयातित उत्पाद से की जानी है, पर आधारित होनी चाहिए।

87. हम इस बात पर भी विचार करते हैं कि अनुच्छेद 6.2 के अंतर्गत "उत्पादन" शब्द का तात्पर्य है वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु उत्पादन और कि स्वयं में इसकी व्याख्या व्यावसायिक या बाजार के किसी अन्य खण्ड में बिक्री तक सीमित या उसके लिए पात्र उत्पादन के रूप में नहीं की जा सकती है। अनुच्छेद 6.2 के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा का निर्धारण उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद अर्थात् समान और/या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों से होता है। हमारे विचार से घरेलू उद्योग उत्पादों का क्या करता है, इस आधार पर "उत्पादन" शब्द को स्वतः कोई अलग या पात्र अर्थ नहीं दिया जा सकता है।

88. अब हम ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 के अंतर्गत घरेलू उद्योग की परिभाषा के अगले दो घटकों की तरफ बढ़ते हैं अर्थात् समान उत्पाद और प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद।

89. हमने नोट किया है कि प्रतिभागियों¹⁶ में पाकिस्तान से आयातित यार्न तथा यूनाइटेड स्टेट्स के उत्पादकों द्वारा उत्पादित यार्न के समान उत्पाद होने के संबंध में कोई मतभेद नहीं है फिर चाहे उसका उत्पादन वर्टिकली इंटीग्रेटेड फैब्रिक उत्पादकों द्वारा किया गया हो या स्वतंत्र यार्न उत्पादकों द्वारा। यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा अपने तर्कों¹⁷ में यह स्पष्ट किया गया है कि उसके द्वारा घरेलू उद्योग की परिभाषा से वर्टिकली इंटीग्रेटेड फैब्रिक उत्पादकों द्वारा उत्पादित यार्न को बाहर रखा जाना इस कारण से नहीं था कि उनके द्वारा समान उत्पाद का उत्पादन नहीं किया जा रहा था बल्कि इसलिए था कि वे प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन नहीं कर रहे थे। अतः हमारे लिए इस अपील के प्रयोजनार्थ "समान उत्पाद" के अर्थ का समाधान करना आवश्यक नहीं है।

14 यूनाइटेड स्टेट्स-लैम्ब स्लोपाय में हमने यह भी पाया कि स्लोपाय संबंधी क्लर के अंतर्गत उत्पाद घरेलू उद्योग की परिभाषा को परिभाषित करता है। उस मामले में इस मुद्दे में शामिल "समान उत्पाद" मेरू का मौस था। (अपीलीय निष्पत्ति की रिपोर्ट, सुप्रा, फुटनोट नुटि। बुकमार्क विनिर्दिष्ट नहीं है। पैरा 84, 86-88 तथा 95)

15 इस चरण में हमने "समान" और "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्दों का विश्लेषण अलग से किया है। अनुच्छेद 6.2 में संयोजक "और/या" की व्याख्या हेतु देखें इंफ्र, पैराग्राफ 104

16 पैल रिपोर्ट, पैरा 7.41

17 यूनाइटेड स्टेट्स के अपीलकर्ता का अभ्यावेदन, पैरा 33 अंतिम पांच परिभाषा

90. हमारे द्वारा अनुच्छेद 6.2 तथा इस मामले के तथ्यों के विशिष्ट संदर्भ में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द की जाँच किए जाने से पूर्व हम पिछले मौकों पर इस शब्द की व्याख्या का पुनर्स्मरण उपयोगी समझते हैं।

91. हमने कोरिया - अल्कोहलिक पेय¹⁸ तथा जापान-अल्कोहलिक पेयों पर कर¹⁹ में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द की व्याख्या की है। हमें इस तथ्य का ज्ञान है कि इन दोनों रिपोर्टों में इस तथ्य की व्याख्या गैट 1994 की व्याख्यात्मक टिप्पणी विस्तार अनुच्छेद III:2 के संदर्भ में की गई है। हम इस पहलू का संदर्भ बाद में लेंगे। कोरिया-अल्कोहलिक पेय पर हमारी रिपोर्ट में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द की व्याख्या के मुख्य घटक निम्नानुसार हैं:-

(क) "प्रतिस्पर्धी" शब्द से "प्रतिस्पर्धा द्वारा चिह्नित" अभिप्रेत है। प्रतिस्पर्धात्मक संबंध का संदर्भ अनिवार्य रूप से बाजार होता है क्योंकि वही एक मंच है जहाँ उपभोक्ता एक विशिष्ट आवश्यकता या रुचि को पूरा करने के लिए वैकल्पिक उपायों की पेशकश करने वाले विभिन्न उत्पादों का चुनाव करते हैं। चूँकि बाजार में प्रतिस्पर्धा एक परिवर्तनशील तथा विकासशील प्रक्रिया है अतः उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध का विश्लेषण केवल मौजूदा उपभोक्ता अधिमानताओं²⁰ के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए; प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में संभावित प्रतिस्पर्धी भी शामिल है।²¹

(ख) "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द के सामान्य अर्थ के अनुसार उत्पाद उस स्थिति में प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय होते हैं जब वे परस्पर विनिमेय हों अथवा वे एक विशिष्ट आवश्यकता या रुचि को पूरा करने के वैकल्पिक उपाय प्रस्तुत करते हों।²²

(ग) अनुच्छेद III:2 के दूसरे वाक्य के संदर्भ में अनुच्छेद में, "प्रत्यक्ष रूप से" घरेलू तथा आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में निकटता का संकेतक है। हालांकि "प्रत्यक्ष रूप से" शब्द पैनल को प्रच्छन्न तथा वर्तमान मांग दोनों पर विचार करने से नहीं रोकता।²³

(घ) "समान" उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय उत्पादों का एक हिस्सा हैं; सभी सामान्य उत्पाद परिभाषानुसार प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय उत्पाद हैं; जबकि सभी "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय उत्पाद" "समान" नहीं हैं।²⁴

18 अपीलीय निकाय की रिपोर्ट, सुप्रा, फुटनोट नुटि। बुकमार्क विनिर्दिष्ट नहीं है। पैरा 108-124

19 अपीलीय निकाय की रिपोर्ट, डब्ल्यू टी/डी एस 8/ए बी/आर, डब्ल्यू टी/डी एस 10/ए बी/आर, डब्ल्यू टी/डी एस 11/ए बी/आर,

दिनांक 1 नवम्बर, 1996 को अंगीकृत, डी एस आर 1996 : 1, 97 पैरा 117-118 में।

20 उपर्युक्त, पादटिप्पणी नुटि। बुकमार्क परिभाषित नहीं पैरा 114-115

21 वही, पैरा 115 तथा 117

22 उपर्युक्त, पादटिप्पणी नुटि। बुकमार्क परिभाषित नहीं पैरा 115

23 वही, पैरा 118

24 वही पैरा 118

92. यूनाइटेड स्टेट्स का तर्क है कि कोरिया - अल्कोहल युक्त पेय के संबंध में हमारी रिपोर्ट पर पैनल की निर्भरता दो कारणों से सही नहीं है। पहला यह कि विवाद में एक पृथक तथ्यपूर्ण स्थिति में प्रावधान तथा समझौते (गैट 1994 का अनुच्छेद III:2) के एक अलग शब्द बंध ("प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय") की व्याख्या शामिल है। ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 में "प्रतिस्थापनीय" शब्द का प्रयोग प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी के साथ जोड़कर नहीं किया गया है, दूसरा कारण यह है कि उस मामले में अपीलीय निकाय ने उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी संबंध का निर्णय लेने में बाजार के महत्व पर बल दिया क्योंकि वही एक मंच है जहां उपभोक्ता विभिन्न उत्पादों के बीच चुनाव करते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स के अनुसार अपीलीय निकाय द्वारा दिए गए तर्कों के समुचित पठन से पता चलता है कि यदि कोई घरेलू उत्पाद बाजार में प्रवेश नहीं करता है तो उसे आयातित उत्पाद के साथ "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" नहीं माना जा सकता है भले ही वे दोनों उत्पाद "समान उत्पाद" माने जाएं।

93. हम कोरिया-अल्कोहल युक्त पेय के संबंध में रिपोर्ट की संगतता और व्याख्या के संबंध में यूनाइटेड स्टेट्स के इन तर्कों से सहमत नहीं हैं।

94. यूनाइटेड स्टेट्स के पहले तर्क के संबंध में उस मामले में हमारी रिपोर्ट के पठन से लक्षित होता है कि हमने "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" और "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्थापनीय" शब्दों का प्रयोग उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध के निर्धारण में उनके बीच कोई अंतर दिखाए बिना किया है। हम यह नहीं मानते हैं कि ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 में "प्रतिस्थापनीय" शब्द के न होने से गैट 1994 के अनुच्छेद III:2 के तहत "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द की हमारी व्याख्या ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 के अंतर्गत उस शब्द की व्याख्या हेतु अपने संदर्भगत अर्थ के रूप में असंगत हो जाती है।

95. अब हम ए टी सी के अनुच्छेद 6.2 के विशिष्ट संदर्भ में और हमारे समक्ष प्रस्तुत विवाद के संदर्भ में "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" शब्द की जांच करेंगे। हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि अनुच्छेद 6.2 में आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग का गम्भीर क्षति (अथवा उसके वास्तविक जोखिम) से बचाने के लिए रक्षात्मक की अनुमति दी गई है। अतः घरेलू उद्योग को आयातित उत्पाद की तुलना में समान और/अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादन करने वाले उद्योग के रूप में अभिज्ञात किया जाए। "समान" और "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" मानदंड घरेलू उत्पाद से जोड़ी गई विशेषताएं हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आयातित उत्पाद की तुलना में घरेलू उद्योग ही समुचित उद्योग है। अतः उनके प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में आयातित और घरेलू उत्पाद के बीच निकटता का स्तर किसी आयातित उत्पाद के विरुद्ध खोपाय की तर्कसंगतता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

96. "प्रतिस्पर्धी" शब्द के सामान्य अर्थ के अनुसार दो उत्पाद उस स्थिति में प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में होते हैं जब वे वाणिज्यिक रूप से परस्पर विनिमेय हों अथवा वे बाजार में एक समान उपभोक्ता मांग को पूरा करने के वैकल्पिक उपाय प्रदान करते हों। "प्रतिस्पर्धी" किसी उत्पाद से जुड़ी एक विशेषता है और किसी उत्पाद की मौजूदा या भावी परिस्थिति में प्रतिस्पर्धा करने की

क्षमता को दर्शाती है। "प्रतिस्पर्धात्मक" शब्द और "प्रतिस्पर्धा करने वाले" अथवा "वास्तविक प्रतिस्पर्धा में" शब्दों के बीच का अंतर स्पष्ट होना चाहिए। इसका अर्थ "वास्तविक रूप से प्रतिस्पर्धा करने वाले से अधिक व्यापक है और इसमें प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता भी शामिल है। किन्हीं दो उत्पादों को परस्पर प्रतिस्पर्धात्मक मानने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी एक समय में बाजार में एक-दूसरे के साथ वास्तविक प्रतिस्पर्धा में हों। वस्तुतः यह आवश्यक नहीं है कि जो उत्पाद प्रतिस्पर्धात्मक हों वे वस्तुतः किसी एक समय में बाजार में वास्तव में एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हों। इसके नियामक प्रतिबंध अथवा उत्पादकों के निर्णय जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। अतः एक स्थायी दृष्टिकोण रखना सही नहीं है क्योंकि इसके कारण उत्पादों के बाजार में होने या न होने के आधार पर एक ही उत्पाद को किसी एक समय प्रतिस्पर्धात्मक माना जाएगा और किसी दूसरे समय प्रतिस्पर्धात्मक नहीं माना जाएगा।

97. यह जरूरी है कि "प्रतिस्पर्धात्मक" शब्द "प्रत्यक्ष रूप से" शब्द से जुड़ा हो, जो उस निकटता की मात्रा पर बल देता है, जो परस्पर तुलनीय उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। जैसाकि पहले नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को किसी आयातित उत्पाद से प्रतिस्पर्धा से संरक्षित करने के लिए ए टी सी के अंतर्गत रक्षोपाय संबंधी कार्रवाई की अनुमति दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसी सुरक्षा तर्कसंगत हो, स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया गया है कि घरेलू उद्योग "समान" और/अथवा "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों" का उत्पादन कर रहा है। समान उत्पाद अनिवार्य रूप से बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक संबंध के उच्चतम स्तर पर होते हैं।²⁶ अतः किसी रक्षोपाय की अनुमति देते समय सर्वप्रथम यह विचार किया जाता है कि क्या घरेलू उद्योग संबंधित आयातित उत्पाद की तुलना में समान उत्पाद का उत्पादन कर रहा है। यदि ऐसा है तो आयातित उत्पाद के विरुद्ध रक्षोपाय की तर्कसंगतता के संबंध में कोई संदेह नहीं हो सकता है।

98. तथापि, जब घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद आयातित उत्पाद की तुलना में "समान उत्पाद" न हो तब यह प्रश्न उठता है कि आयातित उत्पाद और "असमान" घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध कितना घनिष्ठ होना चाहिए। यह सर्वज्ञात है कि बाजार में असमान अथवा असदृश उत्पाद प्रत्यक्ष अथवा निकट प्रतिस्पर्धा से लेकर दूरस्थ अथवा अप्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा तक अनेक स्तरों पर प्रतिस्पर्धा करते हैं या कर सकते हैं। कोई दो उत्पाद जितने अधिक असमान या असदृश होंगे, बाजार में उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक संबंध उतना ही दूरस्थ या अप्रत्यक्ष होगा। इसलिए संबंधित उत्पादों के असमान होने की स्थिति में उनके बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में आवश्यक निकटता के स्तर को द्योतित करने के लिए "प्रतिस्पर्धा" शब्द जानबूझ कर "प्रत्यक्ष रूप से" शब्द के साथ जोड़ा गया है जो उसे सीमित भी करता है। "प्रत्यक्ष रूप से" की इस परिभाषा के अंतर्गत किसी ऐसे घरेलू उद्योग की रक्षा के लिए रक्षोपाय नहीं किया जाएगा जो उन असमान उत्पादों का उत्पादन करता है जिनके आयातित उत्पादों के साथ केवल परोक्ष या गौण प्रतिस्पर्धात्मक संबंध हों।

26 अपीलीय निकाय रिपोर्ट, कोरिया - अल्कोहल युक्त पेय, उपर्युक्त, पादटिप्पणी। बुकमार्क परिभाषित नहीं। पैरा 1118 अपीलीय निकाय रिपोर्ट कनाडा - पत्रिकाओं से संबंधित कुछ उपाय, डब्ल्यू टी/डी एस 31/ए बी/आर 30 जुलाई, 1997 को पारित की एस आर 1997:1 449, 473 पर। इन मामलों में हमने सूचित किया कि "समान" उत्पाद पूर्णतः प्रतिस्थापनीय है "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" उत्पाद प्रतिस्थापनीयता के उच्च लेकिन अपूर्ण स्तर द्वारा विशिष्टीकृत हैं।

42. कोरिया - अल्कोहल युक्त पेयों पर कर (डब्ल्यू टी/डी एस 75/ए बी/आर, डब्ल्यू टी/डी एस 84/ए बी/आर 18 जनवरी 1999)

114. "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय" पदबंध आयातित तथा घरेलू उत्पाद के बीच एक विशेष प्रकार के संबंध को दर्शाते हैं। पदबंध के शब्दों से यह स्पष्ट है कि उस संबंध का सार यह है कि वे उत्पाद परस्पर प्रतिस्पर्धी में हैं। यह "प्रतिस्पर्धी" शब्द जिसका अर्थ "प्रतिस्पर्धा द्वारा विशिष्टीकृत" है और "प्रतिस्थापनीय" शब्द जिसका अर्थ "प्रतिस्थापन के योग्य" है और "प्रतिस्थापनीय" शब्द जिसका अर्थ "प्रतिस्थापन के योग्य" है, दोनों से स्पष्ट हो जाता है। प्रतिस्पर्धात्मक संबंध का संदर्भ अनिवार्य रूप से बाजार होता है क्योंकि वही एक मंच है जहाँ उपभोक्ता विभिन्न उत्पादों का चुनाव करते हैं। बाजार में प्रतिस्पर्धा एक परिवर्तनशील तथा विकासशील प्रक्रिया है। तदनुसार "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय" पदबंध यह द्योतित करता है कि उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा संबंध का विश्लेषण केवल मौजूदा उपभोक्ता अधिगानतओं के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। हमारे विचार से "प्रतिस्थापनीय" शब्द से यह अभिप्रेत है कि ऐसे दो उत्पादों के बीच अपेक्षित संबंध हो सकता है जो किसी एक समय में उपभोक्ताओं द्वारा स्थानापन्न नहीं माने जाते हैं लेकिन वे एक-दूसरे के स्थानापन्न होने के योग्य होते हैं।

115. अतः इस पदबंध के सामान्य अर्थ के अनुसार उस स्थिति में उत्पाद प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय होते हैं जब वे परस्पर विनिमेय हों अथवा यदि वे एक विशिष्ट आवश्यकता या रुचि को पूरा करने के वैकल्पिक उपाय प्रस्तुत करते हों जैसा कि पैनल द्वारा नोट किया गया है। विशेष रूप से जहाँ बाजार में व्यापार एवं प्रतिस्पर्धा हेतु नियामक प्रतिबंध होते हैं वहाँ मांग प्रकट होती है।

116. अनुच्छेद में "प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय" शब्दों के साथ "प्रत्यक्ष रूप से" शब्द जोड़े गए हैं। अनुच्छेद III:2 के दूसरे वाक्य के संदर्भ में "प्रत्यक्ष रूप से", घरेलू तथा आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में निकटता का संकेतक है। हालांकि "प्रत्यक्ष रूप से" शब्द पैनल को निहित तथा वर्तमान मांग दोनों पर विचार करने से नहीं रोकता।

117. "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय" शब्द के सामान्य अर्थ के संबंध में उसके संदर्भ के साथ-साथ उसके उद्देश्य एवं प्रयोजन को भी शामिल किया गया है। संदर्भ के भाग के रूप में हम नोट करते हैं कि अनुच्छेद में यह प्रावधान है कि अनुच्छेद III:2 का दूसरा वाक्य "केवल उन्हीं मामलों में लागू होगा जहाँ प्रतिस्पर्धा शामिल थी। कोरिया के अनुसार भूतकाल को द्योतित करने वाले "थी" शब्द का प्रयोग पैनल को "संभावित प्रतिस्पर्धा" पर विचार करने का अवसर नहीं देता है। हालांकि हमारे विचार से "थी" शब्द का प्रयोग, किए जाने वाले विश्लेषण के कालवाचक क्षेत्र को अनिवार्य रूप से प्रभावित नहीं करता है। अनुच्छेद में उन परिस्थितियों का उल्लेख है जिनमें परिकल्पित कर "दूसरे वाक्य के प्रावधानों के असंगत माने जाएंगे। इस धारा का पहला हिस्सा सशर्त ("होगा") है और भूतकाल को द्योतित करने वाले शब्द का प्रयोग केवल व्याकरण को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे "प्रतिस्पर्धी" शब्द के कालवाचक पहलू पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

118. अनुच्छेद III:2 का पहला वाक्य भी इस शब्द का संदर्भगत हिस्सा है। "समान" उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय उत्पादों का हिस्सा है; सभी सामान्य उत्पाद परिभाषानुसार प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय उत्पाद हैं; जबकि सभी "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय उत्पाद" "समान" नहीं हैं। "समान उत्पादों की अवधारणा संकुचित होती है लेकिन प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी अथवा प्रतिस्थापनीय उत्पादों की श्रेणी अधिक व्यापक है। जहाँ पूर्णतः प्रतिस्थापनीय उत्पाद अनुच्छेद III:2 के पहले वाक्य के अंतर्गत आते हैं वहीं आंशिक रूप से प्रतिस्थापनीय उत्पाद का मूल्यांकन अनुच्छेद III:2 के दूसरे वाक्य के अंतर्गत किया जाता है।

119. अनुच्छेद III:2 के दूसरे वाक्य के संदर्भ में गैट 1994 का अनुच्छेद III:1 भी शामिल है। जैसाकि हमने जापान-अल्कोहल युक्त पेय के संबंध में अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है अनुच्छेद III:1 इस सिद्धांत को प्रतिपादित करता है "कि घरेलू उद्योग उत्पादन के संरक्षण में सक्षम होने के लिए आयातित अथवा घरेलू उत्पादों पर आंतरिक कर लागू नहीं किए जाने चाहिए।" इस सिद्धांत के आलोक में अनुच्छेद III का संपूर्ण उद्देश्य तथा प्रयोजन स्पष्ट होता है। जैसाकि हमने जापान-अल्कोहल युक्त पेय में कहा था:

अनुच्छेद III का व्यापक तथा मूल प्रयोजन आंतरिक कर एवं विनियामक उपायों के अनुप्रयोग में संरक्षणवाद को रोकना है। इस उद्देश्य के लिए अनुच्छेद III के अनुसार डब्ल्यू टी ओ के सदस्यों द्वारा घरेलू उत्पादों की तुलना में आयातित उत्पादों के लिए समान प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियाँ प्रदान करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त यह असंगत है कि आयातित एवं घरेलू उत्पादों के बीच कर संबंधी विभेद के "व्यापार प्रभाव", जैसाकि आयातों की मात्रा में लक्षित होता है, गौण अथवा नगण्य हैं; अनुच्छेद III किसी विशिष्ट व्यापार परिमाण की अपेक्षाओं की रक्षा नहीं करता बल्कि आयातित तथा घरेलू उत्पादों के बीच समान प्रतिस्पर्धात्मक संबंध की रक्षा करता है।

120. संरक्षणवाद को रोकने, समान प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति की आवश्यकता तथा समान प्रतिस्पर्धात्मक संबंध की अपेक्षाओं की रक्षा जैसे उद्देश्यों के मद्देनजर हम "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय" शब्द के संबंध में एक स्थायी दृष्टिकोण नहीं रखते हैं। अनुच्छेद III के उद्देश्य तथा प्रयोजन से इस आशय की पुष्टि होती है कि "प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी या प्रतिस्थापनीय" शब्द का दायरा उन स्थितियों तक सीमित नहीं किया जा सकता है जहाँ उपभोक्ता पहले ही उत्पादों को वैकल्पिक मानते हैं। यदि केवल प्रतिस्थापन के मौजूदा मामलों पर विश्वास किया जाए तो संरक्षणात्मक कराधान, जिसे प्रावधान द्वारा रोका जाना उद्दिष्ट है, अनुच्छेद III: 2 के उद्देश्य व प्रयोजन को विफल कर देगा। वस्तुतः पूर्व पैनलों ने यह स्वीकार किया है कि उपभोक्ता व्यवहार विशेष रूप से संरक्षणवादी आंतरिक कराधान से प्रभावित हो सकता है। जापान-आयातित वाइन तथा अल्कोहल युक्त पेय के संबंध में सीमाशुल्क कर तथा लेबलिंग पद्धतियों ("1987 जापान - अल्कोहल") से संबंधित पैनलों का उदाहरण देते हुए जापान - अल्कोहल युक्त पेय से संबंधित पैनल ने यह अभिमत दिया कि "ऐसी कर प्रणाली जो आयातों पर प्रति भेदभाव करती है, के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादों के लिए अधिमानता का सृजन तथा

निर्धारण होता है।" जापान-अल्कोहल युक्त पेय से संबंधित पैनल ने यह भी कहा कि "(संरक्षणात्मक) कर प्रणाली वाले देश में उपभोक्ता सर्वेक्षणों में प्रतिस्थापनीय उत्पादों के बीच संभावित प्रतिस्पर्धा के स्तर को कम आंका जाएगा। तदनुसार कुछ मामलों में प्रच्छन्न मांग की जांच करना अत्यधिक संगत होगा।

43. यूरोपीय संघ द्वारा पॉलीयूरीथेन टेरेफ्थेलेट फिल्म पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क [परिषद विनियमन (ई सी) सं० 1676/2001]

(19) जहाँ तक मेटलाइज्ड फिल्म का संबंध है, यह पाया गया कि पी ई टी बेस फिल्म पर एल्युमीनियम की एक या दो परतें चढ़ा देने से इस उत्पाद की मूल भौतिक, तकनीकी एवं रासायनिक विशेषताओं में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं होता। दरअसल, यदि बेस पी ई टी फिल्म पर चढ़ाई गई धातु की मात्रा अत्यल्प (फिल्म के प्रति टन पर 20 ग्राम एल्युमीनियम) हो तो धात्विकृत फिल्म की संरचना में बेस फिल्म से अत्यल्प परिवर्तन दिखाई देता है। इसके अलावा अनेक अनुप्रयोगों में बेस और धात्विकृत पी ई टी फिल्म का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है। अतः इनका उपयोग एक जैसा अथवा एक समान है। यद्यपि यह सच है कि पी ई टी मेटलाधात्विकृत का उपयोग किसी विशेष अनुप्रयोग हेतु आशयित है तथापि यह भी एक तथ्य है कि पी ई टी फिल्म की अन्य मानक किस्मों का प्रयोग भी उन्हीं विशेष अनुप्रयोगों में किया जाता है उदाहरणार्थ खाद्य पैकेजिंग अनुप्रयोग; जो विभिन्न उत्पाद किस्मों के बीच कुछ सीमा तक प्रतिस्पर्धा तथा एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग दर्शाता है। उपर्युक्त कारणों से धात्विकृत फिल्म को विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के अंतर्गत माना गया है। यह भी पाया गया है कि पॉलीयूरीथेन टेरेफ्थेलेट आधारित धात्विकृत फिल्म सी एन कोड 3920 62 19 तथा 3920 62 90 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

2. समान वस्तु

(23) यह पाया गया कि भारत और कोरिया में उत्पादित तथा घरेलू बाजार में बेची जाने वाली पी ई टी फिल्म तथा भारत और कोरिया से समुदाय को निर्यातित पी ई टी फिल्म एवं समुदाय उद्योग द्वारा उत्पादित एवं समुदाय के बाजार में बेची जाने वाली पी ई टी फिल्म की भौतिक व तकनीकी विशेषताएं एवं उपयोग एक समान हैं। अतः यह निष्कर्ष निकाला गया कि मूल विनियमन के अर्थ के भीतर वह समान उत्पाद है।

44. ऊपर उल्लिखित रिपोर्टों से यह जाहिर होता है कि घरेलू उद्योग की परिभाषा उत्पादोन्मुखी होनी चाहिए न कि उत्पादकोन्मुखी और यह कि यह परिभाषा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों, जिनकी तुलना उनके एक समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से से प्रतिस्पर्धी होने के कारण आयातित उत्पाद से की जानी है, पर आधारित होनी चाहिए। "प्रतिस्पर्धी" शब्द का अर्थ मोटे तौर पर प्रतिस्थापनीय है और इसमें वह उत्पाद भी शामिल है जिसमें प्रतिस्पर्धा करने की संभावना है; न कि केवल वह उत्पाद जो वर्तमान में प्रतिस्पर्धायुक्त है। "प्रत्यक्षतः" शब्द समानता का स्तर इंगित करता है, जो प्रतिस्पर्धात्मक संबंध में पाई जाती है, जब प्रश्नगत उत्पाद असमान होते हैं। "प्रत्यक्षतः" की इस परिभाषा के अंतर्गत स्लोपाय कार्रवाई असमान उत्पादों का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग के संरक्षण पर लागू नहीं होगी।

45. घरेलू उद्योग द्वारा संदर्भित "पेट रेजिन" के मामले में प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि दोनों उत्पाद "समान" नहीं हैं परन्तु उनके उपयोग सामान्य हैं, अतः वे प्रतिस्थापनीयता के मानदण्ड को पूरा करते हैं। इसके अलावा उनकी भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं में भी समानता पाई गई है।

46. उपर्युक्त सिद्धांत के आधार पर सभी मामलों, जहाँ "समान अथवा प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी होने" के आधार पर अनन्यता का अनुरोध किया गया है, की जांच की गई है।

47. रक्षोपाय जांच के प्रयोजनार्थ मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को इस आधार पर घरेलू उद्योग माना गया है कि हिंडाल्को वह वस्तु समूह विनिर्मित करता है, जिनका आयात किया जा रहा है। जांच शुरुआत सूचना तथा प्राथमिक जांच परिणाम में भी इस तथ्य का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा, इसी आधार पर केवल हिंडाल्को के आर्थिक मानदण्डों पर विचार किया गया है। यदि कोई आयातित वस्तु हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित वस्तु के समान नहीं है और न ही प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी है तो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 8 ग की उप धारा 7 के अनुसार हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित नहीं है और जो वस्तु हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित नहीं है उसे आर्थिक मानदण्डों के विश्लेषण के दायरे से बाहर रखा गया है क्योंकि जांच शुरुआत सूचना तथा प्राथमिक जांच परिणाम में केवल हिंडाल्को के आर्थिक मानदण्डों पर विचार किया गया है। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद वे उत्पाद हैं जो निम्नलिखित उप शीर्ष के अंतर्गत आते हैं और वह उत्पाद हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित उत्पाद के समान और उसके प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं:-

उत्पादों के नाम	सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष
एल्युमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद तथा एल्युमीनियम फॉइल्स	76061110,
	76061190,
	76061200,
	76069110,
	76069120,
	76069190,
	76069210,
	76069290
एल्युमीनियम फॉइल्स	<u>76071110,</u>
	<u>76071190,</u>
	<u>76071910,</u>
	<u>76071991,</u>
	<u>76071992,</u>
	<u>76071993,</u>
	<u>76071994,</u>
	<u>76071995,</u>
	<u>76071999,</u>
	<u>76072010,</u>
	<u>76072090</u>

48. इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए कि क्या कोई वस्तु "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" है अथवा नहीं, उपर्युक्त रिपोर्टें तथा प्रतिस्पर्धात्मक तथा प्रतिस्थापनीय के शब्दकोश में उल्लिखित अर्थ के संदर्भ में निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार किया गया है:-

(क) 'समान' वस्तु के मामले में, क्या तुलनाधीन दोनों वस्तुएं एक जैसी अथवा सभी प्रकार से एक समान हैं।

(ख) तुलनाधीन वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त निविष्टियां/

(ग) विनिर्माण प्रक्रिया

(घ) विनिर्माण सुविधा तथा संयंत्र

(ङ.) एक दूसरे के स्थान पर उपयोग एवं प्रयोग

(च) भावी संभावित उपयोग

(छ) विपणन माध्यम

(ज) कीमत बैंड

स्पष्ट करने के उद्देश्य से, यह नोट किया जाता है कि निष्कर्ष यह नहीं है कि "प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी" होने के लिए तुलनाधीन दोनों उत्पाद उपर्युक्त मानदण्डों के संदर्भ में सकारात्मक हों अथवा यदि कोई एक मानदण्ड सकारात्मक परिणाम प्रस्तुत करता है तो उत्पाद "प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी" हो जाएंगे। उपर्युक्त मानदण्ड, जो विस्तृत नहीं है, परन्तु "प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी" उत्पादों के निर्णय हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत हैं।

7607 के अंतर्गत आने वाली तथा 7 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल्स

49. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों ने तर्क दिया है कि 7 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल्स का विनिर्माण हिंडालको तथा भारत की किसी कंपनी द्वारा नहीं किया जाता। मेसर्स इंडिया फॉइल्स लिमिटेड ने दिनांक 31 मार्च, 2009 के अपने पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि उनकी कुमारहट्टी स्थित एचैनबाघ मिल 6 माइक्रॉन तक मोटाई और अधिकतम 1480 मिमी चौड़ाई की विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाली अल्यू लाइट गेज एल्यूमीनियम फॉइल्स का उत्पादन करने में सक्षम है।

50. जैसा कि ऊपर विवेचन किया गया है, इस मामले में हिंडालको "घरेलू उद्योग" है और इस जांच में केवल हिंडालको के आर्थिक मानदण्डों पर विचार किया गया है, अतः इंडिया फॉइल इस उत्पाद का विनिर्माण करती है अथवा नहीं, यह अप्रासंगिक है।

51. जहां तक इस प्रश्न का संबंध है कि क्या 7 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल 7 माइक्रॉन से अधिक अथवा उसके बराबर मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल के "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से उसकी प्रतिस्पर्धी" हैं, यह एक निर्विवाद तथ्य है कि दोनों एक जैसे अथवा सभी प्रकार से एक समान नहीं हैं, अतः समान वस्तुएं नहीं हैं। इसके अलावा दोनों वस्तुओं में एल्यूमीनियम को प्रमुख निविष्टि के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। इस तथ्य से कि इंडिया फॉइल केवल 6 माइक्रॉन तक की फॉइल का विनिर्माण कर सकती है और वर्तमान सुविधा के साथ हिंडालको 7 माइक्रॉन से कम की फॉइल का उत्पादन नहीं कर सकती; यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विनिर्माण प्रक्रिया एक समान नहीं है और उसी मशीन का प्रयोग दोनों उत्पादों के विनिर्माण में नहीं किया जा सकता। इन दोनों उत्पादों का उपयोग मुख्यतः पैकेजिंग उद्योग द्वारा किया जाता है परन्तु उनके उपयोग भिन्न-भिन्न हैं और इन्हें विभिन्न उपयोगों वाले विभिन्न प्रकार के पैकेजों के विनिर्माण में प्रयुक्त किया जाता है। अतः मेरा विचार है कि दोनों इस समय न तो प्रतिस्पर्धी हैं और न ही दोनों में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है।

7607 के अंतर्गत आने वाली तथा 7 माइक्रॉन मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल्स

52. जहां तक इस प्रश्न का संबंध है कि क्या 7 माइक्रॉन मोटाई वाली आयातित एल्यूमीनियम फॉइल हिंडालको द्वारा उत्पादित 7 माइक्रॉन के बराबर मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल के समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से उसकी प्रतिस्पर्धी हैं अथवा नहीं; यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि आयातित फॉइल्स की चौड़ाई अलग-अलग होती है और जहां तक प्रति वर्ग मीटर में छिद्रों की संख्या का संबंध है, उनकी गुणवत्ता भी अलग-अलग होती है। यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू फॉइल के उपयोग से बरबादी अधिक होती है। अतः उनकी कार्यक्षमता कम है। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि दोनों वस्तुओं में एल्यूमीनियम को प्रमुख निविष्टि के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। इन दोनों उत्पादों का उपयोग मुख्यतः पैकेजिंग उद्योग में किया जाता है और व्यापार जगत में इन दोनों को एक ही नाम से जाना जाता है तथा इनका व्यापार एक समान व्यापार माध्यम से किया जाता है। ये उत्पाद एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता हैं। तदनुसार गुणवत्ता मानदण्डों में संभावित भिन्नता के बावजूद दोनों उत्पाद प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं क्योंकि उनके गुणवत्ता मानदण्डों में भिन्नता इतनी नहीं है कि एक उत्पाद के लिए दूसरे को प्रतिस्थापित करना संभव न हो।

हीट एक्सचेंजर्स में प्रयुक्त एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद तथा फॉइल्स

53. मै0 एल्कापट थर्मोटेक्नोलॉजीज प्रा0 लिमिटेड, टाटा टोमो एवं अन्य ने निवेदन किया है कि वे हीट एक्सचेंजर्स तथा अन्य शीतन प्रणालियों का विनिर्माण करते हैं। इन एक्सचेंजर्स और शीतन प्रणाली का उपयोग मुख्यतः वाहनों एवं इंजिनों के रेडिएटर्स में किया जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण संघटकों का विनिर्माण करने के लिए वे फ्लैट रोल्ड तथा फॉइल के रूप में फ्लैड तथा अनक्लैड एल्यूमीनियम एलॉय का आयात करते हैं, और इनकी भौतिक विशेषताएं निर्दिष्ट उपयोग हेतु उपयुक्त होती हैं। इन एलॉयज का विनिर्माण हिंडालको के अलावा कोई और नहीं करता और हिंडालको द्वारा भी सभी विनिर्देशनों का विनिर्माण नहीं किया जाता। हिंडालको द्वारा विनिर्मित विनिर्देशन अलग हैं और इनका प्रयोग आयातित विशेष एलॉय के स्थान पर नहीं किया जा सकता। मेसर्स सापा हीट ट्रान्सफर (शंघाई) लि0 जो ऐसे एलॉयज का विनिर्माण करते हैं, ने इस जांच में एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में भाग लिया है और तर्क दिया है कि ये उत्पाद सुदीर्घ

अनुसंधान का परिणाम है और इनमें से अनेक उत्पाद पेटेंटबुद्ध हैं। ये उत्पाद विशेषता प्राप्त उत्पाद हैं, जिनके विशिष्ट गुणधर्म एवं विशेषताएं हैं। उन्होंने भारत में विनिर्मित उत्पादों और उनके द्वारा विनिर्मित उत्पादों के बीच तुलना करने के लिए अनेक विशेषताओं का ब्यौरा दिया है। इन आयातित वस्तुओं की कीमतें भारत में विनिर्मित वस्तुओं से कमतर नहीं हैं। मेसर्स एल्क्राफ्ट थर्मोटेक्नोलॉजीज द्वारा प्रस्तुत पक्ष दिनांक 25 मई, 2009 को सुना गया था। तकनीकी विशेषताओं, उपभोगों, विनिर्माण, विनिर्माण प्रक्रिया आदि की विस्तृत जांच की गई।

54. घरेलू उद्योग ने इस बात का कोई प्रमाण नहीं दिया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित वस्तुओं के समान अथवा उनके प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी हैं।

55. उपर्युक्त के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इस श्रेणी के उत्पाद विशेष प्रकार के उत्पाद हैं, जिनकी भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं पूर्व परिभाषित तथा पूर्व निर्धारित होती हैं, अतः उनकी तुलना बारीकी से की जानी अपेक्षित है। चूंकि हिंडालको ने ऐसे किसी उत्पाद का नाम नहीं बताया है, जिसके साथ तुलना की जा सके, अतः ये वस्तुएं एक समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। उत्पाद को बाहर रखने के लिए उसे परिभाषित करने हेतु निम्नलिखित नाम तथा अंतिम उपयोग अपेक्षित है:-

"एल्यूमीनियम - मैंगनीज - सिलिकॉन आधारित एवं/अथवा एल्यूमीनियम - मैग्नेशियम - सिलिकॉन आधारित एलॉयज, चाहे क्लैड ओ अथवा अनक्लैड, 0.05 मिमी से 3.00 मिमी मोटाई वाली, 45 एम पी ए से अधिक की ब्रेजिंग यील्ड शक्ति युक्त, जो टैरिफ शीर्ष 7606 अथवा 7607 के अंतर्गत आती हों और रेडियेटर्स सहित हीट एक्सचेंजर्स, चार्ज एयर कूलर्स, कन्डेन्सर्स, ऑयल कूलर्स, हीटर कोरों, वाष्पीकरण यंत्रों, हीट वेन्टीलेटर तथा वातानुकूलन (एच वी ए सी) प्रणालियों अथवा उनके हिस्सों में प्रयुक्त की जाती हो।"

को-पॉलिमर की परत युक्त पॉली एल्यूमीनियम फॉइल:

56. मै0 वूक्सी क्वांटिंग केबल मटेरियल कं0 लि0 ने केबल सोल्यूशन्स एवं अन्य के माध्यम से निवेदन किया है कि यह उत्पाद 0.22 मिमी से अनधिक मोटाई वाली एल्यूमीनियम फॉइल एवं कोपॉलिमर प्लास्टिक फिल्मों से निर्मित है। आई टी करार के अनुसार यह ये शून्य शुल्क उत्पाद हैं। इसकी कीमत चीन में 140 रुपये प्रति किग्रा. की तुलना में 134 रुपये प्रति किग्रा. है। आयात से भारत की केवल 11 प्रतिशत मांग की पूर्ति की जाती है। मै0 हिंडालको से पूछे जाने पर उन्होंने सूचित किया कि वह इन उत्पादों का विनिर्माण नहीं करते।

कलर कोटेड क्वायल:

57. हितबद्ध पार्टियों ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा कलर कोटेड क्वायल का विनिर्माण नहीं किया जाता, अतः इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं रखा जा सकता। ये उत्पाद भिन्न हैं और इन्हें प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी नहीं माना जा सकता। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि कलर कोटेड एल्यूमीनियम क्वायल की विनिर्माण प्रक्रिया, विनिर्माण संयंत्र एवं उपयोग अनकोटेड क्वायल से अलग होते हैं। इसकी कोटिंग विशेष कोटिंग होती है। यह कोटिंग दो किस्म की होती है। कलर कोटेड क्वायल का कारोबार करने वाले सेवन की विवरण पुस्तिका में पी वी डी एस क्वायल और पी ई कोटिंग क्वायल का विवरण निम्नानुसार है:-

"पी वी डी एफ (फ्लोरीन - कार्बन) कोटिंग: उच्च तापमान पर रोस्टिंग और बेकिंग के बाद फ्लोरीन कार्बन रेजीन, पिगमेंट, ईस्टर सॉल्वेंट से बनाया गया यह पेन्ट ठोस रूप में शुष्क फिल्म के रूप में बनाया जाता है जो अत्यधिक मौसम प्रतिरोधी होती है। के वाई एन ए आर 500 पी वी डी एफ के दो अथवा तीन गुना कोटिंग युक्त पी वी डी एफ कोटिंग अम्ल रोधी, क्षार रोधी तथा अत्यन्त प्रतिकूल मौसम और वातावरण में टिकाऊ होता है और 15 घंटे तक इसमें अवांछित फेडिंग नहीं होता। इन तथ्यों को देखते हुए बाहरी दीवार की क्लैडिंग में इस पैनल को प्रयुक्त करने की सिफारिश की जाती है।

पी ई (पॉलीस्टर): यह एक मोनोमर है जो उच्च मॉलीक्यूलर पॉलीमर तथा एल्काइड युक्त है, जो यू वी - प्रतिरोधी कोटिंग है। कोटिंग ग्लास के अनुसार इसे मैट तथा ग्लासी में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसकी कॉम्पेक्ट मॉलीक्यूलर संरचना, पेंट को चमकदार और चिकना बना देती है, जिसके कारण पैनल की सतह पर प्रिंटिंग अच्छी तरह से हो पाती है। मौसम प्रतिरोध के प्रति इसकी वॉरन्टी 8 - 10 वर्ष है और इसका प्रयोग विशेष रूप से आंतरिक सजावट एवं साइन बोर्डों में किया जाता है।"

58. मै0 हिंडालको इंडस्ट्रीज लि0 ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्क का खण्डन किया है और निम्नानुसार निवेदन किया है:-

"एल्यूमीनियम कोटेड क्वायल्स का उत्पादन व आपूर्ति भारत में की जा रही है। भारतीय एल्यूमीनियम एफ आर पी उद्योग बेयर ए सी पी स्टॉक सामग्री की आपूर्ति उपभोक्ता उद्योग को करता है। कुछेक क्रेताओं के पास आबद्ध कोटिंग लाइनें हैं और अन्य क्रेता भारत की स्वतंत्र कोटिंग लाइनों से कोटेड ए सी पी सामग्री की खरीद करते हैं। भारत में कलर कोटिंग क्षमता ईष्टतम से कम उपयोग किया जाता है और भारत के किसी क्रेता को यह सामग्री आयात करने का कोई कारण नहीं है। वास्तव में भारतीय उद्योग (स्वतंत्र कोटिंग लाइनों सहित) के पास बेयर तथा कोटेड ए सी पी स्टॉक सामग्री दोनों की आपूर्ति करने की पर्याप्त क्षमता है। कुछेक कम्पनियां जिनके पास कोटिंग लाइनें हैं, निम्नलिखित हैं:-

मै0 एल्यूडेकोर लेमिनेशन प्राइवेट लिमिटेड

मै0 ड्युराबिल्ड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड

मै0 ग्लेजटेक एल्यूपैनल प्राइवेट लिमिटेड

मै0 विष्णु इंटरनेशनल

मार्च, 09 में आयोजित सुनवाई के दौरान एल्यूडेकोर (कोटिंग सुविधायुक्त ए सी पी विनिर्माता) ने कोटेड ए सी पी क्वायल पर रक्षोपाय शुल्क का समर्थन किया था। एल्यूडेकोर ए सी पी उद्योग की एक अग्रणी कंपनी है और भारत की अन्य कोटिंग कंपनियों की तरह इसके पास कोटिंग लाइनों की अप्रयुक्त क्षमता अत्यधिक है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि एल्यूडेकोर कलर कोटेड एल्यूमीनियम क्वायल्स के विनिर्माता के रूप में पंजीकृत है।

भारत में स्वतंत्र कोटिंग सुविधाओं (अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमता सहित) की उपस्थिति बेयर ए सी पी स्टॉक का विनिर्माण करने वाले भारतीय एल्यूमीनियम उद्योग का समर्थन करती है। इन स्वतंत्र कोटिंग लाइनों अर्थात् पी वी डी एफ, पॉलीस्टर एवं अन्य द्वारा सभी किस्म की कोटिंग अपेक्षाओं को पूरा किया जा सकता है।

यदि कोटेड ए सी पी क्वायल्स को अंतिम रक्षोपाय शुल्क के दायरे से बाहर रखा जाता है तो एल्यूमीनियम एफ आर पी उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि क्रेता सीधे चीन से सस्ती कोटेड ए सी पी क्वायल्स का आयात करने के लिए स्वतंत्र होंगे। एल्यूमीनियम एफ आर पी उद्योग द्वारा बेची जा रही बेयर ए सी पी क्वायल्स की बिक्री पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अन्य शब्दों में यदि चीन से कोटेड क्वायल्स का आयात किया जाता है, तो यह भारतीय एफ आर पी उद्योग द्वारा बेयर ए सी पी क्वायल्स की घरेलू बिक्री को प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्थापित करेगा। अतः कोटेड तथा बेयर ए सी पी क्वायल्स प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं और कोटेड ए सी पी क्वायल्स को अंतिम रक्षोपाय शुल्क के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए। अन्य उल्लेखनीय बात यह है कि कोटेड ए सी पी क्वायल्स में भार के अनुसार एल्यूमीनियम 98% से अधिक होता है, जो स्पष्ट रूप से संकेत करता है कि कोटेड ए सी पी क्वायल और कुछ नहीं बल्कि एक एल्यूमीनियम उत्पाद है।"

59. यह तथ्य कि मै0 हिंडाल्को रंगीन कोटेड कॉइल का विनिर्माण नहीं करते हैं जैसाकि हितबद्ध पार्टियों द्वारा संदर्भित किया गया है, विवाद का विषय नहीं है चूंकि मै0 हिंडाल्को ने कभी यह तर्क नहीं दिया है कि वे ऐसी कॉइलों का विनिर्माण करते हैं। इसके अलावा, इस तथ्य कि भारत में कुछ इकाइयों द्वारा ऐसी कॉइलों का विनिर्माण किया जा रहा है का हितबद्ध पार्टियों द्वारा विरोध नहीं किया गया है जैसाकि उपर्युक्त पैरा में उल्लेख किया गया है। "घरेलू उद्योग" की परिभाषा के संबंध में, हिंडाल्को को "घरेलू उद्योग" माना गया है और केवल हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित उत्पादों की हिंडाल्को के आर्थिक मानदण्डों के विश्लेषण के पश्चात रक्षोपाय संबंधी जांच की गई है। मै0 एल्यूडेकोर लैमिनेशन प्रा0 लि0, मै0 ड्यूराविल्ड टेक्नोलॉजीज प्रा0 लि0, मै0 ग्लेजटेक एल्यूमैनल प्रा0 लि., मै0 विष्णु इंटरनेशनल अथवा ऐसे कोटेड कॉइलों के किसी अन्य विनिर्माता की रक्षोपाय जांच नहीं की गई क्योंकि हिंडाल्को को छोड़कर मै0 एल्यूडेकोर लैमिनेशन प्रा0 लि0 तथा अन्यो द्वारा विनिर्मित उत्पाद के संबंध में कोई जांच शुरू नहीं की गई है। अतः हिंडाल्को को छोड़कर एल्यूडेकोर तथा अन्यो द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के साथ आयातित वस्तुओं की तुलना, जांच के सिद्धांतों के विपरीत है।

60. मै0 हिंडाल्को ने तर्क दिया है कि आयातित रंगीन कोटेड कॉइल का एल्यूमीनियम एफ आर पी उद्योग द्वारा बेचे जाने वाले कोट न किए गए ए सी पी कॉइलों की बिक्री पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। दूसरे शब्दों में यदि कोटेड कॉइलों का चीन से आयात किया जाता है तो वह भारतीय एफ आर पी उद्योग द्वारा कोट न किए गए ए सी पी कॉइलों की घरेलू बिक्री का प्रत्यक्ष रूप से स्थान ले लेंगे। घरेलू उद्योग तथा हितबद्ध पार्टियों के तर्कों का विश्लेषण करने के लिए समान मोटाई वाले आयातित रंगीन कोटेड कॉइलों तथा हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित कोट न किए गए एल्यूमीनियम कॉइलों की तुलना की गई है।

61. जैसा कि "घरेलू उद्योग" द्वारा स्वीकार किया गया है, हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित एल्यूमीनियम कॉइलों का उपयोग रंगीन कोटेड कॉइलों के विनिर्माण के लिए निविष्टि के रूप में किया जाता है। रंगीन कोटेड कॉइल के विनिर्माण की प्रक्रिया काफी विस्तृत है और उसके लिए उच्च निवेश वाले पृथक संयंत्र की आवश्यकता होती है। विनिर्माण प्रक्रिया कोई गौण प्रक्रिया नहीं है जिसमें वास्तविक तथा रासायनिक विशेषताएं बदलती न हों। पी वी डी एफ कोटिंग के मामले में एल्यूमीनियम कॉइल पर फ्लोरीन कार्बन रेजिन, पिगमेंट, ईस्टर साल्वेंट से अभिक्रिया की जाती है और उच्च ताप पर रोस्टिंग तथा बेकिंग के पश्चात् पेंट को उच्च गुणवत्ता वाली मौसमरोधी ड्राई फिल्मों के साथ ठोस बनाया जाता है। कोटिंग एवं बेकिंग के लिए इस प्रक्रिया को 2 - 3 बार दोहराया जाता है। इस प्रकार विनिर्मित रंगीन कोटेड कॉइलों में अम्ल रोधी तथा क्षार-रोधी विशेषताएं होती हैं। उनकी तुलना में एल्यूमीनियम कॉइल अम्ल तथा क्षार दोनों के साथ प्रतिक्रिया करता है तथा एल्यूमीनियम की रासायनिक विशेषता के कारण उस पर मौसमी परिस्थितियों का प्रभाव पड़ता है। पी वी डी एफ कोटिंग द्वारा विनिर्मित रंगीन कोटेड कॉइल मौसम रोधी होता है और उसका उपयोग बाहरी दीवार पर किया जाता है। पी वी डी एफ कोटिंग कॉइल का उपयोग एल्यूमीनियम संघटित पैनलों के निर्माण में किया जाता है जहां कई परतों में से एक परत पी वी डी ए रंगीन कोटेड कॉइल की होती है। पी वी डी ए कोटेड रंगीन कॉइलों का उपयोग कोट न किए गए कॉइलों से भिन्न होता है और कोट न किए गए कॉइलों का उपयोग मौसमी परिस्थितियों के प्रति उसकी संवेदनशीलता को देखते हुए बाहरी दीवारों पर नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा ऐसे कोटेड कॉइलों की कीमत संरचना अलग होती है और विनिर्माण में लगी अतिरिक्त लागत के कारण यह सामान्यतः उच्च होती है।

62. पी ई रंगीन कोटेड कॉइल में कोटिंग को पराबैगनी किरणरोधी बनाने के लिए एल्किड के साथ मोनोमर के रूप में उच्च आण्विक पॉलिमर का उपयोग किया जाता है। सघन आण्विक संरचना से पेंट की सतह चमकदार एवं चिकनी हो जाती है। पी ई कोटिंग वाले कॉइलों में 8 - 10 वर्षों तक के लिए मौसम रोधी विशेषताएं कायम रहती हैं। इसे विशेष रूप से आंतरिक सजावट एवं साइन बोर्डों के लिए उपयोग में लाया जाता है। उनकी तुलना में एल्यूमीनियम कॉइल, एल्यूमीनियम की रासायनिक प्रकृति के कारण मौसमरोधी नहीं होते हैं। कोट न किए गए एल्यूमीनियम की वास्तविक विशेषताएं पी ई कोटेड कॉइलों से भिन्न होती हैं। पी ई कोटेड कॉइल की रासायनिक विशेषताएं कोट न किए गए कॉइलों से अलग होती हैं क्योंकि पी ई कोटिंग को मौसम रोधी बनाने के लिए एल्यूमीनियम कॉइल की कुछ रासायनिक विशेषताओं को कम कर दिया जाता है। कोट न किए गए कॉइलों को पी ई कॉइलों के स्थान पर उपयोग में नहीं लाया जा सकता है क्योंकि उस पर की जाने वाली विशेष अभिक्रिया एक अलग उच्च निवेश वाले संयंत्र में एक विस्तृत प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा ऐसे कोटेड कॉइलों व।

कीमत संरचना अलग और इन कॉइलों के निर्माण में आने वाली अतिरिक्त विनिर्माण लागत के कारण सामान्यतः अधिक होती है ।

63. अतः अलग-अलग मोटाई वाले आयातित पी वी डी एफ कोटिंग कॉइल तथा पी ई कोटिंग कॉइल, हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित कोट न किए गए कॉइलों के "समान अथवा प्रत्यक्षतः प्रतिस्पर्धी वस्तु" नहीं है ।

64. कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कुछ स्थानों पर "एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनलों" को 7606 के तहत वर्गीकृत किया गया है और अतः उन्हें भी शामिल नहीं किया जाना चाहिए । सत्यापन करने पर यह पाया गया कि एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनलों का विनिर्माण हिंडाल्को द्वारा नहीं किया जाता है । अतः उस उत्पाद के वर्गीकरण के मुद्दे पर विचार न करते हुए उत्पाद को रक्षोपाय जांच में शामिल नहीं किया गया है ।

65. इसके अलावा सभी हितबद्ध पार्टियों को तकनीकी विनिर्देशन के बारे में सूचित करते हुए पत्र के साथ नमूने भेजे गए थे ताकि वे उत्पादों के अपवर्जन के संबंध में निर्णय ले सकें । प्राप्त किए गए सभी उत्तरों पर विचार किया गया है ।

66. विच्छेदनीयता के सिद्धांत पर विचार करते हुए जिन वस्तुओं को हिंडाल्को द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के "समान अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी" नहीं पाया गया है, उन्हें विचाराधीन उत्पादन के दायरे से हटा दिया गया है । जिन उत्पादों को उत्पाद के दायरे से हटाया गया है, वे हैं:

क. सी टी एच 7607 के अंतर्गत आने वाले 7 माइक्रॉन से कम मोटाई वाले एल्यूमीनियम फॉइल ।

ख. पी ई (पॉलिएस्टर) कोटिंग अथवा पी वी डी एफ कोटिंग वाले रंगीन कोटेड एल्यूमीनियम कॉइल

ग. एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनल

घ. सी टी एच 7607 के तहत आने वाले गढ़े अथवा तैयार किए गए एल्यूमीनियम फॉइल, जिनका उपयोग इलेक्ट्रोलिटिक कैपेसिटर्स के विनिर्माण में किया जाता है ।

ड. सी टी एच 7607 के अंतर्गत आने वाले पॉलिमर के साथ कोटेड पॉली एल्यूमीनियम फॉइल जिनका उपयोग पी आई जे एफ टेलिकॉम कॉपर केबल्स अथवा ऑप्टिकल फाइबर केबल्स के विनिर्माण में किया जाता है ।

च. टैरिफ शीर्ष 7606 अथवा 7607 के अंतर्गत आने वाले एल्यूमीनियम मैंगनीज सिलिकॉन आधारित तथा/अथवा एल्यूमीनियम मैग्नेशियम-सिलिकॉन आधारित अयस्क, जो गढ़े हुए हों अथवा नहीं; जिनकी मोटाई 0.05 मिमी से 3.00 मिमी के बीच होती है तथा पोस्ट ब्रेजिंग थ्रील्ड स्ट्रेंच 45 एम पी ए से अधिक होती है, जिनका उपयोग रेडियेटर्स, चार्ज एयर कूलर्स, कंडेन्सर्स, तेल

कूलरो, हीटर कोरों, इवैपोरेटर्स, हीट वेंटिलेशन तथा वातानुकूलन (एच वी ए सी) प्रणालियों तथा उनके पुर्जों में किया जाता है।

घरेलू उद्योग

67. यह आवेदन मै0 एल्मीनियम एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा दायर किया गया है। अन्य एसोसिएशनों सहित मै0 हिंडाल्को कं0 लि0, मै0 नाल्को इंडिया लि0 तथा भारत एल्यूमीनियम कं0 लि0, इस एसोसिएशन के सदस्य हैं। एसोसिएशन के सदस्यों का एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों (एफ आर पी) के उत्पादन में 97 प्रतिशत तथा एल्यूमीनियम फॉइल के उत्पादन में 98 प्रतिशत हिस्सा बनता है। यह एसोसिएशन समान तथा/अथवा प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों के कुल सामुदायिक उत्पादन के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है। इसकी एक सदस्य कंपनी मै0 हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि0 ने अपने दायर किए गए आवेदन में संगत वित्तीय सूचना उपलब्ध कराई है। मै0 हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि0 का एल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों (एफ आर पी) में 71 प्रतिशत तथा एल्यूमीनियम फॉइल के कुल घरेलू उत्पादन में 56 प्रतिशत हिस्सा बनता है। इसके अलावा, आवेदक के घरेलू उद्योग होने पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई दावे नहीं किए गए हैं। अतः यह माना गया है कि मै0 हिंडाल्को घरेलू उद्योग है और उसका प्रतिनिधित्व करती है।

छ. बढ़ते हुए आयात:

68. प्रारंभिक अधिसूचना में डी जी सी आई एस, आई बी आई एस के आयात आंकड़ों तथा चीन के सीमाशुल्क आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। कुछ हितबद्ध पार्टियों ने आंकड़ों के उपयोग पर प्रश्न उठाया है। तदनुसार, संदर्भित स्रोत के अतिरिक्त जांच शुरुआत तथा प्रारंभिक जांच में संदर्भित स्रोतों के उपयोग की प्रवृत्ति के तुलना करने के लिए डी जी सी आई एस आंकड़ों का उपयोग किया गया है। अवधि वर्ष 2008-09 की अंतिम तिमाही तक सीमित है, चूंकि अनंतिम रक्षोपाय शुल्क अंतिम तिमाही में लगाई गई थी। अतः जांच अवधि को दिसम्बर, 2008 में समाप्त होने वाली तिमाही तक सीमित कर दिया गया है। अपवर्जित उत्पाद समूह द्वारा आयात को आयात आंकड़ों से भी अपवर्जित कर दिया गया है। यद्यपि कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने सूचित किया है कि जिन उत्पादों के अपवर्जन हेतु अनुरोध किया गया है उनमें वृद्धि नहीं हुई है। इसके अतिरिक्त, अस्थायी उतार-चढ़ाव तथा मौसमी प्रभावों, यदि कोई हो, को संतुलित करने के लिए एक पर्याप्ततः लम्बी अवधि पर विचार किया गया है।

आयातों में समग्र वृद्धि:

69. हितबद्ध पार्टियों के तर्कों के मद्देनजर, उत्पादों के आयातों की पुनः जांच की गई थी। चीन के सीमाशुल्क तथा डी जी सी आई एण्ड एस दोनों से उपलब्ध सूचनाओं पर विचार किया गया था। यह पाया गया था कि चीन के सीमाशुल्क के अनुसार आयात निम्नानुसार थे:-

एफ आर पी

आयात(मी.टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिसम्बर-08
चीन	4,596	8,906	18,132	16,337
अन्य देश	16,193	20,814	21,657	14,760
कुल आयात	20,789	29,720	39,789	31,097

स्रोत: डी जी सी आई एंड एस के अनुसार

फॉइल

आयात(मी.टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिसम्बर-08
चीन	4,642	8,897	19,064	24,323
अन्य देश	14,826	13,304	15,465	9,876
कुल आयात	19,468	22,201	34,529	34,199

स्रोत: डी जी सी आई एंड एस के अनुसार

दोनों स्रोतों में कुछ भिन्नताएं हैं, जिनके कारण सांख्यिकीय त्रुटियां हो सकती हैं। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि आयातों में एफ आर पी के मामले में% तथा फॉइल के मामले में% की वृद्धि हुई है। बढ़ते हुए आयातों में वृद्धि की प्रवृत्ति वर्ष 2006-07 से बनी हुई है।

70. अन्य देशों की तुलना में चीन से आयातों में वृद्धि

यह निर्धारित करने के लिए कि क्या उत्पाद के आयातों में भारत में विचाराधीन उत्पादों के कुल आयातों की तुलना में वृद्धि हुई है, भारत में सकल आयातों की तुलना में आयातों की मात्रा की जांच की गई थी। नीचे दी गई तालिका से तथ्यात्मक जानकारी प्रदर्शित होती है:-

आयात के हिस्से में वृद्धि - एफ आर पी

आयात(मी.टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिसम्बर-08
चीन	22.11	29.97	45.57	52.54
अन्य देश	77.89	70.03	54.43	47.46

स्रोत: डी जी सी आई एंड एस

आयातों के हिस्से में वृद्धि-फॉयल

आयात (मी. टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
चीन	23.84	40.07	55.21	71.12
अन्य देश	76.16	59.93	44.79	28.88

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

घरेलू बाजार में आयातों के हिस्से में वृद्धि एफआरपी

आयात (मी. टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ	50.85	51.10	45.95	42.47
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्रियाँ	36.80	32.78	35.49	36.36
भारतीय उद्योग का कुल	87.65	83.88	81.44	78.84
चीन से आयात	2.73	4.83	8.46	11.12
अन्य देश- आयात	9.62	11.29	10.10	10.04

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

फॉयल

आयात (मी. टन)	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ	42.21	39.21	31.06	25.89
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्रियाँ	25.93	26.64	24.96	21.24
भारतीय उद्योग का कुल	68.14	65.85	56.02	47.13
चीन से आयात	7.60	13.69	24.28	37.60
अन्य देश- आयात	24.27	20.47	19.70	15.27

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

72. उत्पादन

इस अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादन प्रवृत्ति निम्नानुसार है :

अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद

उत्पादन	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
हिप्डाल्को	मी. टन	187,678	207,908	212,424	138,913
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	65,269	77,368	88,205	63,975
कुल भारतीय उत्पादन	मी. टन	252,947	285,276	300,629	202,888
हिप्डाल्को का हिस्सा	%	74.20	72.88	70.66	68.47

अल्युमीनियम फॉयल

उत्पादन	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
हिण्डाल्को	मी. टन	28,567	28,360	27,558	19,043
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	17,553	19,485	21,727	15,220
कुल भारतीय उत्पादन	मी. टन	46,120	47,845	49,285	34,263
हिण्डाल्को का हिस्सा	%	61.94	59.27	55.92	55.58

देश में उत्पाद की वृद्धि को देखते हुए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि भारतीय उत्पादक कुछ समय पहले तक अल्युमीनियम रोल्ड उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने में समक्ष रहे हैं लेकिन तत्पश्चात् चीन के आयातों में वृद्धि के कारण उत्पादन में कमी शुरू हो गई है। यह देखा गया है कि देश में अल्युमीनियम रोल्ड उत्पादों के आयातों में वृद्धि के साथ उत्पादन में कमी आई है। फॉयल के मामले में उत्पादन में निरंतर गिरावट आई है।

73. क्षमता उपयोग

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

(क) अल्युमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
क्षमता	मी. टन	175,000	205,000	205,000	153,750
उत्पादन	मी. टन	187,678	207,908	212,424	138,913
क्षमता उपयोग	%	107.24	101.42	103.62	90.35

(ख) अल्युमीनियम फॉयल

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
क्षमता	मी. टन	40,000	40,000	40,000	30,000
उत्पादन	मी. टन	28,567	28,360	27,558	19,043
क्षमता उपयोग	%	71.42	70.90	68.90	63.48

74. घरेलू बिक्री

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

(ग) अल्युमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
हिण्डाल्को	मी. टन	85,588	94,235	98,513	62,413
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	61,928	60,443	76,083	53,435
भारतीय उद्योग	मी. टन	147,516	154,678	174,596	115,848

(घ) अल्यूमीनियम फॉयल

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-08 से दिस.-08
हिण्डाल्को	मी. टन	25,790	25,489	24,384	16,750
अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	15,840	17,320	19,600	13,740
भारतीय उद्योग	मी. टन	41,630	42,809	43,984	30,490

यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2005-06 तथा 2007-08 के बीच घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई और तत्पश्चात् अप्रैल-सितम्बर, 2008 में इसमें गिरावट आई। अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 की अवधि में वह अत्यंत निम्न स्तर पर पहुँच गई थी। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि अप्रैल-सितम्बर, 2008 और अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 में बिक्री में कमी बाजार में चीन से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं द्वारा प्रापण के स्रोत में परिवर्तन किए जाने के कारण हुई। इस प्रकार, चीन से आयातों में वृद्धि और घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी के बीच प्रत्यक्ष सह-संबंध मौजूद है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क भी दिया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट की तुलना में बढ़े हुए आयातों का उच्चतर स्तर इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि दिसम्बर, 2008 तक चीन से भेजे गए सभी परेषण दिसम्बर, 2008 तक भारतीय तट पर नहीं पहुँचे थे। उपभोक्ताओं द्वारा चीन से बड़ी मात्रा की बुकिंग किए जाने के बाद घरेलू उद्योग की संभावित बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

यह देखा गया है कि इस अवधि में बढ़े हुए आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री प्रभावित हुई।

75. माँग तथा बाजार हिस्सा

फॉयल

माँग					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	25,790	25,489	24,384	16,750
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्री	मी. टन	15,840	17,320	19,600	13,740
चीन से आयात	मी. टन	4,642	8,897	19,064	24,323

अन्य देश- आयात	मी. टन	14,826	13,304	15,465	9,876
कुल मॉग/खपत	मी. टन	61,098	65,010	78,513	64,689
मॉग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	42.21	39.21	31.06	25.89
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्री	%	25.93	26.64	24.96	21.24
भारतीय उद्योग का कुल	%	68.14	65.85	56.02	47.13
चीन से आयात	%	7.60	13.69	24.28	37.60
अन्य देश- आयात	%	24.27	20.47	19.70	15.27

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

एफआरपी

मॉग					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	85,588	94,235	98,513	62,413
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्री	मी. टन	61,928	60,443	76,083	53,435
चीन से आयात	मी. टन	4,596	8,906	18,132	16,337
अन्य देश- आयात	मी. टन	16,193	20,814	21,657	14,760
कुल मॉग/खपत	मी. टन	168,305	184,398	214,385	146,945
मॉग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	50.85	51.10	45.95	42.47
अन्य भारतीय उद्योगों की बिक्री	%	36.80	32.78	35.49	36.36
भारतीय उद्योग का कुल	%	87.65	83.88	81.44	78.84
चीन से आयात	%	2.73	4.83	8.46	11.12
अन्य देश- आयात	%	9.62	11.29	10.10	10.04

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस

अक्तूबर-दिसंबर, 2008 में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के साथ-साथ समग्र घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट दर्ज की गई।

76. स्टॉक

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल- दिस.-08
एफआरपी	मी. टन	5136	5019	4090	8213
बिक्री के दिनों की सं.	दिन	12	11	8	20
फॉयल	मी. टन	806	900	814	769
बिक्री के दिनों की सं.	दिन	10	12	11	13

यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की मालसूचियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि यदि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में कमी न की जाती तो घरेलू उद्योग की मालसूचियों में हुई वृद्धि और अधिक होती। घरेलू उद्योग ने कहा कि यद्यपि औसत धारिता अवधि 10 दिन होती है, घरेलू उद्योग एफआरपी के संबंध में बिक्री का करीब एक माह का और फॉयल के संबंध में लगभग 15 दिन का स्टॉक रोके हुए है।

77. रोजगार

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

रोजगार को दर्शाने वाला विवरण

वर्ष/माह	एफआरपी			फॉयल		
	स्थायी	अस्थायी	कुल	स्थायी	अस्थायी	कुल
2005-06	2,131	945	3,076	1,094	471	1,565
2006-07	2,139	1,006	3,145	1,076	489	1,565
अप्रैल'07	2,317	1,087	3,404	1,079	496	1,575
मई'07	2,311	1,116	3,427	1,065	492	1,557
जून'07	2,317	99९	3,312	1,057	515	1,572
जुलाई'07	2,305	957	3,262	1,052	520	1,572
अगस्त'07	2,308	891	3,199	1,046	466	1,512
सित.'07	2,307	875	3,182	1,044	467	1,511
अक्तू.'07	2,316	896	3,212	1,038	461	1,499
नव.'07	2,309	753	3,062	1,037	456	1,493
दिस.'07	2,306	784	3,090	1,033	501	1,534
जन.'08	2,297	777	3,074	1,031	487	1,518
फर.'08	2,294	791	3,085	1,027	494	1,521
मार्च'08	2,279	780	3,059	1,027	448	1,475
अप्रैल'08	2,285	791	3,076	1,019	448	1,467
मई'08	2,277	839	3,116	1,051	428	1,479
जून'08	2,268	853	3,121	1,032	481	1,513
जुलाई'08	2,269	853	3,122	1,024	435	1,459
अगस्त'08	2,256	815	3,071	1,025	430	1,455
सित.'08	2,246	783	3,029	1,029	430	1,459
अक्तू.'08	2,230	746	2,976	1,032	419	1,451
नव.'08	2,223	712	2,935	1,029	437	1,466
दिस.'08	2,226	685	2,911	1,028	421	1,449

घरेलू उत्पादकों द्वारा दिए गए रोजगार के स्तरों में कमी आई है। रोजगार में इस कमी का कारण घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में कटौती है।

78. घरेलू बिक्री कीमतें

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सित., 08	अक्तू.-08	नव.-08	दिस.-08
एफआरपी	रू./कि.ग्रा.	129.40	156.87	146.39	164.32	147.73	139.79	122.95
फॉयल	रू./कि.ग्रा.	188.76	210.52	205.63	226.76	224.76	206.86	202.82

यह स्पष्ट है कि अक्टूबर, 2008 से बिक्री कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट आनी शुरू हुई। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम है और आयातित उत्पाद की कीमत तथा घरेलू उत्पाद की कीमत में अत्यधिक अंतर के परिणामस्वरूप अधिकाधिक उपभोक्ता आयातों की ओर उन्मुख हो रहे हैं।

79. लाभप्रदता

जाँची गई वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है :

एफआरपी

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सित., 08	अक्तू.-08	नव.-08	दिस.-08
बिक्री की लागत	रू./कि.ग्रा.	120.14	146.99	141.97	155.11	153.60	139.31	127.70
बिक्री कीमत	रू./कि.ग्रा.	129.4	156.9	146.4	164.3	147.7	139.8	123.0
लाभ/हानि	रू./कि.ग्रा.	9.26	9.88	4.42	9.21	(5.87)	0.49	(4.75)
कुल लाभ/हानि	लाख रू.	7,929.48	9,307.20	4,353.41	3,944.09	(323.13)	34.40	(332.73)

फॉयल

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सित., 08	अक्तू.-08	नव.-08	दिस.-08
बिक्री की लागत	रू./कि.ग्रा.	209.98	236.89	233.67	248.65	257.09	242.65	233.96
बिक्री कीमत	रू./कि.ग्रा.	188.76	210.52	205.63	226.76	224.76	206.86	202.82
लाभ/हानि	रू./कि.ग्रा.	(21.22)	(26.38)	(28.03)	(21.89)	(32.33)	(35.80)	(31.15)
कुल लाभ/हानि	लाख रू.	(5,473.78)	(6,722.67)	(6,835.10)	(2,565.39)	(531.17)	(648.33)	(490.60)

एक ओर बिक्री की मात्रा में कमी तथा उसके परिणामस्वरूप उत्पादन और क्षमता उपयोग में कमी और दूसरी ओर बिक्री कीमत में कटौती के कारण लाभ और निवेश पर आय में अत्यधिक गिरावट आई है।

81 नकद लाभ

घरेलू उद्योग द्वारा उपार्जित लाभ में विशेष रूप से एफआरपी के मामले में अत्यधिक गिरावट दिखाई देती है जहाँ नकद लाभ ऋणात्मक हो गया है। फॉयल के मामले में वर्ष 2007-08 की तुलना में अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 में हानि में वृद्धि हुई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सित.08	अक्टू.-08	नवम्बर-08	दिसम्बर-08
एफ आरपी	लाख रु.	10,659.71	12,061.05	6,805.15	5,009.86	(190.33)	205.18	(163.81)
फॉयल	लाख रु.	(3,539.72)	(5,168.68)	(5,585.53)	(2,103.16)	(443.24)	(561.28)	(399.29)

82. लगाई गई पूंजी पर आय:

निवेश पर आय की प्रवृत्ति लाभप्रदता की प्रवृत्ति के समान ही रही है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सित.08	अक्टू.-08	नवम्बर-08	दिसम्बर-08
एफआरपी	%	29.10	24.69	21.24	30.99	(2.54)	9.67	(1.20)
फॉयल	%	(18.06)	(23.77)	(27.60)	(16.85)	(24.28)	(31.68)	(26.78)

83. अन्य कारक: उसी समय में मौजूद तथा घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे आयातों में वृद्धि से इतर अन्य कारकों की जाँच की गई थी। इस संबंध में विशेष रूप से निम्नलिखित कारकों की जाँच की गई थी :-

- (i) पाटन या सब्सिडीकरण:- संबंध वस्तुओं के संभव पाटन या सब्सिडीकरण के मामले में नियम में पाटनरोधी या प्रतिसंतुलनकारी शुल्क लगाने हेतु जाँच के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किए जाने का प्रावधान है। यह नोट किया गया है कि वर्तमान मामले में वस्तुओं के पाटन या सब्सिडीकरण का कोई आरोप नहीं लगाया गया है।
- (ii) तीसरे देशों से आयात: तीसरे देशों से आयातों की कीमतें चीन की कीमतों से अधिक हैं। अतः तीसरे देशों से आयातों की कीमतें घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हैं।
- (iii) खपत के पैटर्न में परिवर्तन: घरेलू उद्योग ने दावा किया कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। किसी भी उत्तरदाता पक्षकार ने ऐसा कोई तर्क नहीं दिया है कि खपत के पैटर्न में हुए परिवर्तनों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो सकती थी।
- (iv) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ और उनके बीच प्रतिस्पर्धा:- घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसका घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान रहा हो। किसी भी उत्तरदाता पक्षकार ने ऐसा कोई तर्क नहीं दिया है कि व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं का घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान हो सकता था।

- (v) उत्पादकता: घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि उत्पादकता स्तरों में परिवर्तन केवल बढ़े हुए आयातों तथा परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट के कारण है और यदि उत्पादता को उसी स्तर पर बनाए रखा भी जाता है तो आँकड़ों से प्रदर्शित होगा कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। जाँच से यह प्रदर्शित नहीं हुआ है कि उत्पादकता में गिरावट के कारण उद्योग को क्षति हुई है।
- (vi) प्रौद्योगिकी में परिवर्तन: घरेलू उद्योग ने तर्क दिया कि उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- (vii) निर्यातक निष्पादन: केवल घरेलू निष्पादन से संबंधित सूचना पर विचार किया गया है। अतः कीमत प्रभाव का आकलन करते समय निर्यात निष्पादन में गिरावट के कारण हुई क्षति को अलग कर दिया गया है। जहाँ तक मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, निर्यात मात्राओं में अत्यधिक गिरावट प्रदर्शित नहीं हुई है।

बढ़े हुए आयातों और गंभीर क्षति के जोखिम के बीच कारणात्मक संबंध

84. उपर्युक्त उल्लेख के अनुसार वर्ष 2005-06 से दिसम्बर, 08 तक की अवधि के लिए मानदण्डों के एक व्यापक मूल्यांकन से यह प्रदर्शित होता है कि बढ़े हुए आयातों के कारण बाजार विकृति और बाजार विकृति का आसन्न जोखिम उत्पन्न हो रहा है। कारणात्मक संबंध निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है।

(क) उक्त उत्पादनों के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान जब आयातों में वृद्धि हुई तब क्षति को दर्शाने वाले आर्थिक मानदण्डों अर्थात् बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, कीमतों पर दबाव, बाजार हिस्से में गिरावट दिखाई देती है।

(ख) इस संबंध में अर्जेंटीना फुटवियर के मामले में अपीलीय निकाय के परिणामों का संदर्भ दिया गया है

‘हम नोट करते हैं कि अनुच्छेद 4.2 (क) के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा ‘आयातों में वृद्धि दर तथा राशि’ ‘बढ़े हुए आयातों द्वारा लिया गया घरेलू बाजार का हिस्सा’, के साथ-साथ बिक्री, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग तथा अन्य कारकों के स्तर में ‘परिवर्तन’ का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है। पैनल की इस व्याख्या, कि अनुच्छेद 4.2(क) में ‘दर तथा राशि’ और ‘परिवर्तन का अभिप्राय है कि क्षति कारक तथा आयात दोनों की प्रवृत्तियाँ और उनके चरम स्तर एक समान रूप से महत्वपूर्ण हैं’, से असहमत होने का कोई कारण नहीं है। हम पैनल की इस बात से भी सहमत हैं कि ‘कारण-कार्य संबंध के विश्लेषण में आयातों की प्रवृत्ति (मात्रा तथा बाजार हिस्सा) और क्षति कारकों की प्रवृत्ति के बीच के संबंध को कारण-कार्य संबंध के विश्लेषण और निर्धारण हेतु केन्द्र में रखा जाना चाहिए।’ इसके अतिरिक्त आयातों में वृद्धि और संगत क्षति कारकों में कमी के बीच ‘संयोग’ के संबंध में हम नोट करते हैं कि पैनल ने केवल यह कहा कि यदि कारण-कार्य संबंध मौजूद है तो ऐसा ‘सामान्य रूप से’ होना चाहिए। तथापि पैनल ने इस कथन को निम्नलिखित वाक्य द्वारा स्पष्ट किया है:-

यद्यपि ऐसा संयोग किसी कारण-कार्य संबंध को सिद्ध नहीं करता है (क्योंकि अनुच्छेद 3 में अन्य बातों के साथ-साथ स्पष्टीकरण अर्थात् "परिणाम और तर्कसंगत निष्कर्ष" अपेक्षित है) तथापि इसकी अनुपस्थिति से कारणात्मक संबंध की मौजूदगी के संबंध में गंभीर संदेह उत्पन्न हो जाएंगे और इस आशय का विश्लेषण अपेक्षित होगा कि कारण-कार्य संबंध अब भी कैसे मौजूद है। परिणामस्वरूप यद्यपि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट बढ़े हुए आयातों के कारण हुई है। यद्यपि सितम्बर, 2008 तक बाजार हिस्से में कमी देश में घरेलू आपूर्ति की तुलना में मांग के कहीं अधिक होने के कारण आई है; परवर्ती अवधि में बाजार हिस्से में गिरावट का कारण ऐसे समय में कम कीमत वाले आयातों में वृद्धि होना है जब घरेलू उद्योग अप्रयुक्त क्षमताओं का सामना कर रहा था।

(ग) भारतीय बाजार में मांग:- उपर्युक्त मांग विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि क्षति का प्रमुख कारण कम कीमतों पर हुए आयातों में वृद्धि है।

(घ) बढ़े हुए आयात की तुलना में हानि:- कम कीमतों पर बढ़े हुए आयातों से घरेलू कीमतों पर दबाव बना जैसाकि गिरती हुई कीमतों से स्पष्ट होता है। घटती कीमतों से लाभप्रदता पर इस हद तक दबाव पड़ा कि अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 के दौरान प्रति किग्रा. लाभप्रदता ऋणात्मक हो गई थी।

85. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि मुख्यतः चीन से बढ़े हुए आयातों के कारण ही बाजार विकृति हुई।

सार्वजनिक हित:-

86. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रक्षोपाय शुल्क के कारण उनके आर्थिक हित प्रभावित होंगे लेकिन उनकी लाभप्रदता और संभाव्यता पर रक्षोपाय शुल्क के प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं दिया गया है। अनंतिम शुल्क लागू किए जाने के दौरान हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने शुल्क अधिरोपण का विरोध किया, पर कोई विशेष प्रभाव दिखाई नहीं दिया है।

87. जहां तक उन पक्षों का संबंध है जिनके उत्पाद हिन्डाल्को द्वारा विनिर्मित नहीं किये गए हैं, को शामिल नहीं किया गया है।

88. आगे, विभिन्न आर्थिक प्रचालकों और जनता के प्रतिस्पर्धी हितों की जांच की गई है। इस संबंध में रक्षोपाय कारणों के प्रमुख उद्देश्य, जो बढ़े हुए आयातों की स्थिति से निपटने के लिए घरेलू उद्योग को सकारात्मक समायोजन करने हेतु पर्याप्त समय प्रदान करना है, को ध्यान में रखना अत्यंत आवश्यक है। एल्यूमिनियम उद्योगों के कार्यनीतिक और राष्ट्रीय महत्व को लम्बे समय से मान्यता प्राप्त है। एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी एल्यूमिनियम उद्योग सभी के हित में है। यह स्पष्ट है कि यदि अनंतिम रक्षोपाय न किए गए तो घरेलू उद्योगों की कीमतों और बाजार हिस्से, दोनों में और अधिक कमी होगी जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योगों को इस सीमा तक वित्तीय हानि का सामना करना पड़ेगा कि घरेलू उद्योग अव्यवहार्य हो जाएगा जिसके कारण रोजगार के नुकसान के साथ-साथ कार्यनीतिक और आर्थिक हित भी प्रभावित होंगे और घरेलू बाजार प्रतिस्पर्धी नहीं रह जाएगा। रक्षोपाय शुल्क के अधिरोपण से घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी बना रहेगा और इसके साथ ही प्रयोक्ताओं/क्रेताओं के पास प्रतिस्पर्धी कीमतों पर अपनी सामग्री संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यापक विकल्प मौजूद होंगे।

अनंतिम उपाय

89. प्रारंभिक परिणामों में यह निर्णय लिया गया था कि एल्यूमिनियम एफआरपी और फॉयल के बढ़े हुए आयातों के कारण बाजार विकृति और बाजार विकृति का जोखिम उत्पन्न हुआ है। यह अभिमत भी दिया गया कि ऐसी गंभीर परिस्थितियाँ भी मौजूद हैं जहाँ रक्षोपाय लागू करने में किसी विलम्ब से उद्योग को अपूरणीय हानि उठानी होगी। वर्ष 2008-09 के पहले 9 माह के दौरान अनेक क्षति संबंधी महत्वपूर्ण मानदंडों, जो उपर्युक्त अनुच्छेदों में उल्लिखित हैं, के संबंध में घरेलू उद्योग में बाजार विकृति पर विचार करते हुए यह निर्णय दिया गया है कि अनंतिम उपायों की अनुपस्थिति में क्षति से अपूरणीय हानि होगी।

90. घरेलू उत्पादकों द्वारा अलग-अलग दी गई एफआरपी तथा फॉयल की औसत उत्पादन लागत (गोपनीय), नियोजित पूंजी पर समुचित आय, घरेलू बाजार में अपेक्षित प्रतिस्पर्धा के स्तर, आयात शुल्क के स्तर तथा समान उत्पादों की औसत आयात कीमतों को ध्यान में रखते हुए अध्याय शीर्ष 7606 (एल्यूमिनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद) के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर मूल्यानुसार 21% (21 प्रतिशत) की दर से और अध्याय शीर्ष सं. 7607 (एल्यूमिनियम फॉयल) के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर मूल्यानुसार 35% (पैंतीस प्रतिशत) की दर से रक्षोपाय शुल्क की सिफारिश की गई थी। प्रारंभिक परिणामों के अनुपालन में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 23.03.2009 की अधिसूचना संख्या 26/2009-सीमाशुल्क द्वारा अध्याय शीर्ष 7606 (एल्यूमिनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद) के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर मूल्यानुसार 21% (21 प्रतिशत) की दर से और अध्याय शीर्ष सं. 7607 (एल्यूमिनियम फॉयल) के अंतर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर मूल्यानुसार 35% (पैंतीस प्रतिशत) की दर से रक्षोपाय शुल्क लागू किया।

विविध

91. मैसर्स थर्मोटेक्नोलॉजीज द्वारा दिनांक 23.03.2009 की अधिसूचना संख्या 26/2009 को चुनौती देते हुए मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की गई थी जिसमें डी.जी. के प्रारंभिक परिणामों को भी चुनौती दी गई थी क्योंकि यह अधिसूचना दिनांक 02.02.2009 को जारी प्रारंभिक परिणाम के अनुक्रम में है। माननीय न्यायालय ने यह निर्णय लिया कि 'अधिसूचना को चुनौती देना अविचारित कदम प्रतीत होता है।' तथापि आदेश की प्रति प्राप्त होने के तीन सप्ताह के भीतर मैसर्स थर्मोटेक्नोलॉजीज के आवेदन पर विचार करने और अंतिम निर्णय लेने तथा तीन सप्ताह के भीतर भारत सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिनांक 18.04.2009 के आदेश द्वारा जारी किया गया जो रक्षोपाय महानिदेशालय के कार्यालय में दिनांक 18.05.2009 को प्राप्त हुआ।

92. दिनांक 25.5.2009 को मै. थर्मोटेक्नोलॉजीज प्रा. लि. की व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की गई थी और उनके निवेदनों पर विचार किया गया था।

93. दिनांक 23.03.2009 की अधिसूचना सं. 26/2009-सी.शु. के प्रचालन पर रोक लगाने के लिए मद्रास के उच्च न्यायालय के समक्ष मै. एमईसी इंटरनेशनल प्रा. लि. द्वारा एक रिट याचिका दायर की गई। माननीय न्यायालय ने अधिरोपित शुल्क की सीमा तक बैंक गारंटी प्रस्तुत किए जाने पर बी/एल 0279539804 के संबंध में वस्तुओं की संस्वीकृति हेतु अनुमति देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया था।

94. दिनांक 23.03.2009 की अधिसूचना सं. 26/2009-सी.शु. को चुनौती देते हुए बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष भी रिट याचिकाएँ दायर की गई थीं जिन पर अंतरिम राहत प्रदान की गई थी। बहस अभी पूरी नहीं हुई है और न्यायालय ने पाया “जहाँ तक अंतरिम राहतों का संबंध है, अंतरिम राहत हेतु याचना के समर्थन में कोई विशेष दलील नहीं दी गई है।”

निष्कर्ष एवं सिफारिश

95. उपर्युक्त प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर यह देखा जाता है कि अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पादों तथा अल्यूमीनियम फॉयल्स (अल्यूमीनियम उत्पाद (एफआरपी एवं फॉयल्स)) के संवर्धित आयातों के कारण अल्यूमीनियम उत्पाद (एफआरपी एवं फॉयल्स) के घरेलू उद्योग/उत्पादकों के लिए बाजार विकृति उत्पन्न हुई है और उसका खतरा उत्पन्न हो गया है। आपात परिस्थितियों, जिनमें स्लोपाय लागू किए जाने में किसी विलंब से ऐसी क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा, विद्यमान हैं जिनके तहत बाजार विकृति तथा बाजार विकृति के खतरे का अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिन की अवधि के लिए अंतिम स्लोपाय शुल्क तुरंत लागू करना जरूरी है। घरेलू उत्पादकों द्वारा अल्यूमीनियम उत्पादों के उत्पादन की औसत लागत (गोपनीय), लगाई गई पूंजी पर आय, आयात शुल्क के वर्तमान स्तर तथा अल्यूमीनियम उत्पादों की औसत आयात कीमत पर विचार करते हुए अध्याय शीर्ष 7606 (अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद) के अंतर्गत आने वाली समस्त वस्तु पर मूल्यानुसार 21% (इक्कीस प्रतिशत) तथा अध्याय शीर्ष 7607 (अल्यूमीनियम फॉयल्स) के अंतर्गत आने वाली समस्त वस्तु पर मूल्यानुसार 35% (पैंतीस प्रतिशत) की दर से ऐसी वस्तु के आयातों पर विशिष्ट स्लोपाय शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है जिसे घरेलू उद्योग के हित की रक्षा हेतु न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है।

उपर्युक्त जांच परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि भारत में विद्याराधीन उत्पादों के संवर्धित आयातों से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है तथा होने का खतरा है और भारत में विद्याराधीन वस्तु के आयातों पर 4 वर्ष की अवधि के लिए स्लोपाय शुल्क लगाना जनहित में होगा। बाजार विकृति को रोकने के लिए पर्याप्त स्लोपाय शुल्क की राशि का निर्धारण करते समय भारत औसत उत्पादन लागत पर विचार किया गया है। स्लोपाय शुल्क तथा शुल्क के घरणबद्ध उदासीकरण का परिकलन करते समय शुल्कों के वर्तमान स्तर आयात कीमतों तथा घरेलू बाजार में अपेक्षित प्रतिस्पर्धा के उपर्युक्त स्तर पर भी विचार किया गया।

96. उपर्युक्त के आधार पर यह सिफारिश की जाती है कि नीचे विनिर्दिष्ट दरों पर 4 वर्ष की अवधि के लिए भारत में अल्यूमीनियम एफआरपी तथा अल्यूमीनियम फॉयल के आयातों पर स्लोपाय शुल्क लगाया जाए जिसे विद्याराधीन उत्पाद के संवर्धित आयातों से हुई या होने वाली बाजार विकृति से घरेलू उद्योग के हित की रक्षा हेतु न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना गया है।

97. उत्पादों की सूची तथा सिफारिश किए गए स्वीपाय शुल्क निम्नानुसार हैं :

निम्नलिखित को छोड़कर अध्याय शीर्ष 7606 (अल्यूमीनियम फ्लैट रोल्ड उत्पाद) के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद
 क. सीटीएच 7606 के अंतर्गत आने वाले, पीई (पॉलिस्टर) कोटिंग या पीवीडीएफ (फ्लोरीन-कार्बन) कोटिंग वाले कलर कोटेड अल्यूमीनियम कॉयल
 ख. अल्यूमीनियम कम्पोजिट पैनल्स
 ग. अल्यूमीनियम- मैग्नीज-सिलिकॉन आधारित और/या अल्यूमीनियम- मैग्नीशियम-सिलिकॉन आधारित मिश्रधातु, क्लैड या अनक्लैड; 0.05 मि.मी. से 3.00 मि.मी. की मोटाई वाले; 45 एमपीए से अधिक पोस्ट ब्रेजिंग यील्ड स्ट्रेंथ वाले; रेडिएटर्स सहित हीट एक्सचेंजर्स, चार्ज एयरकूलर्स, कंडेन्सर्स, ऑयल कूलर्स, हीटर कोर्स, इवैपोरेटर्स, हीट वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचबीएसी) सिस्टम्स में प्रयोग के लिए टैरिफ शीर्ष 7606 के अंतर्गत आने वाले और उसके पुर्जे ।

एफ. आर. वी.

वर्ष	शुल्क की दर
प्रथम वर्ष	14 % मूल्यानुसार
दूसरा वर्ष	12 % मूल्यानुसार
तीसरा वर्ष	10 % मूल्यानुसार
चौथा वर्ष	8 % मूल्यानुसार

निम्नलिखित को छोड़कर अध्याय शीर्ष 7607 (अल्यूमीनियम फॉयल) के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद

- सीटीएच 7607 के अंतर्गत आने वाले 7 माइक्रोन से कम मोटाई के अल्यूमीनियम फॉयल
- “ बियर बॉटलिंग इकाई में प्रयोग किए जाने वाले, खुरदरी सतह तथा थोड़ी-थोड़ी दूरी पर छेदों वाले 10.5 माइक्रॉन के अल्यूमीनियम फॉयल ”
- सीटीएच 7607 के अंतर्गत आने वाले, पीई (पॉलिस्टर) कोटिंग या पीवीडीएफ (फ्लोरीन-कार्बन) कोटिंग वाले कलर कोटेड अल्यूमीनियम कॉयल
- इलेक्ट्रोलाइटिक कैपेसिटर्स के विनिर्माण में प्रयोग हेतु आशयित सीटीएच 7607 के अंतर्गत आने वाले एक्ड या फॉर्म्ड अल्यूमीनियम फॉयल
- पीआईजीएफ टेलिकॉम कॉपर केबल या ऑप्टिकल फाइबर केबल के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाले सीटीएच 7607 के अंतर्गत आने वाले को-पॉलिमर से कोटेड पॉली अल्यूमीनियम फॉयल
- अल्यूमीनियम- मैग्नीज-सिलिकॉन आधारित और/या अल्यूमीनियम- मैग्नीशियम-

सिलिकॉन आवांरित मिश्रधातु, कसेड या अनकलेड; 0.05 मि.मी. से 3.00 मि.मी. की मोटाई वाले; 45 एमपीए से अधिक पोस्ट ब्रेजिंग यील्ड स्ट्रेंथ वाले; रेडिएटर्स सहित हीट एक्सचेंजर्स, चार्ज एक्स्चेंजर्स, कंडेन्सर्स, ऑयल कुर्सर्स, हीटर कोर्स, इन्वेपोरेटर्स, हीट वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एसीएसी) सिस्टम्स में प्रयोग के लिए टैरिफ सीर्ष 7807 के अंतर्गत आने वाले और उसके पुर्ष ।

वर्ष		शुल्क की दर
प्रथम वर्ष		30% मूल्यानुसार
दूसरा वर्ष		25% मूल्यानुसार
तीसरा वर्ष		20% मूल्यानुसार
चौथा वर्ष		15% मूल्यानुसार

[फा. सं. डी-22011/46/2008]

एस. एस. राजा, महानिदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 2009

Subject : Safeguard Duty investigation against imports of Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foil into India from People's Republic of China—Final Findings.

G.S.R. 369(E)—Having regards to the Customs Tariff Act, 1975 and the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 thereof:

A. Procedure

1. An application was filed before me Under Rule 5 of the Custom Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 by M/s. Aluminium Association of India, 118, 1st Floor, Ramanaashree Arcade, 18, M.G. Road, Bangalore-560 001 and M/s Hindalco Industries Limited, "Century Bhavan", 3rd Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli Mumbai for imposition of Safeguard duty on imports of Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foil into India from People's Republic of China to protect the domestic producers of Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foil against market disruption caused or threatening to be caused by the increased imports from People's Republic of China. Having satisfied that the requirements of Rule 5 were met, the Notice of Initiation of Safeguard investigation concerning imports of Aluminum Flat Rolled Products and Aluminum Foil into India from People's Republic of China was issued under Rule 6 of the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002 on 27th January, 2009 and was published in the Gazette of India Extraordinary on the same day.

2. A copy of the notice was sent to the Government of People's Republic of China through their embassies in New Delhi. A copy of initiation notice was also sent to all known interested parties listed below :

Domestic Producers (Aluminium FRP & Foils)

- M/s Hindalco Industries Limited, "Century Bhavan", 3rd Floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai
- M/s Nalco India Limited, NALCO Bhavan, P/1, Nayapalli, Bhubaneswar-751 013.

- iii. M/s Bharat Aluminium Company Limited, Business Square, "C" Wing, 2nd Floor, Andheri Kurla Road, Chakala, Andheri (E), Mumbai.
- iv. M/s Ess Dee Aluminium, Ess Dee House, Akurli Road, Kandivali (East), Mumbai-400 101.
- v. M/s. P G Foils, Pipalia Kalan, Rajasthan
- vi. M/s. Raviraj Foils, 702, Safron, 7th Floor, Paschimati, Ahmedabad, Gujarat-380 006.
- vii. India Foils, 1, Sagore Dutta Ghat Road, Kamarhati, Kolkata, West Bengal-700 058,
- viii. M/s. AMCO India Ltd., C-53-54 Sector-57, Phase III, Noida, Uttar Pradesh-201301.
- ix. M/s Manaksia Ltd., 8/1, Lalbazar Street, Kolkata - 700 001
- x. M/s. Paragon Industries Ltd., Khannu No :168-171, Raipur Bhagwanpur, Roorkee-247667, Uttarakhand
- xi. M/s Marudhar Industries, 611 GIDC Phase-IV, Ahmedabad- 382445
- xii. Jindal Aluminium Foils, Plot No 443 / 442, GIDC Waghodia, Dist. Vadodara - 391760, Gujarat

Importers

(a) Aluminum Foil

- i. Ess Dee Aluminium Ltd., Plot No. 124-133, Panchal Udyog Naga Bhimpore, Daman
- ii. Jil Pack 8 Purnima, 2nd Flr., Mahatma Gandhi Rd., Mulund (West), Mumbai, M.S.
- iii. Positive Packaging Industries Limited Divn., Positive Packaging Dta, Vill. Ransai, Survey No.51&53
- iv. R.S.Foils Pvt Ltd., Shed No. 3 & 4, 181/A, Ranoli -Ipcl Road, Near Cargo Motors, Village - Vadoda
- v. Umiya Flexifoam Pvt. Ltd., 40/A, Panchratna Inds. Estate, At Changodar, Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad
- vi. Nipra Industries Pvt. Ltd., 34 & 44/126, Amli Village, Opp. 66 Kva Station, Silvassa, Dadra & N
- vii. Ansa Printpack Pvt. Ltd., 30, Keshavnagar Khadye Marg, Byculla West, Mumbai, Maharashtra 400011
- viii. Bhavani Seals Pvt. Ltd., R-308, Ttc, Midc Area, Rabale, Navi Mumbai, Maharashtra
- ix. Tetra Pak India Pvt Limited, Village Tahave Budruk, Tal: Maval, Dist Pune 412106
- x. Oriental Containers Limited, Plot No. A1, Midc, Marbad, Dist. Thane.
- xi. Parekh Aluminex Ltd., 601auto Commerces House, Kennedy Bridge, Nana Chowk, Mumbai, Maharashtra
- xii. Nagreeka Foils Ltd., 258/3, Near Telephone Exchange, Union Territory Of Dadra & Nagar Haveli
- xiii. Amco India Ltd, C-53-54, Sector 57, Phase III, Noida 201 301

xiv. Eurobond Industries Pvt. Ltd., Epip Kartholi Bari Brahmana, Jammu

(b) Aluminium Flat Rolled Products

- i. Manaksia Ltd. (Formerly Hindustan Seals Ltd.), Bikaner Building, 8/1, Lalbazar Street, 3rd Floor, Kolkata 700 001.
- ii. Tata Toyo Radiator Ltd., Survey No. 235/245, Village Hinjewadi, Tal. Mulshi Dist., Pune, Maharasht.
- iii. Alcan Composites India Pvt. Ltd., Unit 321, Building 3, 2nd Floor, Solitaire Corporate Park, Mumbai 400 093.
- iv. Alstrong Enterprises, 95, Khirki Village, Malviya Nagar, New Delhi-110017.
- v. V.L. Estates Pvt. Ltd., 204, Neelgiri Apartments, Barakamba Road, New Delhi - 110 001, (India).
- vi. Bhaiya Fibres Ltd., Aludecor Lamination (P) Ltd., 209, Kapadia Chambers, 599, Jss Road, Marine Lines (E),
- vii. Mumbai -400002.
- viii. Lallubhai Amichand Limited, 48/50, Kansara Chawl, Kalbadevi Road, Bombay 400 002, Maharashtra, India.
- ix. Sterlite Technologies Ltd., Survey No.209, Phase 2, Piparia Industrial Estate, Silvassa - 394240, Haveli, India.
- x. Durabuild Technologies Pvt. Ltd., 76/79, Makwana Lane, Takpada, Marol, Off Andheri Kurla Road, Andheri East, Mumbai 400 059.
- xi. Alupan Composite Panels Pvt. Ltd., Flat No. 7-D, 7th Flr., Hansalaya Bldg., 15, Barakhamba Rd., Connaught Place,
- xii. New Delhi, 110001.
- xiii. GEI Industrial Systems Ltd., 26/A, Industrial Area, Govindpura, Bhopal, M.P.
- xiv. Banco Products (India) Limited, Bil, Near Bhaili Railway Station, Padra Road, District Baroda - 391 410, Gujarat.
- xv. Glazetech Alupanel Pvt. Ltd., 103, Riddhi Siddhi Complex, Ahinsa Circle, C-Scheme., Jaipur

Exporters

(a) Aluminium Foil

- i. Dingsheng Aluminium Industrial Co., Ltd. Jingkou science&tech industrial area, Jingkou Zone, Zhenjiang, Jiangsu, China PR
- ii. Xiashun Aluminium Foil Co., Ltd., No. 388, Qingyang Yangguan Road, Haicang, Xiamen, Fujian, China PR.
- iii. Jiangsu aicha aluminium co., ltd., West Baimao of Guli country, Changshu city, Jiangsu province, China PR

- iv. Hebei North China Aluminium Co. Ltd., City ZhuoZhou, Hebei, China PR. Post Code: 072750

(b) Aluminium Flat Rolled Products

- i. Alcan Composites Ltd. , Shanghai 298 East Kangqiao Road , 201319 Pudon G Shanghai, China.
- ii. Sapa Heat Transfer (Shanghai) Ltd, No.1111, Jintang Road, Shangha I, China PR.
- iii. Shanghai Wangxun New Material Co., Ltd., No.1299, Ping An Rd, (So Uth Of Yuanjiang Industrial Zone, 2 China PR.
- iv. Hangzhou Huangshun Industrial Corp. 9/F, Qiushi Building, 6 Jiaogong Road, Hangzhou China.
- v. Wuxi Quantong Cable Material Co.Ltd, Nanhu Zhonglu Binhu Town, Binhu District , Wuxi Jiangsu China.
- vi. Zhenjiang Dingsheng Aluminium Industries Corp., Jingkou Science And Tech.Industrl. Area, Zhenziang C China.
- vii. Xiamen C And D Inc, 17th Floor Seaside Bldg Xiamen , China.
- viii. Shanghai Grace Trading Co.Ltd., No.148, Hangtuo Road, Hangtuo Town, Nanhui District, Shanghai, China.
- ix. Donge Blue Sky And Seven Color, daqiao tawn,donge countfy, liaocheng ,Shandong, China,252218
- x. Changzhou Lidao Metallic Material, South New Jichang Road, Xinzha Town, Zhonglou, Changzhou, Jiangsu, China 213000
- xi. Wuxi Yingbang Nternational Trading Co.,Ltd, No.100 Erquan East Road, Ding Ting, China.
- xii. Shandong Fuhai Industrial Co., Ltd., No.18 Renhe Street, Yantai, P.R.Of China.
- xiii. Hefei Foreign Investment And Trade Service Co Ltd , 9f Hefei Building No.83 , Huayuan , China.
- xiv. Foshan Yinglu Trading Co.,Ltd., Lianshi Guangdong, China 528000
- xv. North China Aluminium Co Ltd, Zhuozhou , Hebei , China.
- xvi. M/S.Dodo Aluminium (Suzhou) Co., Lt D., Dayi Industrial Zone, Chang Shu City, Iangs Province, 215557, China.
- xvii. CNBM International Corporation., 5/F Longbo Building, 3 South Lishi, Beijing, China (mainland) 100037

3. Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers and importers and exporters and they were asked to submit their response within 30 days.

4. Request to consider them as interested parties were received from the following parties and all the requests were accepted. Further, requests for an extension of time to submit their replies were made by a number of interested parties, and after taking into account the time limits for completing the investigation within the prescribed period, requests for extension of time were allowed in all cases and the parties concerned were accordingly informed.
5. After expeditious conduct of investigation preliminary findings were issued on 2nd February 2009. The provisional duties were levied on 23-03-2009 vide notification no.26/2009 - Customs, dated, 23-03-2009 at the rate of 21 per cent. *ad valorem* on all goods falling under heading 7606 (Aluminium Flat Rolled Products) of the First Schedule to the said Act, when imported into India from People's Republic of China; and at the rate of 35 per cent. *ad valorem* on all goods falling under heading 7607 (Aluminium Foil) of the First Schedule to the said Act, when imported into India from People's Republic of China.
6. A public hearing was held on 30th March 2009, notice for which was sent on 26th February, 2009. All interested parties who participated in the public hearing were requested to file a written submission of the views presented orally in terms of sub rule (6) of rule 6 of the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard duty) Rules, 1997. Copy of written submission filed by one interested party was made available to all the other interested parties. Interested parties were also given an opportunity to file rejoinder, if any, to the written submissions of other interested parties. All the views expressed by the interested parties either in the written submissions or in the rejoinders were examined and have been taken into account in making appropriate determination.
7. The information presented by domestic producers with regard to their production, sales, costs and prices, profits, and other injury parameters were verified by on-site visits to the plants of the domestic producers to the extent considered necessary. Further, the cost data has been also verified and certified by independent cost accountant. The non confidential version of verification report is kept in the public file.

B. Views of domestic producers in India

8. The domestic producers have stated as follows:
 - i. Imports of the products under consideration have increased from People's Republic of China over the years;

- ii. Imports from People's Republic of China have increased in relation to Indian production in absolute terms as well as in relative terms;
- iii. Imports from People's Republic of China have increased in relation to consumption in India;
- iv. While market share of China has increased, that of the domestic industry has declined;
- v. Whereas the market share of the Indian Producers as a whole has declined, that of imports from China has increased.
- vi. Given significant price difference between the imports and the domestic products, there is strong likelihood of further importation;
- vii. Sales of the domestic industry have declined in absolute terms;
- viii. Growth in domestic demand is being captured by Chinese imports.
- ix. Domestic Industry is facing significant idling of production capacities in both the products under consideration as a result of increased imports. There is decline in production and consequently decline in capacity utilization in current year due to significant increase in the import from China in both the products. Further, whereas the market share of China increased, that of domestic industry declined in a situation where the domestic industry was having unutilized capacities. The domestic industry is now resorting to production cuts and the increased imports are leading to market disruption in both the products under consideration.
- x. Increased imports are leading to under utilization of the installed capacity resulting into loss of employment.
- xi. There is significant rise in inventory.
- xii. They have submitted import data, data relating to economic parameters, cost data duly certified by cost accountant to justify their claims.

C. VIEWS OF THE GOVERNMENT OF CHINA AND EXPORTERS

C.1. Views of the Government of China

9. The Government of China through his consultant has contended that before proceeding to initiate an investigation, consultations should have been held in terms of Article 16.1 of CAP. The arguments given is reproduced below;

"This is an investigation for imposing Transitional Product-Specific Safeguard Measures (TPSSM) as contemplated under Article 16 of China's Accession Protocol to WTO (CAP). Article 16.1 of CAP states as follows:

16. Transitional Product-Specific Safeguard Mechanism

1. In cases where products of Chinese origin are being imported into the territory of any WTO Member in such increased quantities or under such conditions as to cause or threaten to cause market disruption to the domestic producers of like or directly competitive products, the WTO Member so

affected may request consultations with China with a view to seeking a mutually satisfactory solution, including whether the affected WTO Member should pursue application of a measure under the Agreement on Safeguards. Any such request shall be notified immediately to the Committee on Safeguards."

10. However, GOC regrets to note that the Investigating Authority failed to provide such consultation opportunity before the initiation of the investigation. From the time prior to the initiation of investigation till date (even after the approval of preliminary findings), no communication has been received by GOC through proper channels. In the opinion of GOC, this runs not only against the basic principles of WTO but also runs counter to the obligations to be assumed by the Investigating Authority. Consequently, because this has seriously deprived the rights of GOC, GOC cannot accept how the Investigating Authority is acting.
11. The words '*seeking mutually satisfactory solution, including whether the affected WTO Member should pursue application of a measure under the Agreement on Safeguards*' appearing in Article 16.1 of CAP clearly imply the following:
 - i. In the circumstances specified in the first leg of the first sentence of Article 16.1, WTO member so affected shall seek consultations with China. The objective of such consultations is to seek a mutually satisfactory solution.
 - ii. It may be possible to pursue several options while seeking a mutually satisfactory solution in the facts and circumstances of a particular case. One of such pursuits is the application of a measure under the Agreement on Safeguards (hereinafter "Agreement on Safeguards"). The phrase 'pursue application of a measure under the Agreement on Safeguards' means that as a part of the consultations, one may look at the application of safeguard measures under the Agreement on Safeguards. If in the course of the consultation process one decides to pursue the application of a safeguard measure under Agreement on Safeguards, then, the question of applying TPSSM does not arise. Therefore, before deciding what option one should pursue, i.e., TPSSM or Safeguard Measure under Agreement on Safeguards, consultations with China are required to be held.
 - iii. If one decides to 'pursue' application of a measure under Agreement on Safeguards, they would follow the procedures laid down in Agreement on Safeguards. If one decides to follow TPSSM route, then the provisions of Article 16 of CAP shall be followed.
 - iv. With regard to provisional measures, the affected WTO Member shall make a preliminary determination in terms of Article 16.7 (first sentence) and the notification of the provisional measures and consultations on the provisional measures shall be effected immediately thereafter (Article 16.7

second sentence). While Article 12.4 of Agreement on Safeguards provides for notification before taking a provisional measure and consultation to follow after imposition of provisional measures, Article 16.7 of CAP provides that both notification and consultation shall follow the imposition of provisional measures.

- v. First, consultations as required under Article 16.1 shall be held. Pursuant to such consultations or in spite of such consultations, if a WTO Member decides to pursue TPSSM, then, he will initiate the investigation for applying a TPSSM. Thereafter, if critical circumstances are present, provisional measures can be imposed without any notification under Article 16.7. A subsequent consultation may be held under Article 16.7.
- vi. It is not appropriate to first impose provisional measures referred to in Article 16.7 and then hold a consultation (under Article 16.1) to choose between 'TPSSM' and a 'Measure under Agreement on Safeguards'. If provisional measures have already been imposed and in the consultations under Article 16.1, the Investigating Authority finds that a 'measure under Agreement on Safeguards' is more appropriate, then, the imposition of provisional measures under TPSSM is not warranted at all. Thus, the consultations under Article 16.1 have to be held first and consultations if any as may be required under Article 16.7 shall follow at the appropriate time during the course of the investigation for a TPSSM. Under no circumstances can consultations under Article 16.7 precede the consultations under Article 16.1.
- vii. This is the only feasible interpretation of Article 16.1 of CAP. Otherwise, the phrase, "including whether the affected WTO Member should pursue application of a measure under the Agreement on Safeguards" appearing in Article 16.1 of CAP would be rendered redundant.
- viii. In this particular case, India did not seek consultations with China under Article 16.1 of CAP. As a WTO Member, the basic WTO principles to be adhered to and the obligations to be assumed shall not be ignored or reduced by any means when conducting an investigation. Since no opportunity of consultation under Article 16.1 of CAP has been provided to GOC, the TPSSM investigation shall be terminated immediately."

12. Petition is ill conceived as it targets too broad a scope of the product and does not provide reliable import statistics in support of increased imports.

13. The petition did not show any rapid increase in imports. It did not also show any evidence of market disruption – serious injury or threat of serious injury. When both these elements are missing, obviously, causal link becomes irrelevant.
14. The demand has been going down. In the light of declining domestic demand, it is not shown as to how the marginal increases in the imports from China PR caused injury to the domestic industry.
15. Indian domestic industry does not produce foils suitable for flexible packaging uses. The users need foils with the following two characteristics:
 - i. Foils having a thickness less than 7 microns;
 - ii. Foils having a width exceeding 975 mm irrespective of thickness;
16. Preliminary findings state that in arriving at the duty rate, 'average cost of production of AL product + a reasonable return on capital employed' was compared with the 'average import price + import duties'. In light of this statement, it is of crucial importance to know how the cost of production for the domestic industry was arrived at. The petition is silent about the cost of production. Regarding costing information, no non-confidential version of the same has been made available to us.
17. It is well known that globally, AL industry fixes the prices based on the following formula: "LME prices of RM + conversion/fabrication cost". It is also well known that conversion/fabrication cost is almost uniform around the globe. Hindalco is an integrated producer. His cost should be lower than others. It is not known how they presented a significantly higher cost during October/December 2008. Perhaps, they made some accounting gimmicks. It is apprehended that the following might have taken place:
 - a) Firstly, they might have replaced the actual cost of AL ingots with the domestic selling prices of AL ingots or market value or realisable value of AL ingots. If they had not used their costs, costing information shall be revised downwards.
 - b) Secondly, they might have replaced the actual cost of making AL FRPs with that of selling prices of FRPs or market value or realisable value of FRPs.
 - c) Thirdly, since their losses are during October/December 2008, it may be because of stock writing off.

C.2. Views of SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited

18. SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited has developed, using the special R & D facility at Sweden as well as in China, aluminium alloy flat rolled products which are clad on both sides with certain alloys.
19. This clad aluminium alloy flat-rolled products have special characteristics in terms of yield strength, ultimate strength (Npa) Elongation etc.
20. The list of SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited products having the above characteristic is also provided.
21. These products are not ordinary aluminum flat rolled but these are meant for specialized application in the manufacture of heat exchangers which are used in Automobiles and in Heat ventilation and Air-conditioning systems where efficient, environment friendly and prolonged heat transfer is a pre-requisite. These products are used by some of the leading Indian importers who are not at all able to access "like articles" or the products of identical specification from the domestic industry. Incidentally some of these products exported by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited are patented. The use of these imported clad aluminium alloy flat rolled products by these Indian importers has manifested in the production and supply of high quality products with impeccable efficiency locally by the Indian Automobile and HVAC sectors and thus the level of consumer satisfaction index is very high consistent with international standards.
22. The products which are manufactured and exported by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited to India offer the following characteristics.

High conductivity = efficient heat transfer

Low weight = contributes to energy saving

Easy to form and weld or braze = efficient manufacturing

Easy to recycle = environmental friendly.

23. Further, specialized aluminium alloy strips are manufactured by SHTS for meeting the exact requirements of particular clients. Some instances of such specific products being made available to Indian customers are as under

Alloy	Temper	Yield strength	Ultimate	Elongation	%Yield	Ultimate
Grade		before brazing	strength brazing	before	strength after brazing	strength after brazing
FA82A4	H14	Min 125Mpa	145-185Mpa	Min1	40Mpa	110Mpa

(Indian Product)						
FABEA4	H14	Min125Mpa	145~185Mpa	Min1	45Mpa	140Mpa
(SHTS Product supplied to Tata Toyo Radiators Limited)						
FABHA4	H24	Min150Mpa	185~235Mpa	Min8	55Mpa	145Mpa
(Supplied to Banco Products (India) Limited)						
FABU**	H24	Min 140	150-205Mpa	Min8	50Mpa	140Mpa
(supplied to Behr India Limited)						
FAB1J4	H24	Min150Mpa	180~210Mpa	Min8	60Mpa	160Mpa
(supplied to Banco Products (India) Limited)						

24. The Indian importers have also confirmed to us that they are not able to procure or to access the products that have been supplied by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited from any of the domestic manufacturers and in this sense these products exported by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited are unique and do not cause any "market disruption" or threat of market disruption which is contemplated by the Customs Tariff (Transitional Product Specific Safeguard duty) Rules 2002 read with section 8 C of Customs Tariff Act, 1975. The same has also been their stated position as detailed in their written submissions filed with you.
25. In view of the above, it is requested that your office may be kind enough to issue an appropriate Notification by which an exemption/exclusion is given to the products (supplied by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited, China). At the risk of repetition, we state that in these products supplied by SAPA Heat Transfer (Shanghai) Limited for which there is no domestic manufacturer to the best of our information, and thus there is

no "threat of market disruption" so as to justify the imposition of transitional products specific safeguard duty.

26. For the purpose of granting the exemption from investigation/imposition of the safeguard duty, we suggest that the following description may appropriately epitomise the products described

"Aluminium-Manganese-Silicon based and/or Aluminium-Magnesium-Silicon based alloys, whether clad or unclad; with thickness between 0.05 mm to 3.00 mm; with post brazing yield strength greater than 45 MPA, falling under tariff heading 7606 or 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof"

D. VIEWS OF IMPORTERS/USERS INDUSTRIES

27. As there are more than hundred interested parties and seventy six persons have attended the public hearing, their submissions in summary form are as follows;

- i. The Directorate General of Safeguards had provided time till 27th Feb.2009 to the interested parties to make their views known. However, without waiting for the last date preliminary findings were issued on 2nd Feb. 2009 recommending strict duty to the detrimental of the entire user industry.
- ii. Grave and irreparable injury and loss would be caused to the entire user industry by not providing opportunity of hearing and considering their views.
- iii. There are too many products that are sought to be investigated in one investigation and hence bad in law. Section 8(c) of the Customs Tariff Act only envisages investigation in respect of "any article" and "not article" therefore common conclusion for such different articles are incorrect.
- iv. Constantia H&N Sjou has informed that they are providing Aluminium bottleneck foil bear levels. The Aluminium foils on which printing is done are produced in China. The thickness of these foils is 10.5 micron which is not produced by either Hindalco or Vedanta.
- v. M/s R.M.Packaging Pvt. Ltd. and other packaging units have contended that they convert bear foil to value added products and sell to mainly Pharmaceutical Industries. From 2005 onwards they have been facing volatile market and large foil manufacturers are making huge profits whenever there is an increase in LME prices. From Jan.2008 till July 2008 the price of foils were increased by about 45

per Kg. in about 6 or 7 installment without any prior notice. This was done due to high LME ruling prices even though Hindalco or Balco do not import metal and their cost of metal remains the same. The increase in prices were to the tune of 28%. The LME prices of Aluminium went up from USD 2400 in Jan.08 to about USD 3200 in July 08 which fell down to USD 1320 in Nov.08. The present foil manufacturers are working in cartel form and not reducing the prices even after reduction in LME prices.

- vi. The LME is ruling at USD 1350 average and the average price of Chinese medium gauge foil of good quality is USD 2550/-. This means that the conversion cost is about Rs.60000/- per ton or Rs 60 per kg which is quite high and hence there is no question of their dumping material on India in the case of foils. USD 1350 means about Rs 66 per kg and the average price of foil being charged by the foil manufacturers is more than Rs 170 for bare foil and Rs 240 for some converted foils. Thus a margin of Rs 120/- per kg is there from ingot to foil and about Rs 175 per kg on converted foils. This is very high margin for foil as per world standards.

Sl. No.	LME Price/Kg in USD	LME in Rupee @ Rs49/USD	Average price of Indonesian suppliers		Avg. Chinese price of foil in USD		Average bare medium gauge foil price of Indian manufacturers
			In INR	In USD	IN INR	IN USD	
1	1,35	66.15	130	2.65	125	2.55	170

Average margin for Indian Manufacturers over LME price	Normal margin required for Foil from Ingot in	Average margin taken by Chinese manufacturers over LME price in INR (Rs)	Average margin of Indonesian suppliers over LME	Extra profit per Kg of Indian Manufacturers at present prices	Expected price of medium gauge foil increase in 35% duty imposed as was	Margin over LME price after safeguard duty
--	---	--	---	---	---	--

	rupees				prevailing in July 2008	
105	55	58.8	63.6	55	200-215	Rs.135- 150

- vii. The Converting industry employs much more people than the foil producing companies. The average employment per company of the large manufacturers is about 150 per factory and there are total of only five large companies and hence the total employment is only about 600-750 persons. Whereas the employment in the foil converting industry is not less than 15000-20000 as there are not less than 1000 converting units in India and on an average about 15-20 people are employed in small companies and about 100-200 in large companies like Paper products, Essel packaging etc. Moreover the pharmaceutical industry employs huge no of persons and trying to save a small industry like foils in India will cripple large industries in many areas and ring the death knell for all SSI's in converting sector.
- viii. Most of the converting industries have put up modern printing and lamination facilities and thus good quality converted foils is available at affordable prices in India and none of the foil producing companies have invested in new machinery in the last ten years. A company like Hindalco imported cheap obsolete foil rolling mills for their Silvassa plant and is unable to give good quality foil at present and hence those factories with modern machines which require good quality foils have to import the same. None of the foil companies have invested in modern rolling mills giving good quality foils have to import the same. None of the foil companies have invested in modern rolling mills giving good quality and high recovery of foil. The manufacturers like India Foils [formerly of Balco under Vedanta group] Hindalco and Ess Dee, Amco, P.G.Foils Ltd have all been running secondhand mills where the recovery percentage is low. Thus their costs are high. They have also enjoyed monopoly status for long like India Foils used to supply Polyal tape to companies like Hindustan Cables Ltd in the 1980's at Rs.130 per kg when the foilstock price was Rs 30/- per kg and they supplies the same polyal tape to Hindustan Cables in 2001-2003 at Rs.125/- per kg when the foils stock price was Rs 100 per kg. The present move of the foil industry which employs only a few hundred people is to move to the days of those

monopolistic prices and this will affect the common man and a large converting industry which not only employs a large work force of over 15 to 25 thousand but also provides huge revenue to the Central Government.

- ix. M/s Hindalco has posted outstanding Q3 FY 2008-2009 results and posted PBIT at Rs.768.6 crore. The net profit has been Rs.544.8 crore which is marginally higher. The net sells and operating revenues of Hindalco has been Rs.5683.2 crore against Rs.4966.9 crore during the quarter ending 30th Sep.2007.
- x. The Indian Tea Association has contended that the Indian Tea Industry widely uses multwall paper sacks for bulk packaging of Tea for export as well as for domestic market. This paper sacks are manufactured in India. These manufacturers use 7 micron thick Aluminium foil having width of 1245 mm and 1445 mm. M/s Hindalco and others do not manufacture such 7 micron foil of 1245 mm and 1445 mm. Indian manufacturers manufacture the product of width less than 1000 mm. The quality of Indian foil is inferior.
- xi. Various Associations of Refrigeration and Aircondition manufacturers Association have contended that heat exchanges are one of the critical such assembly of aircondition and quality of Aluminium is critical for performance of Airconditioners. The CIA prices of such foils has been consistently dependent on Aluminium price at LME. Any hike in Import duty will cause inverted duty structure.
- xii. In the annual report for 2007-08 there is foot note to schedule 20 wherein installed capacity of Silvasa foil plant have been re-assessed at 30,000 ton per annum by Deptt. Of Indian Policy and promotion. Taking the re-assessed capacity, the capacity utilization has been more than 100% during April-Dec.08. Apart from Hindalco there is no other Indian company making any grades of Aluminium foil suitable for AC and R Industry and Hindalco is not able to meet the pick demand.
- xiii. Organisation of Plastics Processors of India has contended that Indian foil converting Industry operates with obsolete machines and technology and the product is of poor quality. The flexible packing manufacture industry has been consistently increasing their facilities with state of Art equipments and machinery which operates high speed lines and produces high quality technologically superior products that caters to domestic as well as export market. The commonly used foil gages are 6.0, 6.35 and 7 micron theickness.

The foil below 7 micron is not manufactured by Hindalco and other Industries. The 7 micron foil manufactured by Hindalco is different in terms of quality than the one imported. The pin hole counts for a 7 micron foil in respect of imported one is only 50 per square meter as against 600 per square meter for domestic supplier. These 7 micron and less than 7 micron foils are used by food and Pharmaceutical products industry which is highly quality sensitive segment. The domestic capability to produce their cage foil is limited to about 500 TPA which is considerably lower than the demand.

- xiv. The safeguard duty on basic raw material will add to the cost and may lead to import of final product. The import price of 7 micron Aluminium foils is Rs.185/- and that of M/s Hindalco Industries Ltd. is Rs.221.6 per Kg.
- xv. M/s Nagrika foils Ltd. has contended that they are engaged in Heat press lamination of Aluminium and Chrome Coated Steel Foils with co-polymers. The end product is used by cable manufacturers. Imposition of Safeguard duty will make them less competitiveness as input prices will go up.
- xvi. M/s B&A multiwall packaging Ltd. has contended that they manufacture multilevel paper bags to preserve quality and freshness of tea particularly for export. The inner barrier of the multiwall paper bags are made out of 6.35 to 7 micron thick Aluminium Foil as a substrate. Internationally accepted standard size of bags for tea packaging call for 1245mm and 1445mm width of Aluminium foil. Such product are not manufactured by Hindalco and others in India. The Indian manufacturers capacity is limited to production of upto 7 micron thick foil of less than 1000 mm width. Therefore, they have no other opinion but to import and thus foil of thickness 7 micron and less than 7 micron should be excluded from the purview.
- xvii. Various packaging units including M/s Green Pack Pvt. Ltd. , M/s Paras Pack and M/s Uma Converter Pvt. Ltd. have contended that the quality of India foil is not good and safeguard duty would adversely affect their business.
- xviii. Petition is ill conceived as it targets too broad a scope of the product and does not provide reliable import statistics in support of increased imports.
- xix. The petition did not show any rapid increase in imports. It did not also show any evidence of market disruption - serious injury or threat of serious injury. When both these elements are missing, obviously, causal link becomes irrelevant.

xx. The demand has been going down. In the light of declining domestic demand, it is not shown as to how the marginal increases in the imports from China PR caused injury to the domestic industry.

xxi. Indian domestic industry does not produce foils suitable for flexible packaging uses. The users need foils with the two characteristics viz. Foils having a thickness less than 7 microns; and Foils having a width exceeding 975 mm irrespective of thickness.

xxii. Preliminary findings state that in arriving at the duty rate, 'average cost of production of AL product + a reasonable return on capital employed' was compared with the 'average import price + import duties'. In light of this statement, it is of crucial importance to know how the cost of production for the domestic industry was arrived at. The petition is silent about the cost of production. Regarding costing information, no non-confidential version of the same has been made available to us.

xxiii. It is well known that globally, AL industry fixes the prices based on the following formula: "LME prices of RM + conversion/fabrication cost". It is also well known that conversion/fabrication cost is almost uniform around the globe. Hindalco is an integrated producer. His cost should be lower than others. It is not known how they presented a significantly higher cost during October/December 2008. Perhaps, they made some accounting gimmicks. It is apprehended that the following might have taken place: Firstly, they might have replaced the actual cost of AL ingots with the domestic selling prices of AL ingots or market value or realizable value of AL ingots. If they had not used their costs, costing information shall be revised downwards. Secondly, they might have replaced the actual cost of making AL FRPs with that of selling prices of FRPs or market value or realizable value of FRPs. Thirdly, since their losses are during October/December 2008, it may be because of stock writing off.

xxiv. The weighted average prices would vary from country to country depending upon the product mix. Kind attention is invited to paragraph 1(B) of Section 5 on page 13 of the application where the Domestic Industry itself admits that that the category of Aluminium Products cannot be considered as a homogenous product. If that is the case, it is far from clear as to how an application with such admitted position can be the basis of an investigation.

xxv. Different sources of import data have been used to build up the case for increased imports. No method of statistical analysis would permit such analysis and comparisons to reach any meaningful conclusions.

- xxvi. No effort has been made to ascertain that the broad description of the product under consideration has resulted into a situation where several products not even manufactured by the complainant Domestic Industry have been included in the purview of investigations.
- xxvii. Initiation has been done despite the fact that the application itself mentions that imports from China have increased “gradually” whereas the precondition of Section 8C is that the imports should have increased “rapidly”.
- xxviii. No reason is available in the public file as to why the Chinese raw data has to be kept confidential.
- xxix. Since the data for other countries has been procured from sources other than the China Customs then the same sources could have been relied upon in case of exports coming into India. Unfortunately, the domestic producers have concealed such pertinent facts in their application and the DG (Safeguards) has also not carried out the tests of adequacy and accuracy as envisaged under Rule 5 making the entire investigation *ab initio* void. We are of the considered view that if all the relevant facts had been taken into consideration, it would not have resulted in the initiation of the investigations or the impugned preliminary findings.
- xxx. The producers of Aluminium Composite Panels (ACP) use colour coated coils of two types. These are referred to as (a) Aluminium Coil (Top) and (b) Aluminium Coil (Bottom). The technical specifications of such coils are attached as Annex 3. The Top Coil is coated with PVDF while the Bottom Coil is coated with polyester. To the best of our information, both the coils are not manufactured by the complaining Domestic Industry at whose behest the entire investigation has been initiated. It is also submitted that at no stage of the hearing, the Domestic Industry contested the above facts that they are not producing or supplying the said coils. The reference to the WTO Panel decisions and the EC decision, as stated earlier, is totally misplaced as the issue here is not about how wide or narrow the “product under consideration” can be. The quintessential issue is whether the Applicant is the Domestic Industry for the products not manufactured by them. It may be appreciated that no effect of increased imports can ever be felt on the Domestic Industry for products not even manufactured by them. Therefore, it is the consistent practice of the Designated Authority for Anti-dumping as well as the other authorities in the world for anti-dumping as well as safeguard to specifically exclude products not manufactured or offered by the Domestic Industry.

E. EXAMINATION AND FINDINGS

- 28. I have carefully gone through the case records and the replies filed by the domestic producers, users/importers, exporters and exporting government. Submissions made by the various parties and the issues arising therefrom are dealt with at appropriate places in the findings below.

F. Domestic Industry: Product Under Investigation and like or directly competitive article:

29. The sub-section 1 of section 8C which reads as follows:

"Notwithstanding anything contained in Section 8B, if the Central Government, after conducting such enquiry as it deems fit, is satisfied that any article is imported into India, from the People's Republic of China, in such increased quantities and under such conditions as to cause or threatening to cause market disruption to domestic industry, then, it may, by notification in the Official Gazette, impose a safeguard duty on that article.

Provided that the Central Government may, by notification in the official gazette, exempt such quantity of any articles as it may specify in the notification, when imported from People's Republic of China into India, from payment of the whole or part of the Safeguard duty leviable thereon."

30. The said sub section empowers the Central Government to impose Transitional Product Specific Safeguard Duty on import from People's Republic of China. The section provides for Imposition of Safeguard duty on any article which is imported into India from People's Republic of China in such increased quantity and under such condition so as to cause or threatening to cause market disruption to domestic industries.

31. The "domestic industry" has been defined in sub-section 7 of section 8C of Customs Tariff Act, 1975 as;

a) "domestic industry" means the producers-

- i. as a whole of a like article or a directly competitive article; or
- ii. whose collective output of a like article or a directly competitive article to India constitutes a major share of the total produced of the total production of the said article in India.

32. Some of the Interested parties have contended that the use of the word "any article" in the statute implies that each and every article has to be investigated separately. In this respect a case of provisional safeguard measure against import of certain steel product by European Union through commission regulation (EC) no.560/2002 of 27/3/02 is referred. In this case European Union had made 21 product groups of various steel products of wide range.

33. Each product group consisted of many tariff sub-headings. Further, each tariff sub-heading may contain a number of articles with different physical or chemical characters. Similar, methodology of investigation has been adopted by China as seen from the initiation of investigation dated 20/05/2002 whereby a group of articles have been investigated together.
34. It may not be out of context to refer section 13 of the General Clauses Act, 1897, reproduced below;
- S.13 Gender and number- In all Central Acts and Regulations, unless there is any thing repugnant in the subject or context –*
- (1) words importing the masculine gender shall be taken to include females; and
- (2) words in the singular shall include the plural, and vice versa.
35. From the General Clauses Act, 1897 it is evident that the use of singular word 'article' in the Customs Tariff Act 1975 does not preclude 'articles'.
36. The Hon'ble Supreme court in the matter of Collector of Customs vs M/s United Electrical Industries Ltd [AIR 1999 SC 3796](Civil Appeal No. 10195 of 1983) has taken similar view. The relevant part is reproduced below;
- "We find the Tribunal gave good reasons for rejecting the interpretation given by the department. Having considered the submissions for the parties we find in our interpretation given by the department is to be accepted, no assessee could get exemption unless all the machines are imported as one composite machine reference of each separate machines with ('') would have no meaning. This will make this notification unworkable, hence Tribunal rightly rejected Revenue interpretation. The notification has to be interpreted to give true import and meaning, not to make it purposeless and nugatory. It is well settled which is also provided in S. 13 of the General Clauses Act, 1897 of Central Acts that unless there is anything repugnant to the subject or context the word singular shall include plural and vice versa. The Tribunal interpreted the word 'machine' to be 'machines' and, in our opinion, rightly so. It seems by the restrictive interpretation the very purpose of this notification since completely diluted which led into clarification/ modification by the Government through the aforesaid letter."*
37. Therefore, the contention of the interested parties that each and every article should be investigated separately is not tenable on the ground that the same is not a practical proposition and it is well accepted methodology to consider a group of products together as a product basket for the purpose of analysis of various economic parameters.
38. Some of the interested parties have contended that grave errors have been caused by the use of word 'market disruption and threat of market disruption' when the law requires

'market disruption or threat of market disruption'. The argument taken by the interested parties have been that 'market disruption' and 'threat of market disruption' is mutually exclusive event. The contention of the interested party is not tenable as once 'market disruption' has taken place, does not mean no further 'market disruption' can take place. It is also possible that 'market disruption' takes place and also there is 'threat of market disruption' in immediate future. The 'market disruption' can be of varying degrees and thus in the instant case 'market disruption' has taken place and the evidences show existence of 'threat of market disruption' too. As far as semantics of the word 'or' and interpretation of statute is concerned, the order of Hon'ble Supreme Court in the matter of J. Jayalalitha Vs. Union of India and other is being referred, which clearly rules that the word "or", which is a conjunction, is normally used for the purpose of joining alternatives and also to join rephrasing of the same thing but at times to means "and" also.. The relevant part of the order is reproduced below;

'The dictionary meaning of the word "or" is "a particle used to connect words, phrases, or classes representing alternatives". The word "or", which is a conjunction, is normally used for the purpose of joining alternatives and also to join rephrasing of the same thing but at times to means "and" also. Alternatives need not always be mutually exclusive. Moreover, the word "or" does not stand in isolation and, therefore, it will not be proper to ascribe to it the meaning which is not consistent with the context of Section 3. It is a matter of common knowledge that the word "or" is at times used to join terms when either one or the other or both are indicated. Section 3 is an empowering section and depending upon the necessity the Government has to appoint Special Judges for an area or areas or case or group of cases. Even in the same area where a Special Judge has already been appointed, a necessity may arise for appointing one more Special Judge for dealing with a particular case or group of cases because of some special features of that case or cases or for some other special reasons. There is no good reason to restrict the power of the government in this behalf by giving a restricted meaning to the word "or". The word "or" as used in section 3 would mean that the Government has the power to do either or both the things. (Para 9)'

39. Various interested parties have also contended that certain articles, even though fall in the tariff sub-heading where safeguard duty has already been imposed, are not manufactured in India or certain products even if manufactured in India are not manufactured by Hindalco which has been termed as "domestic industry" in the notice of initiation and preliminary findings. It has also been contended that such articles are neither like nor directly competitive.

40. The applicants through their consultant opposed the contention of the interested parties on the ground that the competitive relationship extends as well to potential competition and further process per se does not come in the way of treating an article "like or directly competitive". They also referred Report of the Appellate Body in the case of United States- Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan [WT/DS192/AB/R] , Korea- Taxes on Alcoholic Beverages [WT/DS75/AB/R, WT/DS84/AB/R 18 Jan 1999] and Definitive Anti-dumping duty by European Union on imports of Polyethylene Terephthalate Film [Council Regulation (EC) No. 1676/2001]

41. In order to analyse the relevance of the referred reports and findings, the relevant parts are reproduced below

United States- Transitional Safeguard Measure on Combed Cotton Yarn from Pakistan [WT/DS192/AB/R]

84. *The United States appeals this finding of the Panel. The United States submits that Article 6.2 permits a definition of the domestic industry on the basis of products that are not only like but also directly competitive with the imported product. According to the United States, yarn sold on the merchant market and yarn produced by vertically integrated fabric producers for their own internal consumption are like, but they are not directly competitive with each other. The United States argues that, by rejecting its definition of the domestic industry, the Panel failed to give full meaning and effect to the term "and/or" in Article 6.2 and reduced the word "and" to inutility. The United States also argues that the Panel should have interpreted the definition of the domestic industry within the four corners of the ATC without having recourse to the wider context of other agreements of the WTO containing a definition of the domestic industry.*

85. *We begin our analysis of this issue with the definition of the domestic industry as stated in the relevant part of Article 6.2 of the ATC, which provides:*

Safeguard action may be taken under this Article when, on the basis of a determination by a Member, it is demonstrated that a particular product is being imported into its territory in such increased quantities as to cause serious damage, or actual threat thereof, to the domestic industry producing like and/or directly competitive products. (footnote omitted, emphasis added)

86. *A plain reading of the phrase "domestic industry producing like and/or directly competitive products" shows clearly that the terms "like" and "directly competitive" are characteristics attached to the domestic products that are to be compared with the imported product. We are, therefore, of the view that the definition of the domestic industry must be product-oriented and not producer-oriented, and that the definition must be based on the products¹ produced by the domestic industry which are to be compared with the imported product in terms of their being like or directly competitive.²*
87. *We also consider that the term "producing" in Article 6.2 means producing for commercial purposes and that it cannot be interpreted, in itself, to be limited to or qualified as producing for sale on the merchant or any other segment of the market. The definition of the domestic industry, in terms of Article 6.2, is determined by what the industry produces, that is, like and/or directly competitive products. In our view, the term "producing", in itself, cannot be given a different or a qualified meaning on the basis of what a domestic producer chooses to do with its product.*
88. *We now turn to the next two components of the definition of the domestic industry under Article 6.2 of the ATC, namely, like products and directly competitive products.*
89. *We note that there is no disagreement between the participants³ that yarn imported from Pakistan and yarn produced by the producers of the United States, regardless of whether they are vertically integrated fabric producers or independent yarn producers, are like products. The United States has made it clear in its arguments⁴ that its exclusion of yarn produced by vertically integrated fabric producers from the definition of the domestic industry was not because they are not producing a like product, but because they are not*

¹In *United States – Lamb Safeguard*, we also found that the *product* defines the scope of the definition of the domestic industry under the *Agreement on Safeguards*. In that case, the "like" product at issue was *lamb meat*. (Appellate Body Report, *supra*, footnote, paras. 84, 86-88 and 95)

²At this stage, we analyze the terms "like" and "directly competitive" in isolation. For the interpretation of the connectors "and/or" in Article 6.2, see, *infra*, paragraph 104.

³Panel Report, para. 7.41.

⁴'United States' appellant's submission, paras. 33 ff.

producing a directly competitive product. It is, therefore, not necessary for us to address the meaning of the term "like products" for the purposes of this appeal.

90. *Before we examine the term "directly competitive" in the specific context of Article 6.2 and the facts of this particular case, we consider it useful to recall our interpretation of this term on previous occasions.*

91. *We have interpreted the term "directly competitive" in Korea – Alcoholic Beverages⁵ and Japan – Taxes on Alcoholic Beverages.⁶ We are cognizant of the fact that these two reports interpreted this term in the context of the Interpretative Note Ad Article III:2 of the GATT 1994. We will refer to this aspect later. The key elements of the interpretation of the term "directly competitive" in our Report in Korea – Alcoholic Beverages are:*

- (a) *The word "competitive" means "characterised by competition". The context of the competitive relationship is necessarily the marketplace, since that is the forum where consumers choose different products that offer alternative ways of satisfying a particular need or taste. As competition in the marketplace is a dynamic and evolving process, the competitive relationship between products is not to be analyzed exclusively by current consumer preferences⁷; the competitive relationship extends as well to potential competition.⁸*
- (b) *According to the ordinary meaning of the term "directly competitive", products are competitive or substitutable when they are interchangeable or if they offer alternative ways of satisfying a particular need or taste.⁹*
- (c) *In the context of Article III:2, second sentence, the qualifying word "directly" in the Ad Article suggests a degree of proximity in the competitive relationship*

⁵ Appellate Body Report, *supra*, footnote, paras. 108-124.

⁶ Appellate Body Report, WT/DS8/AB/R, WT/DS10/AB/R, WT/DS11/AB/R, adopted 1 November 1996, DSR 1996:I, 97, at 117-118.

⁷ *Supra*, footnote, paras. 114-115.

⁸ *Ibid.*, paras. 115 and 117.

⁹ *Supra*, footnote para. 115.

between the domestic and imported products. The word "directly" does not, however, prevent a consideration of both latent and extant demand.¹⁰

- (d) *"Like" products are a subset of directly competitive or substitutable products: all like products are, by definition, directly competitive or substitutable products, whereas not all "directly competitive or substitutable" products are "like".¹¹*

92. *The United States argues that the Panel's over-reliance on our Report in Korea – Alcoholic Beverages is mistaken for two reasons. First, that dispute involved interpretation of a different phrase ("directly competitive or substitutable"), of a different provision and agreement (Article III:2 of the GATT 1994), and in a different factual setting. In particular, the word "substitutable" is not used in juxtaposition with "directly competitive" in Article 6.2 of the ATC. Second, the Appellate Body emphasized, in that case, the importance of the marketplace in judging the competitive relationship between products because that is the forum where consumers choose between different products. According to the United States, a proper reading of the Appellate Body's reasoning reveals that if a domestic product does not enter the marketplace at all, it cannot be regarded as being "directly competitive" with the imported product, even though the two products may admittedly be "like products".*

93. *We are not persuaded by these arguments of the United States with respect to the relevance and interpretation of our Report in Korea – Alcoholic Beverages.*

94. *With respect to the first argument of the United States, a careful reading of our Report in that case would show that we used the terms "directly competitive" and "directly substitutable" without implying any distinction between them in assessing the competitive relationship between products.¹² We do not consider that the mere absence of the word "substitutable" in Article 6.2 of the ATC renders our interpretation of the term "directly*

¹⁰*Ibid.*, para. 116.

¹¹*Ibid.*, para. 118.

¹²*See, ibid.*, paras. 114-116.

competitive" under Article III:2 of the GATT 1994 irrelevant in terms of its contextual significance for the interpretation of that term under Article 6.2 of the ATC.

95. *We now turn to an examination of the term "directly competitive" in the specific context of Article 6.2 of the ATC and the dispute before us. We must bear in mind that Article 6.2 permits a safeguard action to be taken in order to protect a domestic industry from serious damage (or actual threat thereof) caused by a surge in imports, provided the domestic industry is identified as the industry producing "like and/or directly competitive products" in comparison with the imported product. The criteria of "like" and "directly competitive" are characteristics attached to the domestic product in order to ensure that the domestic industry is the appropriate industry in relation to the imported product. The degree of proximity between the imported and domestic products in their competitive relationship is thus critical to underpin the reasonableness of a safeguard action against an imported product.*
96. *According to the ordinary meaning of the term "competitive", two products are in a competitive relationship if they are commercially interchangeable, or if they offer alternative ways of satisfying the same consumer demand in the marketplace. "Competitive" is a characteristic attached to a product and denotes the capacity of a product to compete both in a current or a future situation. The word "competitive" must be distinguished from the words "competing" or "being in actual competition". It has a wider connotation than "actually competing" and includes also the notion of a potential to compete. It is not necessary that two products be competing, or that they be in actual competition with each other, in the marketplace at a given moment in order for those products to be regarded as competitive. Indeed, products which are competitive may not be actually competing with each other in the marketplace at a given moment for a variety of reasons, such as regulatory restrictions or producers' decisions. Thus, a static view is incorrect, for it leads to the same products being regarded as competitive at one moment in time, and not so the next, depending upon whether or not they are in the marketplace.*

97. It is significant that the word "competitive" is qualified by the word "directly", which emphasizes the degree of proximity that must obtain in the competitive relationship between the products under comparison. As noted earlier, a safeguard action under the ATC is permitted in order to protect the domestic industry against competition from an imported product. To ensure that such protection is reasonable, it is expressly provided that the domestic industry must be producing "like" and/or "directly competitive products". Like products are, necessarily, in the highest degree of competitive relationship in the marketplace.¹³ In permitting a safeguard action, the first consideration is, therefore, whether the domestic industry is producing a like product as compared with the imported product in question. If this is so, there can be no doubt as to the reasonableness of the safeguard action against the imported product.

98. When, however, the product produced by the domestic industry is not a "like product" as compared with the imported product, the question arises how close should be the competitive relationship between the imported product and the "unlike" domestic product. It is common knowledge that unlike or dissimilar products compete or can compete in the marketplace to varying degrees, ranging from direct or close competition to remote or indirect competition. The more unlike or dissimilar two products are, the more remote or indirect their competitive relationship will be in the marketplace. The term "competitive" has, therefore, purposely been qualified and limited by the word "directly" to signify the degree of proximity that must obtain in the competitive relationship when the products in question are unlike. Under this definition of "directly", a safeguard action will not extend to protecting a domestic industry that produces unlike products which have only a remote or tenuous competitive relationship with the imported product.

42. Korea- Taxes on Alcoholic Beverages [WT/DS75/AB/R, WT/DS84/AB/R 18 Jan 1999]

114. The term "directly competitive or substitutable" describes a particular type of relationship between two products, one imported and the other domestic. It is evident from the wording of the term that the essence of that relationship is that the products are in competition. This much is clear both from the word "competitive" which means "characterized by competition", and from the word "substitutable" which means "able to be substituted". The context of the competitive relationship is necessarily the marketplace

¹³ Appellate Body Report, *Korea – Alcoholic Beverages*, *supra*, footnote para. 118; Appellate Body Report, *Canada Certain Measures Concerning Periodicals*, WT/DS31/AB/R, adopted 30 July 1997, DSR 1997:I, 449, at 473. In these cases, we stated that "like" products are perfectly substitutable and that "directly competitive" products are characterized by a high, but imperfect, degree of substitutability.

since this is the forum where consumers choose between different products. Competition in the market place is a dynamic, evolving process. Accordingly, the wording of the term "directly competitive or substitutable" implies that the competitive relationship between products is not to be analyzed exclusively by reference to current consumer preferences. In our view, the word "substitutable" indicates that the requisite relationship may exist between products that are not, at a given moment, considered by consumers to be substitutes but which are, nonetheless, capable of being substituted for one another.

115. Thus, according to the ordinary meaning of the term, products are competitive or substitutable when they are interchangeable or if they offer, as the panel noted, "alternative ways of satisfying a particular need or taste." Particularly in a market where there are regulatory barriers to trade or to competition, there may well be latent demand.
116. The words "competitive or substitutable" are qualified in the Ad Article by the term "directly". In the context of Article III:2, second sentence, the word "directly" suggests a degree of proximity in the competitive relationship between domestic and the imported products. The word "directly" does not, however, prevent a panel from considering both latent and extant demand.
117. Our reading of the ordinary meaning of the term "directly competitive or substitutable" is supported by its context as well as its object and purpose. As part of the context, we note that the Ad Article provides that the second sentence of Article III:2 is applicable "only in cases where competition was involved" (emphasis added). According to Korea, the use of the past indicative "was" prevents a panel taking account of "potential" competition. However, in our view, the use of the word "was" does not have any necessary significance in defining the temporal scope of the analysis to be carried out. The Ad Article describes the circumstances in which a hypothetical tax "would be considered to be inconsistent with the provisions of the second sentence". (Emphasis added) The first part of the clause is cast in the conditional mood ("would") and the use of the past indicative simply follows from the use of the word "would". It does not place any limitations on the temporal dimension of the word "competition".
118. The first sentence of Article III:2 also forms part of the context of the term. "Like" products are a subset of directly competitive or substitutable products: all like products are, by definition, directly competitive or substitutable products, whereas not all "directly competitive or substitutable" products are "like". The notion of like products must be construed narrowly but the category of directly competitive or substitutable products is broader. While perfectly substitutable products fall within Article III:2, first sentence, imperfectly substitutable products can be assessed under Article III:2, second sentence.
119. The context of Article III:2, second sentence, also includes Article III:1 of the GATT 1994. As we stated in our Report in Japan – Alcoholic Beverages, Article III:1 informs Article III:2 that internal taxes... should not be applied to imported or domestic products so as to afford protection to domestic production. It is in the light of this principle, which embodies the object and purpose of the whole of Article III, that the term "directly competitive and substitutable" must be read. As we said in Japan – Alcoholic Beverages:

The broad and fundamental purpose of Article III is to avoid protectionism in the application of internal tax and regulatory measures. ... Towards this end, Article III obliges Members of the WTO to provide equality of competitive conditions for imported products in relation to domestic products. Moreover, it is irrelevant that the "trade effects" of the tax differential between imported and domestic products, as reflected in the volumes of imports, are insignificant or even non-existent; Article III protects expectations not of any particular trade volume but rather of the equal competitive relationship between imported and domestic products.

120. In view of the objectives of avoiding protectionism, requiring equality of competitive conditions and protecting expectations of equal competitive relationships, we decline to take a static view of the term "directly competitive or substitutable". The object and purpose of Article III confirms that the scope of the term "directly competitive or substitutable" cannot be limited to situations where consumers already regard products as alternatives. If reliance could be placed only on current instances of substitution, the object and purpose of Article III:2 could be defeated by the protective taxation that the provision aims to prohibit. Past panels have, in fact, acknowledged that consumer behaviour might be influenced, in particular, by protectionist internal taxation. Citing the panel in Japan – Customs Duties, Taxes and Labelling Practices on Imported Wines and Alcoholic Beverages ("1987 Japan – Alcohol"), the panel in Japan – Alcoholic Beverages observed that "a tax system that discriminates against imports has the consequence of creating and even freezing preferences for domestic goods". The panel in Japan – Alcoholic Beverages also stated that "consumer surveys in a country with .. a [protective] tax system would likely understate the degree of potential competitiveness between substitutable products". (emphasis added) Accordingly, in some cases, it may be highly relevant to examine latent demand.

43. Definitive Anti-dumping duty by European Union on Imports of Polyethylene Terephthalate Film [Council Regulation (EC) No. 1676/2001]

- (19) With regard to metallised film, it was found that the addition of one or two layers of metal, such as aluminium, to the base PET film does not markedly alter the basic physical, technical and chemical characteristics of the product. Indeed, the actual composition of metallised film shows little variation from that of base film given that the quantity of metal actually applied to the base PET film is minuscule (typically of the order of 20 grams of aluminium per tonne of film). Moreover, base and metallised PET film are in many applications interchangeable and therefore have the same or a similar use. While it is true that metallised PET film may be intended for particular applications, the fact remains that other standard types of PET film could also be used in a number of those particular applications, for instance in food packaging

applications, showing the existence of a certain degree of competition and interchangeability between the product types. For all of the above reasons metallised film is considered to fall under the definition of the product concerned. It was also found that metallised film based on polyethylene terephthalate is classified under CN code 3920 62 19 and 3920 62 90.

2. Like Product

(23) *PET film produced and sold on the domestic market in India and Korea and PET film exported to the community from India and Korea as well as PET film produced and sold by the Community industry on the Community market were found to have the same physical and technical characteristics and uses. It was therefore concluded that they are a like product within the meaning of the basic Regulation.*

44. From the above referred reports, it is apparent that the definition of the *domestic industry* must be product-oriented and not producer-oriented, and that the definition must be based on the products produced by the *domestic industry* which are to be compared with the imported product in terms of their being like or directly competitive. Further, the 'like products' are sub set of 'directly competitive products'. The word 'competitive' broadly means substitutable and it also includes the product which has potential to compete and not only the product which is competing at present. The word 'directly' indicates the degree of proximity that must obtain in the competitive relationship when the products in question are unlike. Under this definition of "directly", a safeguard action will not extend to protecting a domestic industry that produces unlike products.
45. In the case of 'Pet Resin' referred by the domestic industry the authorities have come to conclusion that the two products, which are not 'like' but have the common uses and thus these meet the criterion of substitutable. Further, physical and chemical characteristics are also found to be similar.
46. Based on the above principle all cases, where exclusion has been requested on the ground of not being 'like or directly competitive' has been examined.
47. For the purpose of safeguard investigation M/s Hindalco Industries Ltd. had been considered as "domestic industry" on the ground that Hindalco manufactures group of articles which are being imported. This fact has been brought out in the notice of initiation as well as in the preliminary findings. Further, the economic parameters of only Hindalco has been considered on the same ground. If there is any article imported which is neither like nor directly competitive to the article manufactured by Hindalco 'Hindalco' does not constitute "domestic industry" as per sub-section 7 of section 8C of Customs Tariff Act, 1975 and the article which is not manufactured by Hindalco remains excluded from the analysis of the economic parameter as economic parameters of only Hindalco has been considered in the notice of initiation as well as preliminary findings. Accordingly, the product under investigation are the products falling under sub heading as mentioned below and the product is like or directly competitive to what is manufactured by Hindalco.

Name of the Products	Customs Tariff Heading
Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foil	76061110, 76061190, 76061200, 76069110, 76069120, 76069190, 76069210, 76069290
Aluminium foil	<u>76071110,</u> <u>76071190,</u> <u>76071910,</u> <u>76071991,</u> <u>76071992,</u> <u>76071993,</u> <u>76071994,</u> <u>76071995,</u> <u>76071999,</u> <u>76072010,</u> <u>76072090</u>

48. In light of the reports mentioned above and the dictionary meaning of competitive and substitutable, following parameters have been considered to arrive at the conclusion whether an article is 'like or directly competitive' or not.

- In case of 'like' article, whether the two articles under comparison are identical or alike in all respects.
- Technical Characteristics
- Interchangeability and uses
- Potential uses
- Marketing Channel
- Price etc.

In order to clarify, it is noted that the conclusion is not that in order to become 'directly competitive' the two products under comparison must be positive in all above mentioned parameters or if there is any one parameter giving positive result the products would become 'directly competitive'. These above parameters, which may not be exhaustive, have been the guiding principle for arriving at the decision on 'directly competitive' products.

Aluminium Foils falling under 7607 and of thickness less than 7 micron:

49. Various interested parties have contended that Aluminium Foils of thickness below 7 micron are not manufactured by Hindalco and any other company in India. M/s India Foil Limited, through his letter dated March 31, 2009 has informed that their Achenbach mill at Kamarhati is capable of producing world class quality of ultra light gauge aluminium foil up to thickness of 6 micron and maximum width of 1480 mm. M/s Hindalco has informed that they do not manufacture aluminium foils of thickness less than 7 micron.
50. As discussed above, in the instant case the 'domestic industry' is Hindalco and economic parameters of only 'Hindalco' has been considered in the investigation, it is immaterial whether India Foil manufactures the product or not.
51. Regarding the question whether the aluminium foil of thickness less than 7 micron is "like or directly competitive" to aluminium foil of thickness more than or equal to 7 micron or not, it is undisputed fact that the two are not identical or alike in all respect and thus not 'like' articles. Further, both the articles use Aluminium as their main input. From the fact that India Foil can manufacture foil only up to 6 micron and Hindalco cannot produce foil below 7 micron with current facility, it can be inferred that the manufacturing process are not identical and the same machine cannot be used to manufacture both the products. Both these products are primarily used in packaging industry, but have different uses and used in manufacture of different kind of packages with different uses. Accordingly, I am of the view that the two are neither competing at present nor the two have potential to compete with each other.

Aluminium Foils falling under 7607 and of thickness of 7 micron:

52. Regarding the question whether the imported aluminium foil of thickness of 7 micron is "like or directly competitive" to aluminium foil of thickness equal to 7 micron produced by Hindalco or not. It has been contended that the imported foils have different width and of different quality as far as number of holes/Sq meter is concerned. It has also been contended that the uses of domestic foil causes more wastage and thus lesser efficiency. In this respect it may be noted that both the articles use Aluminium as their main input. The 7 micron aluminium foil can be used at the place of imported 7 micron. Both these products are primarily used in packaging industry and in trade both these products are known as same name and traded through similar trade channel. These products compete with each other and have potential to compete with each other. On verification it was found that the number of pin holes is 150-250 per Sq meter against claimed quality of 60 pin holes per Sq meter. Accordingly, the two are directly competitive products in spite of possible differences in quality parameter, as the differences in quality parameter are not to the extent that it is not possible for one to substitute the other.

Aluminium Foils falling under 7607 and of thickness above 7 micron:

53. M/s Hindalco has informed that they are manufacturing aluminium foils above 7 micron. Some of the interested parties have requested for exclusion of aluminium foil of 10.5 micron on the ground that such product is not manufactured in India. These foils are specialty foil with grooves and minute holes at regular interval. The manufacturing process of such foil is different as the normal foil has to undergo different process. The ordinary 10.5 micron foil cannot be used at the place of the special foil as the ordinary foil will not stick to bottles. The samples of Hindalco and samples from Interested parties were got collected. On face of it, the two foils are different with different technical characteristics.
54. There is no representation with evidence except the above mentioned in the category of more than 7 micron foil. Accordingly, aluminium foils of thickness above 7 micron except "aluminium foil of 10.5 micron with rough surface and holes at regular intervals to be used by beer bottling unit" is considered as product under investigation.

Aluminium Flat Rolled Products and Foils used in the manufacture of Heat Exchangers:

55. M/s Alkraft Thermotechnologies Pvt. Limited, Tata Toyo and others have contended that that they are in the manufacture of heat exchangers and other cooling systems. These heat exchangers and cooling systems have uses primarily in radiator in vehicles and engines. In order to manufacture such critical components, they import clad and unclad Aluminium alloys in Flat Rolled and Foil form, which are specially designed material with distinct physical characteristics suitable for its specific use. These alloys are not manufactured by anyone except Hindalco and even Hindalco does not manufacture all specification. The specifications manufactured by Hindalco are different and cannot be used at the place of imported specialty alloy. M/s SAPA Heat transfer (Shanghai) Limited, who manufactures such alloys joined investigation as interested party and contended that these products are the result of long research and many of the products are patented. These products are specialized products with unique features and characteristics. They also gave comparison of various characteristics to distinguish between the products manufactured in India and those manufactured by them. The prices of such imported articles are not lower than Indian manufactured items. M/s Alkraft Thermotechnologies were also heard on 25th May, 2009. The technical characteristics, uses, manufacturing process etc was examined in detail.
56. The domestic industry has not provided any proof that the products manufactured by them are like or directly competitive to the imported articles.
57. In light of the above, it is concluded that the product under this category is highly specialized products with pre defined and designed physical and chemical characteristics and hence closer comparison is required. As Hindalco has not named any such product with whom comparison can be made, and thus these articles are not like or directly competitive. In order to define the products for exclusion following name with end use is concerned.
- "Aluminium-Manganese-Silicon based and/or Aluminium-Magnesium-Silicon based alloys, whether clad or unclad; with thickness between 0.05 mm to 3.00 mm; with**

post brazing yield strength greater than 45 MPA, falling under tariff heading 7606 or 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof”

Poly Aluminium Foil Coated with Co-polymer:

58. M/s Wuxi Quantong Cable Material Co Ltd through Kable Solutions and others have contended that the product is made of Aluminium Foil not exceeding thickness of 0.2 mm and Copolymer Plastic Films. These are zero duty items as per IT agreement. The price of local producers is only Rs. 134 per Kg against Rs. 140 per Kg in China. The import caters only 11% of demand of India. On query from M/s Hindalco, they informed that they do not manufacture such products.

Color Coated Coil:

59. The interested parties have contended that Aluminium Color Coated Coils are not manufactured by “Domestic Industry” and thus cannot be covered within the ambit of the product under consideration. These products are different and cannot be considered “directly competitive”. They have also contended that the manufacturing process, manufacturer plant and uses of colour coated Aluminium coil are different from the uncoated Aluminium coil. The coating is a specialty coating. These coating are of two types i.e. PVDF and PE coating coil. The brochure of SEVEN “who deals with colour coated coil” reads the description of PVDF coil and PE coating coil as follows;

“PVDF (Fluorine-carbon) Coating : made of fluorine carbon resin, pigment, ester solvent, after high temperature roasting and baking, the paint is solidified to dry film with super weather resistance. PVDF Coating, with KYNAR500 PVDF, two or three times for coating and baking, has good properties of anti-acid, anti-alkali and is durable in atrocious weather and environment, keeping 15 hours no unwonted fading. In view of these facts, we recommend this panel applied for external wall cladding.

PE (Polyester) Coating : high molecular polymer, as monomer and addition of alkyd, is an UV-resistant coating. It can be classified matt and glossy according to coating gloss. The compact molecule structure, makes paint surface luster and smooth, which assure good printing on the panel surface. With an warranty of 8-10 years for weather resistance, it is specially applied for internal decoration and sign board.”

60. M/s Hindalco Industries Ltd. have opposed the contention of the interested parties and made the following submission;

"Aluminium coated coils are being produced and supplied in India. The Indian aluminium FRP industry supplies bare ACP stock material to the consuming industry. Some of the buyers have captive coating lines and other buyers buy coated ACP materials from the independent coating lines in India. The color coating capacity in India is sub optimally utilized and there is no reason for any buyer in India to import these materials. In fact the Indian industry (including independent coating lines) have enough capacity to supply both bare and coated ACP stock materials. Some companies that have coating lines are

*M/s Aludecor Lamination Private Limited
M/s Durabuild Technologies Private Limited
M/s Glazetech Alupanel Private Limited
M/s Vishnu International*

During the Public hearing in March 09, Aludecor (an ACP manufacturer with coating facility) had supported the safeguard duty on Coated ACP coil. Aludecor is one of the leading players in the ACP industry and like other coating companies in India has significant idle capacity of its coating lines. An important point to mention here is that Aludecor is registered as a manufacturer of color coated aluminium coils.

Presence of independent coating facilities (with significant unutilized capacity) in India supports the Indian aluminium industry that manufacture bare ACP stock. All types of coating requirements can be met by these independent coating lines, i.e. – PVDF, Polyester and others.

The aluminium FRP industry would be adversely impacted if Coated ACP coils are excluded from the final safeguard duty because it will allow the buyers to directly import cheap coated ACP coils from China. This will have a direct adverse impact on the sales of the bare ACP coils sold by the Aluminium FRP industry. In other words, if the coated coils are imported from China it would directly replace the domestic sales of bare ACP coils by the India FRP industry. Therefore, coated and bare ACP coils are directly competitive products and coated ACP coils should not be excluded from the final safeguard duty. Another important point to note is that aluminium constitutes more than 98% weight of the coated ACP coils, clearly indicating that coated ACP coil is nothing but an aluminium product."

61. The fact that M/s Hindalco does not manufacture colour coated coil as referred by the interested parties is not in dispute as M/s Hindalco has never argued that they manufacture such coils. Further, the fact that some of the units in India are manufacturing such coils has also not been disputed by the interested parties as discussed in the above para. Regarding the definition of "domestic industry" it is Hindalco who has been treated as "domestic industry" and the products manufactured by Hindalco only has been

subjected to safeguard investigation by analyzing the economic parameters of the Hindalco. The economic parameters of *M/s Aludecor Lamination Private Limited*, *M/s Durabuild Technologies Private Limited*, *M/s Glazetech Alupanel Private Limited*, *M/s Vishnu International* or any other manufacturer of such coated coil has not been subjected to safeguard investigation as no investigation in respect of the product manufactured by *M/s Aludecor Lamination Private Limited* and others but not manufactured by Hindalco has been initiated. Therefore, the comparison of articles imported with the articles manufactured by Aludecors and others but not by Hindalco contradicts the principles of investigation.

62. *M/s Hindalco* has contended that imported colour coated coil has direct adverse impact on the sales of the bare ACP coils sold by the Aluminium FRP industry. In other words, if the coated coils are imported from China it would directly replace the domestic sales of bare ACP coils by the India FRP industry. In order to analyze the contention of domestic industry and interested parties a comparison have been made between imported colour coated coils and bare Aluminium coils of similar thickness which is manufactured by Hindalco.
63. As admitted by the "domestic industry" the aluminium coils manufactured by Hindalco are used as input in the manufacture of colour coated coil. The process of manufacturing of colour coated coil is quite elaborate and requires separate plant of high investment. The manufacturing process is not a minor process which does not change the physical or chemical characteristics. The coating is done by fluorine carbon (PVDF) or polyester (PE). In case of PVDF coating the aluminium coil is subjected to fluorine carbon resin, pigment, ester solvent, and after high temperature roasting and baking the paint is solidified with dry films with super weather resistance. The process is repeated 2-3 times for coating and baking. The colour coated coil so manufactured has anti-acid and anti-alkali properties. In contrast to that Aluminium coils are active to acid as well to alkali and by virtue of chemical properties of aluminium it reacts with weather conditions. The colour coated coil made of PVDF coating are weather resistance and used for external wall cladding. The PVDF coating coil is used in making aluminium composite panels where one of the layers is the layer of PVDF colour coated coil. The uses of PVDF coated colour coils is different from that of bare coil and bare coil cannot be used on external wall on account of its sensitivity to weather condition. Further, price structure of such coated coils is different and is normally higher on account of extra cost to be incurred in manufacturing.
64. The PE coating colour coil uses high molecular polymer as monomer with addition of alkyd to make UV resistant coating. The compact molecular structure makes paint surface luster and smooth. The PE coating coil has weather resistant properties for 8-10 years. It is specially applied for internal decoration and sign board. In contrast to this aluminium coils are not weather resistant on account of aluminium being chemically active. The physical properties of bare aluminium are different than that of PE coating

coils. The chemical properties of PE coated coil is different than that of bare aluminium coil as certain chemical properties of the aluminium coil are suppressed by PE coatings to make it weather proof. The bare coil cannot substitute the use of PE coils on account of specialty treatment of bare aluminium coil through elaborate process accomplished by a separate high investment plant. Besides this the price structure of such coated coils are different and ordinarily higher on account of extra manufacturing cost incurred in manufacturing such coils.

65. Therefore, the imported PVDF coating coil and PE coating coil of various thickness are not "like or directly competitive" article to the bare aluminium coils manufactured by Hindalco.

66. It has been contended by some of the interested parties that at some places "Aluminium Composite Panels" are being classified under 7606 and thus the same also be excluded. On verification it was found that "Aluminium Composite Panels" are not manufactured by Hindalco. Thus without going into the issue of classification of the same product, the product has not been part of safeguard investigation.

67. Further, letters to all interested parties were sent to inform the technical specification along with samples to take decision on exclusion of products. All replies received have been considered.

68. Taking the principles of severability into account, the articles which are not found to be 'like or directly competitive' article to what is manufactured by Hindalco, has been removed from the scope of products under consideration. These products, which have been excluded from the product scope are;

- a. Aluminium Foil of thickness less than 7 micron falling under CTH 7607
- b. "Aluminium foil of 10.5 micron with rough surface and holes at regular intervals to be used by beer bottling unit"
- c. Colour Coated Aluminium Coil with either PE (Polyester) Coating or PVDF (fluorine-carbon) Coating falling under CTH 7606 or 7607.
- d. Aluminium Composite panels.
- e. Etched or formed Aluminium Foils falling under CTH 7607 meant to be used in the manufacture of Electrolytic capacitors.
- f. Poly Aluminium Foil Coated with Copolymer falling under CTH 7607 to be used in the manufacture of PIJF Telecom Copper Cables or Optical Fiber Cables.
- g. Aluminium-Manganese-Silicon based and/or Aluminium-Magnesium-Silicon based alloys, whether clad or unclad; with thickness between 0.05 mm to 3.00 mm; with post brazing yield strength greater than 45 MPA, falling under tariff heading 7606 or 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air

coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof.

Domestic Industry:

69. The application was filed by M/s. Aluminium Association of India. M/s Hindalco Industries Limited, M/s Nalco India Ltd, and Bharat Aluminium Company. Ltd. are inter-alia the members of the association. The members of association account for production of 97% of Aluminium Flat Rolled Products (FRP) and 98% of Aluminium Foil production. The association is representative of a major proportion of total Community production of the like and/or directly competing products. One of its member companies M/s. Hindalco Industries Limited has provided relevant financial information to file this application. M/s. Hindalco Industries Limited account for production of 71% of Aluminium Flat Rolled Products (FRP) and 56% of total domestic production of Aluminium Foil. Further, no claim has been made by the interested parties against the applicants being the domestic industry. Therefore, it is held that M/s Hindalco constitutes and represent the domestic industry.

G. Increased imports:

70. In the notice of initiation, reliance was placed on imports data as per DGCIS, IBIS. And China Customs data. Some of the interested parties have raised question on use of the data. Accordingly, besides the sources referred, the data as per DGCIS has been used to compare the trend arising out of the use of sources referred in the initiation and preliminary findings. The period has been limited to the last quarter of 2008-09, as the provisional safeguard duty came during the last quarter the period of investigation has been limited to the quarter ending December, 2008. The imports by the product group excluded has also been excluded from the import figures, even though some of the interested parties have informed that there is no increase in the products requested for exclusion. Further, a reasonably long period has been considered to even out the effect of temporary fluctuation and seasonal effects, if any.

Absolute increase in imports:

71. In view of the arguments of the interested parties, the imports of the product were examined. Information available from sources as mentioned in the initiation as well as DGCIS for complete period was considered. These information are as follows:

FIRP

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	9,853	16,155	26,617	22,287
Other Countries	16,193	22,814	21,657	11,639
Total Imports	26,046	38,968	48,274	33,925

Source: China imports as per China customs. Other countries imports up to march-08 is as per DGSI&S and thereafter as per BIS.

FOIL

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	5,537	10,777	23,925	27,534
Other Countries	14,126	13,304	15,465	6,889
Total Imports	20,663	24,082	39,390	34,422

Source: China imports as per China customs. Other countries imports up to march-08 is as per DGSI&S and thereafter as per BIS.

FIRP

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	4,596	8,806	17,065	15,196
Other Countries	16,193	22,814	21,657	14,760
Total Imports	20,789	29,720	38,721	29,956

Source: As per DGSI&S and for the excluded products BIS to get line wise entry.

FOIL

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	4,642	8,897	19,064	22,775
Other Countries	14,126	13,304	15,465	9,876

Total Imports	19,468	22,201	34,529	32,651
---------------	--------	--------	--------	--------

Source:- As per DGCI&S and for the excluded products IBIS to get line wise entry.

There is some difference in the two sources, which may be on account of statistical error. The analysis of the DGCIS data shows that there is an increase in import by 19% in case of FRP and 59% in case of Foils. The trend of increasing import has also been since 2006-07. In quantitative terms the increase in imports is 266MT per month in case of FRP and 941 MT per month in case of Foil, which is rapid, sharp, sudden and significant.

72. Increase in imports from China Vis-à-vis Other countries.

The contribution of imports from China has been compared with that from other countries. It has been noticed that the share of imports from China has gone up while share of other countries declined up to 2007-08. The average monthly imports of FRP from China increased at much faster rate than imports from countries other than China. The different trends in imports from china compared to the imports from other countries justify adoption of Transitional Product Specific Safeguard Measure.

Increase in share of Imports- FRP

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	22.11	29.97	44.07	50.73
Other Countries	77.89	70.03	55.93	49.27

Source:-DGCI&S

Increase in share of Imports- FOIL

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
China	23.84	40.07	55.21	69.75

Other Countries	76.16	59.93	44.79	30.25
-----------------	-------	-------	-------	-------

Source:-DGCI&S

73. Increase in share of Imports in Domestic Market FRP

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
Sales of Domestic industry	50.85	51.10	46.17	42.29
Sales of Other Indian Industries	36.80	32.78	35.68	36.98
Total of Indian Industry	87.65	83.88	81.84	79.27
Imports from China	2.73	4.83	8.00	10.52
Other Countries-Imports	9.62	11.29	10.15	10.21

Source:-DGCI&S and verification report of site visit

FOIL

Imports(MT)	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
Sales of Domestic industry	42.21	39.21	31.12	26.37
Sales of Other Indian Industries	25.93	26.64	24.94	21.81
Total of Indian Industry	68.14	65.85	56.06	48.18
Imports from China	7.60	13.69	24.26	36.15
Other Countries-	24.27	20.47	19.68	15.68

Imports				
---------	--	--	--	--

Source:-DGCI&S and verification report of site visit.

Market Disruption or Threat of Market Disruption

74. Production:

The Production trend of the domestic industry over the period is as follows:

Aluminium Flat Rolled Products

Production	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
Hindalco	MT	187,678	207,900	214,584	134,709
Average Monthly Production	MT	15,640	17,326	17,882	14,968
Indexed Average Monthly Production	Trend	100	111	114	96

Aluminium Foil

Production	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-08 to Dec-08
Hindalco	MT	28,567	28,360	27,735	18,914
Average Monthly Production	MT	2381	2363	2311	2101
Indexed Average Monthly Production	Trend	100	99	97	88

Given the growth of the product in the Country, domestic industry argued that Indian producers have been able to increase production of Aluminum Rolled Products, until recently when production has started suffering as a result of increase in Chinese imports. Some of the interested parties argued that fall in production is not significant. From the production figures it is evident that fall in production is 16% in case of FRP and 9% in case of Foil, which is significant considering the volume of production and large market. It is also observed that production has started suffering with the increased imports of Aluminum Rolled Products and Foils into India. In case of Foil, the production has consistently declined, but the decline during 2008-09 has been sharper compared to past period.

75.5. Capacity Utilization:

(a) Aluminium Flat Rolled Products

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Dec-08
Capacity	MT	175,000	205,000	205,000	153,750
Production	MT	187,678	207,908	214,584	134,709
Capacity Utilization	%	107.24	101.42	104.68	87.62

(b) Aluminium Foil

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Dec-08
Capacity	MT	40,000	40,000	40,000	30,000
Production	MT	28,567	28,360	27,735	18,911
Capacity Utilization	%	71.42	70.90	69.34	63.04

Some of the interested parties have contended that the capacity utilization in case of one unit has been downgraded to 30000 in 2007-08. On scrutiny of balance sheet it is found

that there has not been any down gradation of capacity. The capacity taken here is the total capacity of the three plants. The copy of balance sheet along with clarification by the domestic industry has been kept in Public file.

Further, the capacity utilization during 2008-09 clearly shows steep fall. The capacity utilization fell by 17.06% in 2008-09 (upto Dec) compared to rise of 3.26% in 2007-08 compared to previous years. In case of foil, the capacity utilization fell by 6.3% in 2008-09 (upto Dec) compared to rise of 1.56% in 2007-08 compared to previous years. These fall in capacity utilization is significant to cause material injury to the domestic industry.

76. **Domestic Sales:**

Aluminium Flat Rolled Products

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Dec-08
Sales	MT	85,588	94,235	98,460	61,111
Average Monthly Sales	MT	7132	7853	8205	6790
Indexed Average Monthly Sales		100	110	115	95

Aluminium Foil

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Dec-08
Sales	MT	25,790	25,489	24,457	16,615
Average Monthly Sales	MT	2149	2124	2038	1846
Indexed Average Monthly Sales	MT	100	99	95	86

The preliminary determination has been that the monthly sales volume by the domestic producer has declined significantly April-December 2008 compared to 2007-08 against the rising trend during the period from 2005-06 to 2007-08. The fall in sales has been more profound during October-December. The verified data as mentioned above shows same trend. The sales of both the products have been significantly lower than the immediately preceding year and the least in past three years. It is also observed that the sales of the domestic industry suffered over the period as a result of increased imports.

77. Demand and Market share analysis:

ERP

Demand					
Sales of Domestic industry	MT	85,588	94,235	98,460	61,111
Sales of Other Indian Industries	MT	61,928	60,443	76,083	53,435
Imports from China	MT	4,596	8,906	17,065	15,196
Other Countries-Imports	MT	16,193	20,814	21,657	14,760
Total demand/consumption	MT	168,305	184,398	213,264	144,502
Market Share in Demand					
Sales of Domestic industry	%	50.85	51.10	46.17	42.29
Sales of Other Indian Industries	%	36.80	32.78	35.68	36.98
Total of Indian Industry	%	87.65	83.88	81.84	79.27
Imports from China	%	2.73	4.83	8.00	10.52
Other Countries-Imports	%	9.62	11.29	10.15	10.21

Source- Import figures DGCI&S

The market size of Aluminium FRP is down by 1% against 17% loss of sales. This loss of sales except a minor loss on account of reduction of market size by 1% is on account of imports from China, which has risen by 19% against the back drop of falling imports from other countries.

FOIL

Demand				2007-08	2008-09 (Up to Dec.)
Sales of Domestic industry	MT	25,790	25,489	24,457	16,615
Sales of Other Indian Industries	MT	15,840	17,320	19,600	13,740
Imports from China	MT	4,642	8,897	19,064	22,775
Other Countries-Imports	MT	14,826	13,304	15,465	9,876
Total demand/consumption	MT	61,098	65,010	78,586	63,006
Market Share in Demand					
Sales of Domestic industry	%	42.21	39.21	31.12	26.37
Sales of Other Indian Industries	%	25.93	26.64	24.94	21.81
Total of Indian Industry	%	68.14	65.85	56.06	48.18
Imports from China	%	7.60	13.69	24.26	36.31
Other Countries-Imports	%	24.27	20.47	19.68	15.68

Source- DGCI&S

The market size of Aluminium Foil increased by 7% while domestic industries suffered loss of 9% in sales. This loss of sales is on account of imports from China, which has risen by 59% against the back drop of falling imports from other countries.

From the above, it is apparent that the imports from China have not only taken share of domestic producers but also the share of other countries. This change in market dynamics has serious implication as the parameters influencing competition in the domestic market has gone substantial change, which is not desirable in long term.

78. Employment:

Employment levels with the domestic producers have declined. This reduction in employment is due to curtailment of production by the domestic industry.

Statement showing manpower deployment

Year/ Month	FRP			FOIL		
	Permanent	Temporary	Total	Permanent	Temporary	Total
2005-06	2,131	945	3,076	1,094	471	1,565
2006-07	2,139	1,006	3,145	1,076	489	1,565
Apr'07	2,317	1,087	3,404	1,079	496	1,575
May'07	2,311	1,116	3,427	1,065	492	1,557
Jun'07	2,317	995	3,312	1,057	515	1,572
Jul'07	2,305	957	3,262	1,052	520	1,572
Aug'07	2,308	891	3,199	1,046	466	1,512
Sep'07	2,307	875	3,182	1,044	467	1,511
Oct'07	2,316	896	3,212	1,038	461	1,499
Nov'07	2,309	753	3,062	1,037	456	1,493
Dec'07	2,306	784	3,090	1,033	501	1,534
Jan'08	2,297	777	3,074	1,031	487	1,518
Feb'08	2,294	791	3,085	1,027	494	1,521
Mar'08	2,279	780	3,059	1,027	448	1,475
Apr'08	2,285	791	3,076	1,019	448	1,467
May'08	2,277	839	3,116	1,051	428	1,479
Jun'08	2,268	853	3,121	1,032	481	1,513
Jul'08	2,269	853	3,122	1,024	435	1,459

2049 GI/09-13

Aug'08	2,256	815	3,071	1,025	430	1,455
Sep'08	2,246	783	3,029	1,029	430	1,459
Oct'08	2,230	746	2,976	1,032	419	1,451
Nov'08	2,223	712	2,935	1,029	437	1,466
Dec'08	2,226	685	2,911	1,028	421	1,449

79. **Domestic selling Prices:**

The domestic prices are under pressure on account of increased imports at lower prices. The average prices in December 08 have gone down below 2007-08 and 2006-07 level. The prices till September 2008 have been on rise, but the prices fell sharply after September 2008, when recession affected developed countries. One of the reasons of fall has been fall in LME prices. The energy cost and other costs did not fall in India as the fall of Metal prices and thus the price of final product cannot be directly proportional to the LME prices.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April- Sept-08	Oct-08	Nov-08	Dec-08
FRP	Rs./KG	129.40	156.87	146.39	164.32	147.73	139.79	122.95
FOIL	Rs./KG	188.76	210.52	205.63	226.76	224.76	206.86	202.82

It is seen that selling prices started declining very significantly from Oct., 2008. The domestic industry argued that the landed price of imports are significantly below the selling price of the domestic industry and as a result of significant price difference between the imported product price and domestic industry price, the consumers have increasingly switching over to imports. The arguments have merit as evident from increased imports.

80. **Profitability:**

FRP

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April- Sept-08	Oct-08	Nov- 08	Dec-08
--	------	---------	---------	---------	-------------------	--------	------------	--------

Cost of sales	Rs./KG	120.14	146.99	141.97	155.11	153.60	139.31	127.70
Selling Price	Rs./KG	129.4	156.9	146.4	164.3	147.7	139.8	123.0
Profit/Loss	Rs./KG	9.26	9.88	4.42	9.21	(5.87)	0.49	(4.75)
Total Profit/Loss	Rs.Lacs	7,929.48	9,307.20	4,353.41	3,944.09	(323.13)	34.40	(332.73)

FOIL

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Sepot-08	Oct-08	Nov-08	Dec-08
Cost of sales	Rs./KG	209.98	236.89	233.67	248.65	257.09	242.65	233.96
Selling Price	Rs./KG	188.76	210.52	205.63	226.76	224.76	206.86	202.82
Profit/Loss	Rs./KG	(21.22)	(26.38)	(28.03)	(21.89)	(32.33)	(35.80)	(31.15)
Total Profit/Loss	Rs.Lacs	(5,473.78)	(6,722.67)	(6,835.10)	(2,565.39)	(531.17)	(648.33)	(490.60)

The profitability of the domestic industry has significantly gone down. The domestic industry has made a profit of Rs 9.21/Kg during 2007-08, but the profit declined during the month of Oct-Dec 2008 in the case of FRP. During the month of October and December the profitability has turned negative and the domestic industry had to make loss of Rs. 5.87/kg and Rs. 4.75/Kg.

In the case of Aluminium foils, the domestic industry has been incurring losses, but the losses increased by more than 40% compared to 2007-08 during October-December 2008-09.

81. Cash profit:

The profit made by the domestic industries have seen significant decline especially in the case of FRP, where the cash profit turned negative. In case of Foil, the losses increased in October-December 2008 compared to 2007-08.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Sepot-08	Oct-08	Nov-08	Dec-08
FRP	Rs.Lacs	10,659.71	12,061.05	6,805.15	5,009.86	(190.33)	205.18	(163.81)
FOIL	Rs.Lacs	(3,539.72)	(5,168.68)	(5,585.53)	(2,103.16)	(443.24)	(561.28)	(399.29)

82. **Return on capital employed:**

The return on investment is following the same trend as that of profitability.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	April-Sepot-08	Oct-08	Nov-08	Dec-08
FRP	%	29.10	24.69	21.24	30.99	(2.54)	9.67	(1.20)
FOIL	%	(18.06)	(23.77)	(27.60)	(16.85)	(24.28)	(31.68)	(26.78)

83. **Other factors:** Factors other than increase in imports that might be operating at the same time and causing injury to the domestic industry were examined. In this regard, particularly the following factors were examined:

- i. Dumping or subsidization –There is no allegation of dumping or subsidization of goods with evidence in the present case.
- ii. Imports from third countries – The imports from third countries are not at significant rise and the import is at prices higher than Chinese prices. Thus, third countries imports are not the cause for the injury to the domestic industry.
- iii. Changes in the patterns of consumption: - Domestic industry claimed that the pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. None of the responding parties have argued that changes in the pattern of consumption could have contributed to the injury to the domestic industry.

- iv. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: - Domestic industry argued that there is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry. None of the responding parties have argued that trade restrictive practices could have contributed to the injury to the domestic industry.
- v. Productivity – Domestic industry argued that changes in productivity levels are only due to increased imports and resultant reduction in production and even if productivity is kept at the same level, the data would show that the domestic industry has suffered injury. The investigation has not shown any evidence that the industry has suffered injury due to decline in productivity of machinery.
- vi. Developments in technology: - Domestic industry argued that technology for production of the product has not undergone any change. Further, the interested parties have also not adduced any evidence which can show any change in technology causing injury to domestic industry
- vii. Export performance: Information relating to only domestic performance has been considered. Therefore, possible injury caused due to export performance deterioration has been segregated while assessing price effect.

Causal Link between Increased Imports and Threat of Serious Injury:

84. A comprehensive evaluation of parameters as above for the period from 2005-06 up to December 2008 demonstrates that market disruption and imminent threat of market disruption is being caused by increased imports. The causal link is established by the following.

- (a) The imports of the said products have increased significantly. During the period when imports increased, the economic parameters indicating injury viz. sales, production, capacity utilization, pressure on prices, market share have shown decline.
- (b) In this respect, the findings of Appellate Body in the Argentina foot ware case is referred of WTO
"We note that Article 4.2(a) requires the competent authorities to evaluate "the rate and amount of the increase in imports", "the share of the domestic market taken by increased imports", as well as the "changes" in the level of factors such as sales, production, productivity, capacity utilization, and others. We see no reason to disagree with the Panel's interpretation that the words "rate and amount" and "changes" in Article 4.2(a) mean that "the trends -- in both the injury factors and the imports -- matter as much as their absolute levels." We also agree with the Panel that, in an analysis of causation, "it is the relationship between the movements in imports (volume and market share) and the movements in injury factors that must be central to a causation analysis and determination." (emphasis added) Furthermore, with respect to a "coincidence" between an increase in imports and a decline in the relevant injury factors, we note that the Panel simply said that this should "normally"

occur if causation is present.] The Panel qualified this statement, however, in the following sentence:

While such a coincidence by itself cannot prove causation (because, inter alia, Article 3 requires an explanation – i.e., "findings and reasoned conclusions"), its absence would create serious doubts as to the existence of a causal link, and would require a very compelling analysis of why causation still is present. Consequently, whereas the market share of the imports has increased, that of domestic industry has declined. Decline in the market share of the domestic industry is because of increased imports. While the decline in the market share upto Sept., 2008 is because of demand in the Country being much higher than domestic supplies; the decline in the market share in subsequent period is clearly because of surge in low priced imports at a time when the domestic industry was faced with unutilized capacities"

- (c) **Demand in Indian Market:** The demand analysis above shows that the injury is significantly on account of increased imports at low prices.
- (d) **Increased imports vis-a-vis loss:** The increased imports at low prices caused pressure on domestic prices, as evident from falling prices. The falling prices caused strain on profitability to the extent that the profitability per Kg turned negative during Oct-Dec 2008.

85. From the above it is apparent that the market disruption is attributed substantially and significantly to increased imports from China.

Public Interest:

- 86. Various interested parties have contended that their economic interest would be affected on account of safeguard duty, but no evidence on the impact of safeguard duty on their profitability and viability has been given. The observance during operation of provisional duty has not indicated any substantial impact on the parties, who opposed imposition of duty.
- 87. As far as those, whose products are not manufactured by Hindalco, the same has been excluded.
- 88. Further, on examination of the competing interests of different economic operators and public at large has been carried out. In this respect, it is important to keep the prime objective of safeguard laws in mind which is to provide sufficient time to the domestic industry to make positive adjustments to meet the situation of increased imports. The strategic and national importance of Aluminium industries has long been recognized. It is in the interest of all to keep a healthy and competitive Aluminium Industry. It is apparent that if the provisional safeguard measures are not taken, both the prices and market share of domestic industries will further reduce resulting in financial loss of domestic Industries

to the extent of getting the domestic industry unviable and consequent loss of employment as well as loss of strategic and economic interest to keep the domestic market competitive. The imposition of safeguard duty would allow the domestic industry to remain competitive and, at the same time, users/buyers will have a wider choice to source their material requirements, that too at competitive prices.

Provisional measures

89. In the preliminary findings, it was held that increased imports of Aluminium FRP and Foil have caused and threatened to cause further market disruption. It was also observed that critical circumstances existed, where any delay in application for safeguard measures would cause irreparable damage to the industry. Considering the market disruption in the domestic industry during the first nine months of 2008-09 in a number of critical injury parameters as explained in the paragraphs above, it is held that in the absence of provisional measures, injury would have caused irreparable damage.
90. Considering the average cost of production of FRP and FOIL separately by the domestic producers (Confidential), a reasonable return on capital employed, the level of competition required in the domestic market, the level of import duties and the average import prices of the same products safeguard duty at the rate of 21% (Twenty One Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7606 (Aluminium Flat Rolled Products) and at the rate of 35% (Thirty Five Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7607 (Aluminium Foil) was recommended. Pursuant to the preliminary findings, Ministry of Finance, Government of India imposed the Safeguard duty at the rate of 21% (Twenty One Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7606 (Aluminium Flat Rolled Products) and at the rate of 35% (Thirty Five Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7607 (Aluminium Foil) vide notification number 26/2009-Cus dated 23.3.2009.

Miscellaneous:

91. A writ petition was filed by M/s Thermotechnologies Pvt. Ltd before the High Court of Judicature at Madras, challenging the notification no. 26/2009-Cus dated 23.3.2009, whereby the preliminary findings of DG was also challenged as the notification is only sequel to the preliminary finding dated 2.2.2009. The Hon'ble Court ruled that the 'challenge to the notification appears to be premature'. However, a direction to take the submission of M/s Thermotechnologies Pvt. Ltd in to account and make a final determination within three weeks of receipt of the copy of order and issue a notification within three weeks by the Union of India was issued vide order dated 18.4.2009, which was received on 18.5.2009 in the office of DG safeguards.
92. M/s Thermotechnologies Pvt Ltd was heard in person on 25.5.2009 and their submissions were taken into account.

93. A writ petition was filed by M/s MEC International Pvt. Ltd before the High Court of Judicature at Madras to stay the operation of the notification number 26/2009-Cus dated 23.3.2009. The Hon'ble Court passed an interim order permitting to clear goods in respect of B/L 0279539804 on furnishing a bank guarantee to the extent of duty imposed.
94. Writ petitions were also filed before the High Court of Judicature at Bombay by P.G. Foils Ltd challenging the notification no. 26/2009-Cus dated 23.3.2009 with ad interim relief. The pleadings has not yet completed and the court found '*In so far as interim reliefs is concerned, there are really no substantial pleadings in support of the plea for interim relief in so far as balance of convenience and irreparable hardship.*'

CONCLUSION AND RECOMMENDATION

95. On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foils {Aluminum Products (FRP & Foils)} from People's Republic of China have caused and threatened to cause market disruption to the domestic industry/ producers of Aluminum Products (FRP & Foils). There exist critical circumstances, where any delay in application for Specific Safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, necessitating immediate application of provisional Specific Safeguard duty for period of 200 days, pending final determination of market disruption and threat of market disruption. Considering the average cost of production of Aluminum Products by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the present level of import duties and average import prices of Aluminum Product Specific Safeguard Duty at the rate of 21% (Twenty One Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7606 (Aluminium Flat Rolled Products) and at the rate of 35% (Thirty Five Percent) ad valorem on all goods falling under Chapter heading 7607 (Aluminium Foil) which is considered to be the minimum required to protect the interest of domestic industry is recommended to be imposed on imports of such goods from Peoples Republic of China.

In view of the findings above, it is concluded that increased imports of product under consideration into India have caused and threatened to cause serious injury to the domestic industry and it will be in the public interest to impose safeguard duty for a period of four years on imports of the products under consideration into India. In arriving at the amount of safeguard duty that would be adequate to prevent market disruption weighted average cost of production has been taken into account. The present level of duties, import prices as well as the appropriate level of competition required in the

domestic market has also been considered at arriving at the Safeguard duty and gradual liberalization of the duty.

96. Based on the above, it is recommended that safeguard duty be imposed on imports of Aluminium FRP and Aluminium Foil into India for a period of four years at the rates specified below as under being the minimum necessary for the protection of the domestic industry from the market disruption caused and threatened to be caused by the increased imports of the products under consideration.

97. The list of products and recommended safeguard duty are as follows;

<p>All products falling under Chapter heading 7606 (Aluminium Flat Rolled Products) excluding</p> <ol style="list-style-type: none"> Colour Coated Aluminium Coil with either PE (Polyester) Coating or PVDF (fluorine-carbon) Coating falling under CTH 7606. Aluminium Composite panels. Aluminium-Manganese-Silicon based and/or Aluminium-Magnesium-Silicon based alloys, whether clad or unclad; with thickness between 0.05 mm to 3.00 mm; with post brazing yield strength greater than 45 MPA, falling under tariff heading 7606 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof. 	
FRP	
Year	Rate of duty
1 st Year	14% ad-valorem
2 nd Year	12% ad-valorem
3 rd Year	10% ad-valorem
4 th Year	8% ad-valorem

<p>All products falling under Chapter heading 7607 (Aluminium Foils) excluding”</p> <ol style="list-style-type: none"> Aluminium Foil of thickness less than 7 micron falling under CTH 7607 “Aluminium foil of 10.5 micron with rough surface and perforated whether printed or not; to be used by beer bottling unit” 	
---	--

- iii. Colour Coated Aluminium Coil with either PE (Polyester) Coating or PVDF (fluorine-carbon) Coating falling under CTH 7607.
- iv. Etched or formed Aluminium Foils falling under CTH 7607 meant to be used in the manufacture of Electrolytic capacitors.
- v. Poly Aluminium Foil Coated with Copolymer falling under CTH 7607 to be used in the manufacture of PIJF Telecom Copper Cables or Optical Fiber Cables.
- vi. Aluminium-Manganese-Silicon based and/or Aluminium-Magnesium-Silicon based alloys, whether clad or unclad; with thickness between 0.05 mm to 3.00 mm; with post brazing yield strength greater than 45 MPA, falling under tariff heading 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof.

FOILS

Year	Rate of duty
1 st Year	30% ad-valorem
2 nd Year	25% ad-valorem
3 rd Year	20% ad-valorem
4 th Year	15% ad-valorem

[F. No. D-22011/46/2008]
S. S. RANA, Director General